{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 06 जुलाई 2026
आषाढ़ कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 282
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia  /padmeshmedia  epaper.balaghatexpress.in  E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### जम्मू-कश्मीर में 2 लश्कर आतंकी मारे गए

शोपियां। जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में भारतीय सेना के जवानों ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए। मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे। एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है।

सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी। मुठभेड़ 4 जुलाई की शाम 7:45 बजे शुरू हुई थी। अंधेरे के कारण एनकाउंटर और सर्च ऑपरेशन रात में रोक दिया गया था।

### चंदन होला में फैक्ट्री में भीषण आग, 8 घंटे बाद काबू

नई दिल्ली । नई दिल्ली के चंदन होला इलाके में रविवार सुबह करीब 2:00 बजे पंजाब नेशनल बैंक के पास एक फैक्ट्री में भीषण आग लगी। यह आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते 5,000 वर्ग गज के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मची। दमकल विभाग को रात करीब 2:30 बजे इसकी सूचना मिली, जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए कुल 30 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इस मध्यम श्रेणी की आग घोषित किया गया था। दमकल कर्मियों की अथक मेहनत के बाद, करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। राहत की बात यह रही कि इस बड़े हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। आग लगने के असली कारणों का पता लगाने के लिए फिलहाल जांच जारी है।

### पंजाब में डिप्टी जेल सुपरिटेंडेंट गिरफ्तार

होशियारपुर। होशियारपुर की सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट हरभजन सिंह को सीआईए स्टाफ ने गिरफ्तार कर लिया है। डिप्टी सुपरिटेंडेंट पर आरोप हैं कि वह कैदियों से जेल में नशा बिकवाते थे। जेल में बंद एक कैदी मनप्रीत मन्ना ने एक वीडियो जारी किया था। जिसमें उसने दावा किया था कि उनसे नशा बिकवाने के साथ जेल में गलत काम हो रहे हैं। चक्की में रात को लड़का-लड़की आए थे। उसने हाथ में पुड़िया दिखाकर उसमें आइस (मेथामफेटामाइन) होने का दावा किया था, जो सिंथेटिक नशा है। इसके बाद पुलिस ने थाना होशियारपुर सिटी में 14 जून को पंजाब प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 151 दर्ज की गई थी। जिसके बाद मन्ना के लगाए आरोपों की जांच की जा रही थी। जिसमें हरभजन सिंह का नाम निकला।

### कुछ ना कहना




## बारिश से महाराष्ट्र में सड़कें बनीं नदी, गुजरात में कॉलोनी में नाव चली

# मानसूनी तेज बारिश और आंधी का 13 राज्यों में अलर्ट

### महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में रेड अलर्ट, वसई में 20 कारें डूबीं, पालघर में बच्चे की मौत

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड समेत 13 राज्यों में तेज बारिश और आंधी को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

महाराष्ट्र के वसई स्थित नालासोपारा इलाके में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कें नदी में तब्दील हो गईं। जलभराव इतना अधिक था कि करीब 20 कारें पानी में डूब गईं। मुंबई में भी भारी बारिश का असर देखने को मिला, जहां 64 पेड़ गिरने और आठ मकानों की दीवारें ढहने की घटनाएं सामने आईं। पालघर जिले में बाढ़ के पानी में बहने से छह वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि प्रशासन ने विभिन्न प्रभावित इलाकों से 180 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

गुजरात में भी बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है। जूनागढ़ में कई इलाकों में चार फीट तक पानी भर जाने से कॉलोनियों में नाव चलानी पड़ी। नवसारी जिले में अंबिका नदी पर बने पुल के बीच गहरा गड्ढा बनने से 11 गांवों का संपर्क टूट गया, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### राहत एवं बचाव दल अलर्ट पर

मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों के दौरान कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, जलभराव वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। कई राज्यों में राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

### खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

उत्तराखंड के हल्द्वानी में खराब मौसम के कारण एक निजी कंपनी के हेलिकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, लैंडिंग से करीब दो मिनट पहले मौसम अचानक खराब हो गया, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलिकॉप्टर को एक स्कूल परिसर में सुरक्षित उतार दिया। उस समय परिसर में 10 से 12 बच्चे खेल रहे थे। हेलिकॉप्टर में दो यात्री और एक पायलट सवार थे। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

### मप्र में नदी-नाले उफनाए, घरों में घुसा पानी

मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। रविवार को पांढुर्णा जिले के सीतापार के पगढ़ी गांव में बिजली गिरने से 48 वर्षीय सुलोचना तड़ाम की मौत हो गई। भोपाल, नरसिंहपुर, विदिशा, टीकमगढ़, मुरैना समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई। सीहोर में घने काले बादलों के कारण दिन में ही अंधेरे जैसे हालात बन गए। वहीं, मंदसौर में इस मानसून सीजन में अब तक 6.04 इंच बारिश दर्ज की गई। शाजापुर में सबसे ज्यादा 28 मिमी बारिश हुई। बारिश के बाद कालीसिंध नदी उफान पर है। नदी का तेज बहाव देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जबकि कुछ मछुआरे जान जोखिम में डालकर मछली पकड़ते नजर आए। भिंड में रविवार को हुई करीब डेढ़ घंटे की बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भर जाने से हालात लबालब हो गए और लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वार्ड क्रमांक 6 में स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर पार्षद ने खुद मौके पर पहुंचकर घरों में घुसे पानी को बाहर निकलवाने में मदद की। लगातार बारिश और खराब ड्रेनेज व्यवस्था के कारण इलाके में जलभराव की समस्या और बढ़ गई। शाजापुर जिले में रविवार शाम करीब 6 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। घने काले बादलों के बीच तेज हवा चली। इसके बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। तेज बारिश के बाद रिमझिम बारिश का दौर भी जारी रहा।

## चढ़ावा चोरी के बाद राम मंदिर ट्रस्ट की पहली बैठक आज, आमने-सामने होंगे सभी ट्रस्टी

# चंपत राय, अनिल मिश्रा का तय होगा भविष्य

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण के सामने आने के बाद श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को होने वाली बैठक कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मणिरामदास जी की छावनी में दोपहर तीन बजे होने वाली इस बैठक में पहली बार सभी ट्रस्टी एक साथ बैठेंगे। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास करेंगे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि की ओर से जारी एजेंडे के अनुसार बैठक की शुरुआत पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ। अनिल कुमार मिश्र के त्यागपत्र पर विचार से होगी। इसके बाद राम मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त चढ़ावे की गणना में सामने आई अनियमितताओं की जांच कर रही तीन सदस्यीय एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट ट्रस्ट के समक्ष रखी जाएगी। रिपोर्ट के प्रमुख बिंदुओं से सभी ट्रस्टियों को अवगत कराया जाएगा और आगे की कार्रवाई पर चर्चा होगी।

ये बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब चढ़ावा चोरी मामले में गणना कार्य से जुड़े आठ आरोपी जेल में हैं और मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इस प्रकरण में पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल कुमार मिश्र भी आरोपों के चलते चर्चा के केंद्र में रहे हैं। ऐसे में ट्रस्ट की इस बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हैं। सूत्रों के अनुसार, बैठक में राम मंदिर की प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था को ज्यादा पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विचार किया जा सकता है। इनमें मंदिर के लिए एक पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति पर चर्चा हो सकती है। माना जा रहा है कि सीईओ की नियुक्ति से मंदिर के संचालन, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक व्यवस्था को ज्यादा व्यवस्थित और पेशेवर स्वरूप देने की दिशा में कदम उठाया जाएगा।

### आगे के बदलाव के रास्ते पर चर्चा

बैठक में एसआईटी की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर भविष्य की कार्यप्रणाली, चढ़ावे की गणना व्यवस्था में सुधार, जवाबदेही तय करने और मंदिर प्रबंधन को मजबूत बनाने के उपायों पर भी बड़े स्तर पर मंथन होने की संभावना है। राम मंदिर ट्रस्ट की ये बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि इसके फैसले न केवल चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद ट्रस्ट की आगे की रणनीति तय करेंगे, बल्कि मंदिर की वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव का रास्ता भी खोल सकते हैं।

## ममता की बागियों को चुनौती...तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ममता ने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें रोकना है, तब उन्हें मारना पड़ेगा, क्योंकि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाने वाला और उनकी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने बागी नेताओं को सीधी चुनौती देकर कहा, अगर हिम्मत है, तब खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

ममता ने आरोप लगाया कि ये बागी नेता अब खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और गद्दारी की भी सीमा होती है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं ने पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वहीं अब उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, जिसने उन्हें राजनीतिक पहचान दी। ममता का यह बयान तब आया है जब पार्टी के भीतर बड़ी टूट देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं, जिन्होंने पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया है। हाल ही में, टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। इन विधायकों ने 3 जून को ममता के नेतृत्व से अलग होने की घोषणा की थी, जबकि सांसदों ने 15 जून को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। ममता ने कहा कि वे इस बगावत का डटकर मुकाबला करेंगी और जनता के बीच अपनी पार्टी का चिह्न लेकर जाएंगी।

## आमिर खान और गौरी शादी के बंधन में बंधे

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने अपनी लंबे समय की साथी गौरी स्प्रैट के साथ रविवार को एक निजी समारोह में कानूनी रूप से शादी कर ली। दोनों ने मुंबई के बांद्रा स्थित पाली हिल आवास पर दोपहर करीब 12:45 बजे स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत विवाह पंजीकरण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। शादी का आयोजन बेहद सादगीपूर्ण रखा गया, जिसमें केवल परिवार के सदस्य और करीबी मित्र ही शामिल हुए। इस सादगीपूर्ण शादी समारोह में उद्योगपति मुकेश अंबानी, फिल्म निर्देशक आशुतोष गोवारिकर समेत आमिर और गौरी के करीबी मित्र तथा दोनों परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। समारोह का एक भावुक पल तब देखने को मिला जब आमिर और गौरी विवाह के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रहे थे। उस दौरान गौरी की पहली शादी से उनके बेटे और आमिर की दूसरी शादी से बेटे आजाद भी उनके साथ मौजूद थे। आजाद ने आमिर की अंगूठी का बॉक्स संभाला, जबकि गौरी के बेटे ने उनकी अंगूठी का बॉक्स थामा। यह पारिवारिक सहभागिता समारोह का विशेष आकर्षण रही।

## अग्निवीरों के लिए स्थायी रिटेंशन 50 फीसद तक बढ़ाने पर केंद्र कर सकता है फैसला

### पहले बैच की चार साल की सेवा पूरी होने से पहले बड़े बदलावों पर मंथन

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती हुए पहले बैच की चार वर्ष की सेवा अवधि पूरी होने से पहले केंद्र सरकार और भारतीय सेना योजना में महत्वपूर्ण बदलावों पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों के स्थायी रिटेंशन का प्रतिशत मौजूदा 25 फीसद से बढ़ाकर 50 फीसद तक किए जाने के प्रस्ताव पर गंभीरता से मंथन चल रहा है।

अग्निवीर योजना का पहला बैच वर्ष 2026-27 में अपनी चार वर्षीय सेवा पूरी करेगा। इसके बाद अग्निवीर-2 बैच की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे पहले सरकार योजना के अनुभवों और सैन्य आवश्यकताओं के आधार पर इसकी व्यापक समीक्षा कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के कार्यभार संभालने के बाद अग्निपथ-2 के संभावित स्वरूप पर भी चर्चा तेज हो गई है। समीक्षा के दौरान स्थायी रिटेंशन के अलावा सेवा अवधि, प्रशिक्षण मॉडल और दीर्घकालिक मानव संसाधन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विचार किया जा रहा है।

फिलहाल अग्निपथ योजना के तहत चार वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही सेना के स्थायी कैडर में शामिल करने का प्रावधान है। हालांकि, पूर्व सैन्य अधिकारियों के एक वर्ग का मानना है कि प्रशिक्षित और अनुभवी जवानों का बेहतर उपयोग करने के लिए स्थायी रिटेंशन का प्रतिशत 50 से 75 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न सुझावों में 50 प्रतिशत रिटेंशन का प्रस्ताव सबसे अधिक व्यावहारिक माना जा रहा है और इसी विकल्प पर सबसे गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

## नागपुर में एक ही परिवार के 5 सदस्य रहस्यमय तरीके से लापता, 10 दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

नागपुर, । महाराष्ट्र के नागपुर शहर के धंतोली थाना क्षेत्र से एक ही परिवार के पांच सदस्यों के अचानक लापता होने से सनसनी फैल गई है। खबर है कि सुरेश परसवानी के परिवार के पांच सदस्य 24 जून से रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हैं। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चलने पर 29 जून को धंतोली पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। लापता लोगों में 57 वर्षीय हर्षा सुरेश परसवानी, 42 वर्षीय जितेंद्र परसवानी, उनकी 40 वर्षीय पत्नी ईशीता जितेंद्र परसवानी, 21 वर्षीय खुशी जितेंद्र परसवानी और 12 वर्षीय कृष्णा जितेंद्र परसवानी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्य बिना किसी को बताए घर से निकल गए और उसके बाद से उनका कोई संपर्क नहीं हुआ। परिजनों के अनुसार, सभी सदस्य धंतोली क्षेत्र स्थित अपने घर में साथ रहते थे। जब कई दिनों तक उनका कोई पता नहीं चला तो परिवार के सदस्य श्यामसुंदर किमतराय परसवानी ने 29 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

## मुंबई एयरपोर्ट पर 6 करोड़ रुपये के 4 किलो सोने के साथ महिला गिरफ्तार

मुंबई, । मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दुबई से आई एक महिला यात्री के पास से करीब 4 किलोग्राम विदेशी मार्किंग वाले सोने के बिस्कुट बरामद किए हैं। जब्त किए गए सोने की भारतीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीआरआई ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार डीआरआई को गुप्त सूचना मिली थी कि दुबई से मुंबई आने वाली एक महिला बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी करने वाली है। सूचना के आधार पर अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी शुरू की। महिला के विमान से उतरते ही उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और उसके सामान के साथ-साथ उसकी व्यक्तिगत तलाशी भी ली गई। तलाशी के दौरान अधिकारियों को महिला की पैंट के अंदर बेहद चालाकी से छिपाकर रखे गए चार सोने के बिस्कुट मिले। इनका कुल वजन लगभग 4 किलोग्राम था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तस्करों ने कस्टम जांच से बचने के लिए सोने को शरीर पर छिपाकर लाने की यह नई तरकीब अपनाई थी। डीआरआई ने पूरा सोना जब्त कर लिया है और महिला को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। अब जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि महिला केवल सोना पहुंचाने वाली कैरियर थी या फिर किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह का हिस्सा है।

## पंडवानी क्वीन तीजन बाई पंचतत्व में विलीन- राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने शनिवार रात 3:15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे काफी समय से अस्वस्थ थीं। भारतीय लोक कला में उनके अतुलनीय योगदान हेतु उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावी अभिनय और अनूठी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। उन्हें महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा अपने नाना से मिली थी, और उन्होंने 13 साल की उम्र में पहली बार गाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

## एलएनजी आपूर्ति सामान्य- मोदी सरकार ने हटाए प्रतिबंध, होर्मुज से दौड़ेगी गैस

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति पर लगाए गए आपातकालीन प्रतिबंधों को हटाया है। यह फैसला देश के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि मध्य पूर्व से भारत में आने वाली एलएनजी की आपूर्ति अब पहले की तरह सामान्य हुई है। कुछ महीने पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े तनाव के कारण गैस की आवाजाही प्रभावित हुई थी, जिसके बाद केंद्र सरकार को विशेष इंतजाम करने पड़े थे। अब हालात सुधरने और जहाजों की आवाजाही सामान्य होने के बाद इन पाबंदियों की जरूरत नहीं है।

दरअसल, मार्च महीने में मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले एलएनजी जहाजों की आवाजाही में बाधा आने की आशंका बढ़ी थी। तब भारत में गैस आपूर्ति पर संभावित असर को देखकर केंद्र सरकार ने आपातकालीन नियम लागू किए थे, इसका उद्देश्य आवश्यक क्षेत्रों को गैस की प्राथमिकता से आपूर्ति सुनिश्चित करना था। वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और सामान्य आवाजाही फिर स्थापित होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है।

इन प्रतिबंधों के हटने से उन सभी क्षेत्रों को बड़ी राहत मिलेगी जो प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। इसमें सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) और पीएनजी (पाइप वाली प्राकृतिक गैस) उपभोक्ता, उर्वरक इकाइयां,



रिफाइनरियां, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और विभिन्न औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों को अब पहले की तरह निर्बाध गैस आपूर्ति मिल सकेगी, जिससे उत्पादन और परिचालन संबंधी चिंताएं कम होंगी। यह फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी सकारात्मक संकेत है, क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होने से औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि, केंद्र सरकार ने फिलहाल रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में किसी तत्काल बदलाव का ऐलान नहीं किया है। लेकिन, एलएनजी की आपूर्ति सामान्य होने से आगे चलकर पूरी सप्लाई चेन पर दबाव कम हो सकता है। यह स्थिति घरेलू और व्यावसायिक गैस के दामों पर सकारात्मक असर डाल सकती है, हालांकि कीमतों में बदलाव का अंतिम फैसला तेल कंपनियों और सरकार द्वारा अलग से लिया जाता है।

## इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन : केंद्र सरकार का मेटा को नोटिस

नई दिल्ली । भारत सरकार ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े आपत्तिजनक विज्ञापनों को बढ़ावा देने के मामले में उसकी पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. को नोटिस थमा दिया है। 4 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब केंद्र सरकार ने कंपनी से सात दिनों के भीतर मांगा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को तत्काल प्रभाव से इसतरह के सभी विज्ञापनों को ब्लॉक करने और हटाने का निर्देश दिया है, जो बाल यौन शोषण (सीएसएएम) को बढ़ावा देते हैं या उससे संबंधित कंटेंट तक पहुंच बनाते हैं।

यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है, जिसमें उजागर किया गया था कि इंस्टाग्राम भारत में रेप और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का उपयोग करके पेड विज्ञापन दिखा रहा था। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनलों पर भेज दिए जाते थे, जहां कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री मात्र 99 रुपये में बिक्री के लिए मौजूद थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से अनुमोदन के बाद ही दिखाते हैं, जिससे इस प्रणाली की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं।

एक मीडिया हाउस द्वारा इसतरह के एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से किए जाने पर, कंपनी ने लगभग 24 घंटे बाद जवाब दिया था कि यह पोस्ट उसकी कम्युनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। हालांकि, जब मीडिया ने मेटा से मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तब कंपनी ने स्वीकार किया कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित खातों को निलंबित किया है और आपत्तिजनक यूएलआर को हटाया है। मेटा ने अपनी प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह से त्रुटिहीन नहीं होता और समीक्षा प्रक्रिया हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती है।

# 40 साल बाद भी कायदी रेलवे स्टेशन तक नहीं बना समुचित पहुंच मार्ग

## बरसात में दलदल और अंडरब्रिज बना ग्रामीणों की सबसे बड़ी परेशानी, रेल यात्रियों, स्कूली बच्चों, किसानों और ग्रामीणों को उठानी पड़ रही है कठिनाइयां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट कटंगी रेलवे लाइन पर स्थित ग्राम कायदी का रेलवे स्टेशन बने चार दशक से अधिक समय बीत चुका है लेकिन आज तक इस स्टेशन तक पहुंचने के लिए समुचित मार्ग का निर्माण नहीं हो सका है। स्थिति यह है कि रेल यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने के लिए कच्चे, दलदली और फिसलन भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर लेती है जिससे यात्रियों के साथ साथ ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार पहले स्टेशन तक पहुंचने की व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर थी। लेकिन रेलवे द्वारा अंडरब्रिज के निर्माण के बाद आवागमन की स्थिति और खराब हो गई। बरसात के दिनों में अंडरब्रिज में घुटनों तक पानी भर जाता है। जिससे लोगों को पानी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ता है। ऐसे में दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है। कायदी बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को बरसात के दौरान बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वहीं ग्राम बस्ती की ओर से स्टेशन पहुंचने वाले लोगों के लिए भी कोई सुरक्षित और पक्का मार्ग उपलब्ध नहीं है। दलदली रास्ते और फिसलन के कारण लोगों को रोजाना जोखिम उठाना पड़ता है।

### स्कूली बच्चों के लिए बढ़ा खतरा

रेलवे अंडरब्रिज के निर्माण के बाद सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ रही है। बरसात के दिनों में उन्हें पानी से भरे अंडरब्रिज और फिसलन भरे रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है। जिससे अभिभावकों की चिंता लगातार बढ़ रही है।

### किसानों की मुश्किलें भी बढ़ीं

कायदी एक कृषि प्रधान ग्राम है और धान उत्पादन के लिए पूरे जिले सहित प्रदेश में अपनी विशेष पहचान रखता है। गांव के सैकड़ों किसान प्रतिदिन कृषि कार्य के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। कृषि उपकरण, खाद बीज और उपज के परिवहन में भी उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खराब मार्ग के कारण किसानों का समय और श्रम दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

### स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी पड़ रहा असर

रेलवे स्टेशन के समीप ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का अंतिम चरण का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा आसपास शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थान भी संचालित हैं। इन संस्थानों तक पहुंचने के लिए भी लोगों को इसी खराब मार्ग और अंडरब्रिज का सहारा लेना पड़ता है जिससे मरीजों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

### योजनाओं पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे विभाग ने जहां अंडरब्रिज की आवश्यकता नहीं थी वहां अंडरब्रिज का निर्माण कर दिया। जबकि जहां रेलवे फाटक की आवश्यकता थी। वहां फाटक नहीं बनाए गए। इससे आवागमन की सुविधा बेहतर होने के बजाय और अधिक अव्यवस्थित हो गई है। ग्रामीणों का मानना है कि रेलवे की इस योजना ने कायदी गांव की वर्षों पुरानी समस्या को और गंभीर बना दिया है।

### ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि कायदी रेलवे स्टेशन तक पक्के और सुरक्षित पहुंच मार्ग का शीघ्र निर्माण कराया जाए। साथ ही अंडरब्रिज में जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या समाप्त हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

### रेलवे स्टेशन आज भी बुनियादी सुविधा नही है

ग्राम कायदी का रेलवे स्टेशन आज भी बुनियादी सुविधाओं की प्रतीक्षा कर रहा है। करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के बावजूद यदि यात्री, किसान, विद्यार्थी और मरीज सुरक्षित तरीके से स्टेशन और गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। तो यह विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग ग्रामीणों की इस वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कब तक कर पाते हैं।

# एक दरख्त अपने बुजुर्गो के नाम, मुस्लिम समाज ने कब्रिस्तान में किया पौधारोपण

## एसडीएम भी रहे उपस्थित, कार्य को सराहा, कहा- पर्यावरण संतुलन में यह अहम योगदान

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल की पहल पर चलाए जा रहे एक पेड़ अपने बुजुर्गों के नाम अभियान के तहत रविवार को बालाघाट के मुस्लिम कब्रिस्तान परिसर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के विभिन्न संगठनों, गणमान्य नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ मुस्लिम समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने दिवंगत बुजुर्गों की स्मृति में पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को अपने पूर्वजों की याद को प्रकृति से जोड़ने का संदेश देना रहा।आयोजकों ने कहा कि एक पेड़ अपने बुजुर्गों के नाम केवल पौधारोपण अभियान नहीं, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक सकारात्मक प्रयास है। समाज के लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें।इसी मौके पर मुस्लिम कब्रिस्तान में वक्फभूमि पर तकरीबन एक सैकड़ा पौधों का पौधारोपण कर उन्हें संरक्षित कर जीवित रखने का संकल्प लिया गया।वही एक दरख्त अपने बुजुर्गों के नाम इस अभियान को आगे बढ़ाने की बात कही गई।इस दौरान मुख्य अतिथि, के रूप में बालाघाट अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी, अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर हाजी फारूक साहब, वक्फ बोर्ड जिला कमेटी पूर्व अध्यक्ष अनीस मेमन, नायब सदर नईम भाटी, शहर काजी मौलाना हबीब नूरी साहब, युनुस खान पप्पा भाई, इकबाल मंसूरी, रशीद जमा सर, आलम सर, हाजी मोहसिन, हाजी युनुस हाजी मंजूर, हाजी फिरोज, वाहिद अख्तारखा, कासिब भाई, शिबू भाई, अजहर भाई सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन पर अंजुमन इस्लामिया बालाघाट ने सभी अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों, मुस्लिम समाज के लोगों तथा अभियान में सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया। संस्था ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के ऐसे जनभागीदारी आधारित अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सौहार्द को भी मजबूत करते हैं।

# जलभराव से घिरे वार्डों में पहुंचीं विधायक अनुभा मुंजारे, बोलीं- नालों का स्वरूप बिगाड़ने वालों पर हो कार्रवाई

## वार्ड 10 और देवटोला के वार्ड 4 का किया निरीक्षण, घरों में घुसा बारिश का पानी, जल निकासी व्यवस्था सुधारने और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** शहर में लगातार हो रही बारिश के बाद विभिन्न वार्डों में जलभराव की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इसे लेकर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे लगातार दूसरे दिन भी शहर के प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने पहुंचीं। उन्होंने वार्ड क्रमांक 10 एवं वार्ड क्रमांक 4 देवटोला का दौरा कर स्थानीय नागरिकों से चर्चा की और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाती तो लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। सबसे पहले विधायक ने वार्ड क्रमांक 10 में जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया और वहां रह रहे नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद वे शाम करीब 5 बजे वार्ड क्रमांक 4 देवटोला पहुंचीं, जहां लंबे समय से पानी निकासी की समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने विधायक को बताया कि क्षेत्र में स्थित एक पुरानी पुलिया से पानी का बहाव पहले सुचारू रूप से होता था, लेकिन कुछ लोगों द्वारा पुलिया और नाले के मार्ग का आकार छोटा कर दिए जाने के कारण अब बारिश का पानी तेजी से नहीं निकल पा रहा है। वार्डवासियों के अनुसार जल निकासी बाधित होने से करीब 25 से 30 घरों में बारिश का पानी भर गया है। घरों में जलभराव होने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है, वहीं कई परिवारों के घरेलू सामान भी पानी में खराब हो रहे हैं। क्षेत्र में जलभराव के कारण लोगों में संक्रमण और बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क किनारे संचालित कई दुकानों में भी पानी भरने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों का कहना है कि ग्राहकों का आना कम हो गया है और लगातार जलभराव के कारण आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि शहर में कई स्थानों पर नालों और पुल-पुलियों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की जा रही है, जिसके कारण प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्माण कार्य के दौरान नालों का आकार छोटा करना या उनके प्रवाह में बाधा उत्पन्न करना गंभीर लापरवाही है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका और जिला प्रशासन को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। जिन स्थानों पर नालों या पुलियों के स्वरूप में परिवर्तन किया गया है, वहां तकनीकी जांच कर आवश्यक सुधार कार्य कराया जाना चाहिए, ताकि बारिश का पानी आसानी से निकल सके और लोगों के घरों में जलभराव की स्थिति न बने। विधायक ने कहा कि शहर में विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन विकास के नाम पर प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। यदि नालों और पुलियों के मूल स्वरूप को लगातार बदला जाता रहा तो आने वाले समय में शहर के कई अन्य क्षेत्रों में भी जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराया जाए, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जिन लोगों की लापरवाही से नालों का स्वरूप बदला गया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो।

# डोंगरगांव पुलिया के समीप रोड़ में कटाव के चलते डोंगरीटोला का मार्ग हुआ बाधित

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कहीं सड़कों और पुल-पुलिया पर पानी भर गया है तो कहीं सड़कें धंस गई हैं। लांजी जनपद के ग्राम डोंगरगांव से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां डोंगरीटोला में निवास कर रहे लगभग 600 ग्रामीणों का मुख्य गांव से संपर्क टूट गया है। बताया गया कि गांव के बीच स्थित नक्टा नाला पुलिया, जो वर्ष 2004 में निर्मित हुई थी, उसके पास से सड़क का कटाव 5 जुलाई को हो गया। इसके कारण ग्रामीणों का मुख्य ग्राम से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है।

### किसानों की बढ़ी मुसीबत

सड़क कट जाने से किसानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। एक ओर नक्टा नाला से आवागमन अवरुद्ध हो गया है, तो दूसरी ओर डोंगरगांव और ओटेकसा के बीच निर्माणाधीन पुलिया के कारण भी रास्ता बंद है। किसानों ने बताया कि डोंगरगांव के अधिकांश किसानों की खेती ओटेकसा में है। ऐसे में उन्हें कृषि कार्यों के लिए बार-बार आना-जाना पड़ता है। आवागमन बाधित होने से खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है और कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

### ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क और पुलिया का कटाव उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी है। बच्चों की पढ़ाई, बीमारों का इलाज और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र स्थायी समाधान की मांग की है।

### इनका कहना है

इस संबंध में ग्राम सरपंच राजकुमार टांडेकर ने बताया कि पुलिया और सड़क के क्षतिग्रस्त होने की समस्या को लेकर विधायक और संबंधित विभाग को पहले भी पत्र लिखा गया था, लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। अब बरसात में सड़क कट जाने से किसानों और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पानी का बहाव कम होते ही वैकल्पिक व्यवस्था की कोशिश की जाएगी।

# धारमारा कैंप के पास सड़क पर पेड़ गिरने से लांजी-सालेटेकरी मार्ग अवरुद्ध एसडीएम टीम के साथ मौके पर पहुंचे

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लगातार हो रही बारिश के बीच लांजी-सालेटेकरी मार्ग पर धारमारा कैंप के समीप एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर जाने से यातायात बाधित हो गया। पेड़ गिरने के कारण मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। घटना की सूचना मिलते ही लांजी के एसडीएम श्री कमल सिंहसार प्रशासनिक टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उनके निर्देशन में सड़क से पेड़ हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया, ताकि जल्द से जल्द यातायात बहाल किया जा सके। प्रशासन द्वारा मौके पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पेड़ हटाने का कार्य लगातार जारी है और मार्ग को शीघ्र ही आवागमन के लिए सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि बारिश के दौरान सावधानी बरतें तथा आवश्यकता होने पर ही यात्रा करें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

# डीआरएम के निरीक्षण के बाद भी नही सुधरी व्यवस्था

## यात्रियों की परेशानी बना रेल का सफर, अपने निर्धारित समय पर नहीं चल रही ट्रेनें, यात्री हो रहे परेशान, जिम्मेदार बोले मेंटनेश कार्य के चलते ट्रेनें हुई लेट

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**लाख जतन के बावजूद भी ट्रेनों की लेट लतीफी का सिलसिला अब भी बा-दस्तूर जारी है।जहां एक्का दुक्का ट्रेनो को छोड़कर लगभग सभी ट्रेने अपने पूर्व निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार चलाने में रेलवे प्रशासन अब भी पिछड़ा हुआ है। रोजाना ट्रेनों की हो रही लेट लतीफी के चलते किराए में मिली छूट भी यात्रियों को नहीं भा रही है और वे ट्रेनों को सही समय पर चलाए जाने की लगातार मांग कर रहे हैं।आए दिनों की तरह ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला रविवार को भी देखने को मिला।जहां कटंगी से गोंदिया की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन जहा अपने निर्धारित समय से करीब 2 घण्टे देरी से बालाघाट पहुची तो वही इस पैसेंजर ट्रेन को बालाघाट से गोंदिया जाने में भी लंबा समय लग गया।जिसकी प्रमुख वजह माल गाड़ी को प्राथमिकता देना बताया जा रहा है।उधर गोंदिया से बालाघाट होते हुए जबलपुर की ओर जाने वाली ट्रेन भी देरी से बालाघाट स्टेशन पहुची। जहां ट्रेन लेट होने के चलते बालाघाट रेलवे स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बताया जा रहा है कि बालाघाट से होकर गुजरने वाली केवल लोकल ट्रेन ही लेट नहीं हो रही है, बल्कि एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और स्पेशल ट्रेन भी रोजाना देरी से चल रही है।जिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए यात्रियों ने ट्रेनों को समय पर चलाए जाने की बात कही गई है। ,तो वहीं यात्रियों द्वारा मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता दिए जाने की गुहार लगाते हुए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाने की मांग की है।**

### मालगाड़ी के चक्कर में खड़ी रखी जा रही ट्रेन

अपने निर्धारित समय पर ट्रेनों का ना चलना पहले से ही यात्रियों को परेशान कर रहा है। तो वहीं दूसरी ओर मालगाड़ी को पास करने के चक्कर में यात्री ट्रेन लंबे समय तक किसी भी स्टेशन में जाकर खड़ी की जा रही है,जिससे यात्री काफी परेशान है। कई यात्रीयो को तो आगे का सफर बीच में ही छोड़ना पड़ रहा है।वही कई यात्री किसी अन्य साधन से अपने गंतव्य की ओर बढ़ते नजर आ रहे है। तो कई यात्री मजबूरी में ट्रेन चलने का इंतजार करते रहते है।




### ट्रेनों का सफर लगने लगा महंगा

बेबस सिस्टम, लचर व्यवस्था ने रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लंबे समय से यात्री ट्रेन का शेड्यूल ठीक नहीं हो पाया है।लम्बी दूरी की सवारी गाड़ी घंटे भर विलंब से पहुच रही है।वही ,रीवा इतवारी, चांदाफोर्ट और अन्य एक्सप्रेस ट्रेन भी विलंब से चल रहीं हैं। निर्धारित समय पर ट्रेन नहीं चलने के कारण यात्रियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बालाघाट से गोंदिया और गोंदिया से बालाघाट की ओर चलने वाली पैसेजर ट्रेन हर दिन विलंब से पहुंच रही है।कई बार तो घंटों विलंब से ट्रेन चलने के कारण यात्रियों को गंतव्य की ओर बस के जरिए महंगा सफर तय करना पड़ रहा है।

### जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश झेल रही जनता

आपको बताए कि ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला कोई आज का नही है बल्कि एक लम्बा वक्त गुजर जाने के बाद भी सिस्टम में सुधार नहीं आ पा रहा है।जहा टाइमटेबल के अनुरूप यात्रियों को ट्रेन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।कई बार जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराए जाने के बाद भी किसी प्रकार के कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।जिसके चलते जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश जिले की जनता को भुगतना पड़ रहा है।जिसपर जिम्मेदारो का कोई ध्यान नही है।

### यात्री की जगह मालगाड़ी को दी जा रही प्राथमिकता

ट्रेन आने की राह देखकर परेशान हो चुके यात्रियों का आरोप है कि रोजाना ट्रेन अपने निर्धारित समय से नही चल रही है और आए दिन लेट हो रही है। जहां यात्रियों ने, रेलवे प्रशासन पर माल गाड़ियों को प्राथमिकता देने और मालगाड़ी को पास करने के चक्कर में यात्री ट्रेनों को रोजाना लेट किए जाने का आरोप लगाया है।जिन्होंने मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता देकर सभी ट्रेने टाइम टेबल के अनुसार चलाए जाने की मांग की है।

### विभाग के पास नही है कोई स्पष्ट कारण

रोजाना ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर विभाग के पास कोई स्पष्ट कारण नहीं है। कभी ट्रेनो की लेटलतीफी को लेकर मालगाड़ी को वजह बताया जाता है तो कभी गोंदिया में तकनीकि कारणों को इसका कारण बताया जाता है,तो कभी मेंटनेश कार्यो का हवाला देकर व्यवस्था बनाए जाने की बात कही जाती है।जिससे यह साफ है कि ट्रेनो के देरी से चलने का विभाग के पास भी कोई स्पष्ट कारण नहीं है। दूसरी ओर रेल यात्रियों के पास इंतजार करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

### सिर्फ आज ही लेट नहीं हुई ट्रेन, रोजाना देरी से चल रही है - इरफान

जबलपुर ट्रेन की राह देखते देखते परेशान हो चुके यात्री इरफान ने बताया कि उन्हें जबलपुर जाना था। सुबह 7 बजे से वह ट्रेन की राह देख रहे हैं, 8:15 बज गए ट्रेन नहीं आई ,पता नहीं ट्रेन कब आएगी और कब हम जबलपुर पहुंचेंगे।करीब 1 घंटे से परेशान हो रहे हैं यह आज पहला दिन नहीं है की ट्रेन लेट हुई हो बल्कि ट्रेन रोजाना लेट हो रही है। यहां आने के बाद ट्रेन कब छूटेगी, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। पूछने पर बताते भी नहीं की ट्रेन क्यों लेट हो गई, हमें ऐसा लगता है कि मालगाड़ी के चक्कर में ट्रेनों को लेट किया जा रहा है केवल लोकल ट्रेन ही नहीं बल्कि एक्सप्रेस ट्रेन भी देरी से चल रही है। यदि समय सारणी के अनुसार ट्रेन चलती तो सभी लोग अपने समय पर गंतव्य पर पहुंच जाते और वहां अपने काम पूरे कर लेते।लेकिन हमें तो ऐसा लग रहा है कि आज शाम 4 बजे तक ट्रेन जबलपुर पहुंचेगी और हमारे काम भी नहीं हो पाएंगे।

### बस टाईम पर चलती है, पर ट्रेन नहीं-अनिल बाहेश्वर

वही किरनापुर के ग्राम मौदा से आए यात्री अनिल बाहेश्वर ने बताया कि उन्हें चिरई डोंगरी में किसी डॉक्टर के पास जाना है, करीब सात से आठ मरीज उनके साथ में है, सभी को डॉक्टर ने दोपहर 12 के पहले आने कहा है,लेकिन हम यहां ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, 7:30 बजे तक ट्रेन आ जाना था लेकिन आज 8:15 बज गए अभी तक ट्रेन का कोई अता पता नहीं है, ऐसे में डॉक्टर हमें नहीं मिल पाएगा और हम में से किसी का भी काम नहीं होगा हमें ऐसा लगने लगा है। यदि बस से जाते तो अब तक नैनपुर तक पहुंच गए होते,लेकिन ट्रेन से जाना था इसीलिए हम लेट हो गए।उन्होंने आगे बताया कि बस समय पर चलती है लेकिन ट्रेन अक्सर लेट ही होती है।इसे समय पर चलाना चाहिए।

### मेंटनेश कार्य के चलते लेट हुई थी ट्रेन,आज मेटनेश का आखरी दिन था, - चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक कृष्ण कुमार चौधरी ने बताया कि पहले की अपेक्षा लगभग सभी ट्रेने शेड्यूल के इर्द गिर्द चल रही है। अभी सुबह की गाड़ी भी लगभग समय पर ही चल रही है। हमारा प्रयास है की ट्रेने सही समय पर चले इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार किया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि गोंदिया से कटंगी और कटंगी से गोंदिया के बीच चलने वाली ट्रेने इसीलिए लेट हुई क्योंकि वारासिवनी से बालाघाट के बीच पिछले कुछ दिनों से मेंटेनेंस कार्य चल रहा था, आज मेंटेनेंस कार्य का आखिरी दिन था। हमारा प्रयास रहता है कि ट्रेन समय पर आए और समय पर उसे बालाघाट स्टेशन से गंतव्य की ओर रवाना किया जाए।

# कलार समाज ने 275 प्रतिभाओं का किया सम्मान, शिक्षा और एकजुटता को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताया

## बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले एवं खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र प्रदान

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला क्षत्रिय सर्ववर्गीय कलचुरी कलार समाज बालाघाट द्वारा समाज के गौरवशाली दिवंगत समाजसेवियों की पुण्य स्मृति में रविवार को स्थानीय




तुरकर भवन में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के करीब 275 मेधावी विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में शिक्षा, सामाजिक एकता और युवा सशक्तिकरण को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और अभिभावकों में गर्व का भाव साफ दिखाई दिया। समारोह का एक विशेष आकर्षण सफल युवाओं का प्रेरक सत्र रहा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर चुके समाज के युवाओं ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने अपने संघर्ष, सफलता और करियर के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे, पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे, सिविल जज अगन डहाके, प्रोफेसर डॉ. दीपक साहू पालेवार, सहायक प्राध्यापक रितेश सोनवाने, सहायक प्राध्यापक वरेण्य सिरसाटे, इंजीनियर सुरेश पिपलेवार सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक ताकत उसकी शिक्षा, संगठन और एकता में निहित होती है। यदि समाज के प्रतिभाशाली और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को समय पर सहयोग और उचित मार्गदर्शन मिले तो वे निश्चित रूप से बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से आगे आकर जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा, राजनीति, व्यवसाय, प्रशासनिक सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के भीतर मौजूद आपसी मतभेदों को समाप्त कर सभी को एकजुट होकर नई पीढ़ी के भविष्य के लिए कार्य करना होगा। समाज तभी मजबूत होगा, जब उसके युवा शिक्षित, आत्मनिर्भर और नेतृत्व की भूमिका निभाने वाले बनेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सर्ववर्गीय कलार समाज के जिला अध्यक्ष राधेलाल दवने ने बताया कि संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन समाज के दिवंगत समाजसेवियों स्व. कमलनारायण जायसवाल, स्व. शीतलप्रसाद जायसवाल, वैद्यराज स्व. यादोराव रामटेककर, स्व. प्रमिला बुधराम पिपलेवार, स्व. राधिका बाई सोनेकर, स्व. अशोक डहरवाल, स्व. गणपति कावड़े, स्व. प्यारेलाल दवने, स्व. जानकीबाई भोपत साव धुवारे, स्व. शंकरसाव धुवारे एवं स्व. छन्नूलाल राय की स्मृति को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं होते, बल्कि बच्चों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की नई ऊर्जा, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है तथा इसी के माध्यम से आने वाली पीढ़ी एक सशक्त और विकसित समाज का निर्माण कर सकती है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति ने समारोह को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समाज के सभी पदाधिकारियों, महिला संगठन, युवा साथियों, स्वजातीयजनों तथा उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल बना रहा।

# भर्तियों में सामान्य आदिवासी युवाओं को नहीं मिल रहा अवसर, आरक्षण नीति में संशोधन की मांग लेकर विधायक से मिले अभ्यर्थी

## पीवीटीजी की 100 प्रतिशत सीधी भर्ती व्यवस्था पर उठाए सवाल, विधानसभा में मुद्दा उठाने और मुख्यमंत्री तक ज्ञापन पहुंचाने की मांग



**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजाति को मिलने वाली 100 प्रतिशत सीधी भर्ती व्यवस्था में संशोधन की मांग को लेकर जिले के सामान्य अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं ने बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री तक अपनी मांग पहुंचाने तथा आगामी विधानसभा सत्र में इस विषय को प्रमुखता से उठाने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सामान्य एसटी वर्ग के युवाओं को अपने ही आरक्षित वर्ग में पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी राजपत्र क्रमांक-64, भोपाल 11 जनवरी 2010 तथा संशोधित आदेश 31 मई 2018 के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) में शामिल बैगा, भारिया एवं सहरिया समुदाय के पात्र अभ्यर्थियों को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के आधार पर संविदा शिक्षक वर्ग-1, 2, 3 सहित तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न कार्यपालिक एवं अकार्यपालिक पदों पर बिना प्रतियोगी परीक्षा के सीधी नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि समाज के सबसे पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से बनाई गई इस नीति का वे पूर्ण सम्मान करते हैं, लेकिन इसके वर्तमान स्वरूप के कारण सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाखों युवाओं को शासकीय नौकरियों में समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। अभ्यर्थियों ने बताया कि कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) तथा विभिन्न विभागों एवं विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निकाली जा रही भर्तियों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर पहले विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के अभ्यर्थियों की सीधी नियुक्ति की जाती है। ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए उनके आरक्षित वर्ग में सीटें नहीं बचतीं। परिणामस्वरूप उन्हें अनारक्षित (यूआर) वर्ग में प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है, जिससे चयन की संभावना काफी कम हो जाती है। ज्ञापन में जनगणना-2011 के आंकड़ों का भी उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति की कुल आबादी लगभग 1 करोड़ 53 लाख 16 हजार है। इनमें विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बैगा, भारिया एवं सहरिया की आबादी लगभग 5 लाख 51 हजार है, जो कुल एसटी आबादी का लगभग 3.5 प्रतिशत है। जबकि शेष 1 करोड़ 47 लाख 65 हजार यानी लगभग 96.5 प्रतिशत आबादी सामान्य आदिवासी समाज की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि इतनी कम आबादी वाले वर्ग को वर्तमान व्यवस्था में मिलने वाली सीधी भर्ती के कारण शेष सामान्य आदिवासी युवाओं को रोजगार के अवसरों में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से अभ्यर्थियों ने शासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली मांग यह है कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग को मिलने वाली सीधी भर्ती के लिए जनसंख्या के अनुपात में निश्चित प्रतिशत निर्धारित किया जाए अथवा अलग से सीमित कोटा तय किया जाए। दूसरी मांग यह है कि पीवीटीजी वर्ग की सीधी नियुक्तियों के लिए मूल आरक्षण को प्रभावित किए बिना अलग से अतिरिक्त (सुपरन्यूमेरी) पद सृजित किए जाएं, ताकि सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों की सीटें सुरक्षित रह सकें। तीसरी मांग यह है कि बिना परीक्षा होने वाली सीधी भर्ती को मुख्य रूप से चतुर्थ श्रेणी के पदों तक सीमित किया जाए तथा ऐसी नियुक्तियां केवल उन्हीं जिलों में की जाएं, जहां बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजाति का मूल निवास है, ताकि पूरे प्रदेश के तकनीकी एवं कार्यपालिक पद प्रभावित न हों। अभ्यर्थी होमेन्द्र अकरम एवं देवेंद्र भलावी ने बताया कि हाल ही में निकली वनरक्षक भर्ती सहित अन्य शासकीय भर्तियों में सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाए। उनका कहना है कि वे पूरे वर्ष कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रिया में पहले विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन हो जाने के कारण सामान्य एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सीटें समाप्त हो जाती हैं। इससे वर्षों की मेहनत के बावजूद उन्हें निराशा हाथ लगती है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग किसी भी वर्ग को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों का विरोध नहीं है, बल्कि सभी अनुसूचित जनजाति वर्गों के युवाओं को समान अवसर उपलब्ध कराना है। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे विशेष पिछड़ी जनजातियों को मिलने वाला संरक्षण भी जारी रहे और सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के साथ भी न्याय हो सके। अभ्यर्थियों ने विधायक अनुभा मुंजारे से अनुरोध किया कि इस गंभीर विषय को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाए तथा मुख्यमंत्री के समक्ष विशेष अनुशंसा के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि प्रदेश के लाखों शिक्षित बेरोजगार सामान्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आवश्यक नीतिगत संशोधन किए जा सकें।

# जिला तेली साहू समाज की बैठक में अहम मुद्दों पर मंथन, संगठन मजबूती पर जोर

## जयंती आयोजन, शिक्षा-सुधार, सामूहिक विवाह और सामाजिक एकजुटता को लेकर बनी सहमति

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला तेली साहू समाज की बैठक में समाज के विकास, एकजुटता और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनी।समाज की बैठक रविवार को स्थानीय आंबेडकर चौक समीप स्थित कमला नेहरू सभा हाल में आयोजित की गई। बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर और संरक्षक नारायण मदनकर विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक के दौरान संत शिरोमणी माता कर्मा और संत जगनाडे महाराज की जयंती मनाने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही समाज में अंतरजातीय विवाह को प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव भी चर्चा का केंद्र रहा। सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से समाज की आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति में सुधार के उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।वही प्रतिभा सम्मान समारोह, रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के प्रस्तावों को भी समर्थन मिला। बैठक में समाज को संगठनात्मक रूप से पूरे जिले में मजबूत करने और एकजुटता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा सामूहिक विवाह आयोजन को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी।बैठक में उपस्थित समाज के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अपने-अपने सुझाव और विचार रखे। अंत में सभी प्रस्तावों पर सहमति बनाते हुए नीतिगत निर्णय लेकर उन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया।बैठक में समाज के संरक्षक नारायण मदनकर, जिला अध्यक्ष राजेंद्र मानवटकर, सचिव संतोष समरिते, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष दीपा भोंगाड़े, युवा जिला अध्यक्ष प्रवीण मदनकर, जिला मीडिया प्रभारी भानेश साकुरे, गोधन लाल लांजेवार, सुनील पटले, खेमराज भोंगाड़े, अनिल मदनकर, जयराम कावड़े, प्रमेंद्र मानवटकर, अमृत शाकुरे, उमराव भूरे, सुजय साहू, गनपत आंबिलकर, धरमचंद्र भूरे, वीरेंद्र भूरे, संजय बड़वाइक, सुनीता मानवटकर, सुनीता उराड़े, अनुसया पटले, ललिता मदनकर, मृणाली खोब्रागड़े, वर्सिला समरिते, सुशीला समरिते सहित अन्य मौजूद थे।

# आस-पास की खबरें

## कपड़ा प्रेस करते समय करंट लगने से एक व्यक्ति की हुई मौत

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम नगपुरा में बीते शनिवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया

है। जहां घर पर कपड़े प्रेस करने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक 42 वर्षीय व्यक्ति की असमय मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे गांव और परिवार में मातम पसरा हुआ है। वहीं मृत व्यक्ति का रविवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नगपुरा निवासी 42 वर्षीय राजकुमार सूर्यवंशी शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे अपने घर पर कपड़े प्रेस कर रहा था। इसी दौरान अचानक बिजली के उपकरण या बोर्ड में आये जोरदार करंट की चपेट में वह आया और करंट इतना भयानक था कि राजकुमार को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वह अचेत होकर वहीं गिर पड़े। जिसके बाद परिजन घबरा गये और पड़ोसियों की घटना की जानकारी देकर उन्हे तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य लाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। असमय हुई इस मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना के समय उनकी पत्नि एवं बच्चें भोपाल में थे, इस कारण से शनिवार को पोस्टमार्टम नही किया गया। दुसरे दिन रविवार को चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक राजकुमार कृषि कार्य करता था जिनके बच्चें भोपाल में पढ़ाई करते है। शनिवार को दोपहर में कपड़े में प्रेस करते समय करंट की चपेट में आने से उनकी मृत्यु होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय प्रशासन और प्रबुध्दजनों ने इस दु:खद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के इस मौसम में बिजली के उपकरणों जैसे प्रेस, कूलर, मोटर का उपयोग बेहद सावधानी पूर्वक करें और किसी भी प्रकार के अर्थिंग या कट-पिट वाले तारों को तुरंत दुरूस्त करवायें।

# झाड़ियों की सफाई तो हुई, पर बारिश से पहले मरम्मत भूल गया विभाग

## नहर फुटने पर टेल क्षेत्र में नही पहुंचेगा पानी, क्षतिग्रस्त माइनर नहर के सीमेंटीकरण की उठी मांग

## मामला - ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के अमोली-आमाटोला ददिया माइनर नहर का

रिपोर्टर।
**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।**

**वैनगंगा बड़ी नहर से निकली अमोली से आमाटोला ददिया माइनर नहर के रखरखाव को लेकर जल संसाधन विभाग की एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। किसानों के लंबे विरोध के बाद विभाग ने नहर की झाड़ियों की सफाई तो करवा दी, जिससे जहरीले जीव-जंतुओं का डर कुछ कम हुआ है, लेकिन मानसून की बारिश शुरू होने से पहले नहर का जरूरी मरम्मत कार्य नहीं करवाया गया। नतीजा यह है कि नहर जगह-जगह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पायेगा जिससे पानी के अभाव में फसल प्रभावित होगी। जबकि लंबे समय से किसानों के द्वारा इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग कर रहे है किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और न ही जीर्णशीर्ण नहर का मरम्मत कार्य करवाया गया है। सिर्फ सफाई के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि इस माइनर नहर से सैकड़ों एकड़ खेती में सिंचाई होती है और इस वर्ष बारिश भी कम होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में नहर का टेल क्षेत्र में पानी नही पहुंचने पर किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसानों ने शासन-प्रशासन से नहर के तत्काल सीमेन्टीकरण करवाने की मांग की है।**

### झाड़ियां साफ हुईं, मगर टूट-फूट रो व्यर्थ में बहेगा पानी

आपकों बता दे कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण कर दिया गया है। लेकिन मुख्य नहर की माइनर नहर अमोली से आमाटोला ददिया माइनर नहर का सीमेन्टीकरण नही किया गया है, न ही मरम्मत कार्य करवाया गया है। जिसके कारण यह माइनर नहर पुरी तरह जीर्णशीर्ण होने के साथ ही जगह-जगह से टूट-फूट चुकी है। साथ ही घनी-घनी झाड़ियां भी उग चुकी थी। जिससे किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा था। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर जल संसाधन विभाग का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद विभाग के आला अधिकारी हरकत में आये और गत दिवस इस माइनर नहर की झाड़ियों की साफ-सफाई करवाई गई है। लेकिन मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जबकि लंबे समय से इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग की जा रही है किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है सिर्फ सफाई के नाम पर खानापूर्ति की गई है। जबकि इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण किया जाना अति आवश्यक है टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पाता है। वहीं जल संसाधन विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष सिंचाई के नाम पर किसानों से टैक्स भी लिया जाता है उक्त टैक्स की राशि से नहर का मरम्मत कार्य करवाना चाहिए परन्तु ऐसा नही होता है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों का कहना है कि विभाग ने आधा-अधूरा काम करके औपचारिकता पूरी कर ली है। झाड़ियों की सफाई होने से राहत तो मिली है, लेकिन विगत कई वर्षों से मरम्मत न होने के कारण नहर जर्जर हो चुकी है। बारिश के ठीक पहले जल संसाधन विभाग को सीमेन्टीकरण या मरम्मत करवानी थी, जो नहीं करवाई गई है। अब स्थिति यह है कि जैसे ही नहर में पानी छोड़ा जाता है, वह टूटे हुए हिस्सों से रिसकर (लीकेज होकर) बह जाता है और अंतिम छोर (टेल) के किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पायेगा। वहीं सरकार के द्वारा सिंचाई का लगान (टैक्स) तो नियमित रूप से वसूल रही है, लेकिन जब खेतों तक पानी पहुंचाने की बात आती है, तो विभाग ध्यान नही देता है। आधे-अधूरे काम के कारण किसान परेशान है।

### सफाई के नाम पर केवल औपचारिकता- दिनेश

किसान कांग्रेस संगठन के पूर्व उपाध्यक्ष दिनेश मरार ने बताया कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर की अमोली-आमाटोला ददिया माइनर नहर जर्जर होने के साथ ही जगह-जगह से टूट-फूट चुकी है। साथ ही झाड़ियां उग जाने के कारण टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पा रहा था। वहीं लंबे समय से इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासन के द्वारा बरसात के समय हर साल नहर की मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिससे धरातल पर कोई स्थाई सुधार नहीं दिख रहा है। वर्तमान स्थिति यह है कि नहर का पानी केवल आधे किसानों तक ही पहुंच पायेगा। मरम्मत के नाम पर सिर्फ झाड़ियों की सफाई करवाई गई है, टूट-फूट वाले स्थानों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। ऐसी स्थिति में जगह-जगह से पानी का रिसाव होगा। श्री मरार ने बताया कि किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन खेतों तक नहर का पानी पहुंच ही नहीं रहा है, उन किसानों से भी सिंचाई विभाग द्वारा पूरा पानी का टैक्स (जल कर) वसूला जा रहा है। पानी न मिलने और ऊपर से पूरा टैक्स देने के कारण किसानों में भारी असंतोष है। सफाई की इस औपचारिकता से किसानों को कोई वास्तविक राहत नहीं मिल रही है। हमारी मांग है कि इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण किया जाये ताकि टेल क्षेत्र के किसानों को भी सिंचाई के लिए नहर का पानी मिल सके और पानी की उपलब्धता के आधार पर ही टैक्स लिये जाये।

# बल्हारपुर पुल के दोनों ओर रेलिंग बनाने की उठी मांग

## रेलिंग नही होने से दुर्घटना होने का बना रहता है अंदेशा, जिम्मेदार मांग

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** लालबर्रा के मानपुर बैरियर से कटंगी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा नवीन सड़क, पुल व पुलिया का निर्माण किया गया है। लेकिन कटंगी मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत बल्हारपुर के तालाब के सामने बने पुल के दोनों साईड सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग नहीं लगाई है और ना ही इस स्थान पर सेफ्टी वॉल का निर्माण किया गया है जिससे जहां एक ओर तालाब के ओवरफ्लो का पानी तेज गति से निकलता है जो सड़क की पटरी को काटते हुए बहता है जिससे कारण धीरे धीरे सड़क के किनारे की मिट्टी बहने लगी है जिससे वह कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकती है। साथ ही पुल के दोनो साईड में रेलिंग भी नही बनाई गई है। जब दो बड़े वाहन उस स्थान से गुजरते है तो छोटे वाहनों को निकलने में परेशानी होती है या फिर अगर कोई वाहन चालक तेज गति से आता है और पुल दिखाई नही देने से वह नाले में गिर सकता है जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जबकि पूर्व में ग्रामीणजनों ने सड़क निर्माण कंपनी से पुल के दोनों साईड में रेलिंग बनाने की मांग भी किये थे परन्तु उन्होने नही बनाया जिससे सड़क निर्माण कंपनी के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

### ग्रामीणों ने पुल के दोनों साईड रेलिंग बनाने की शासन-प्रशासन से की मांग

आपकों बता दें कि मानपुर बैरियर लालबर्रा से कटंगी पहुंच मार्ग खराब होने से लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता था उक्त समस्या से क्षेत्रीयजनों को निजात दिलवाने के लिए विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से मानपुर बैरियर से कटंगी तक सड़क, पुल, पुलिया का निर्माण किया गया है परन्तु बल्हारपुर स्थित तालाब के सामने मार्ग के बीच से पुल बना हुआ है। जिससे तालाब का ओवरफ्लो का पानी निकलता है परन्तु सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा सड़क व पुल का निर्माण के दौरान पुल के दोनों ओर रेलिंग का निर्माण नही किया गया है। जबकि पुल के दोनों साईड नीचे गहरा खाई बना हुआ करीब 15-20 फीट का अगर पुल से दो बड़े वाहन गुजरते है, बाजू से कोई गुजरता है तो अनियंत्रित होकर सीधे नीचे गिर सकता है। जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है और कई बार ग्रामीणजनों ने जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन को पुल के दोनों साईड रेलिंग बनाने की मांग कर चुके है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि लालबर्रा से कटंगी पहुंच मार्ग व पुल का नवीन निर्माण विगत वर्ष पूर्व करवाया गया है परंतु सुरक्षा की नजर अंदाज करते हुए विभाग के द्वारा लापरवाही पूर्वक कार्य करवाया गया है। जबकि ग्रामीणों के द्वारा तालाब के समीप बने पुल के दोनों ओर रेलिंग व सेफ्टीवॉल का निर्माण करवाने करने की गई थी परन्तु उन्होने नही करवाया जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि पुल के दोनों साईड रेलिंग बनाये।

# रोजाना हो रही बारिश से कृषि कार्य में आयेगी तेजी, किसानों के चेहरे खिले

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** विगत कई दिनों से क्षेत्र में बारिश थमी होने के कारण किसान बेहद चिंतित थे। पानी के अभाव में कृषि कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहा था और खेतों में लगी धान की नर्सरी सूखने के कगार पर पहुंच गई थी। आसमान की ओर टकटकी लगाये मायूस बैठे किसानों के लिए पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार रूक-रूक कर की बारिश एक बड़ी संजीवनी बनकर आई है। इस मानसूनी बारिश के बाद अब क्षेत्र में कृषि कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है और किसानों के चेहरों पर एक बार फिर रौनक लौट आई है। वहीं कुछ किसानों ने रोपाई कार्य भी प्रारंभ कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मानसून की शुरूआती दस्तक के बाद अचानक मौसम शुष्क हो गया था। तेज धूप और उमस के कारण खेतों में दरारें पड़ने लगी थीं। किसानों द्वारा तैयार की गई धान की महंगी नर्सरी (खार) पानी के बिना पीली पड़ने लगी थी, जिससे किसानों को भारी नुकसान का डर सता रहा था। लेकिन बीते तीन दिनों से मौसम ने करवट बदली है और झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। इस बारिश ने न सिर्फ फसलों को झुलसने से बचाया है, बल्कि खेतों में आवश्यक नमी भी लौटा दी है।

### युद्ध स्तर पर शुरू हुआ कृषि कार्य

बारिश की बौछारें पड़ते ही ग्रामीण अंचलों में कृषि कार्य अब युध्द स्तर पर शुरू हो चुका है। किसान अपने ट्रैक्टरों और बैलों को लेकर खेतों में उतर गये हैं। हर तरफ खेतों को जुताई, मचाई और धान की रोपाई का काम प्रारंभ हो चुका है। वहीं किसानों का कहना है कि अगर दो-चार दिन और पानी नहीं गिरता तो हमारी मेहनत पूरी तरह खराब हो जाती। अब अच्छी बारिश होने से हम राहत की सांस ले रहे हैं और यह बारिश खार के लिए संजीवनी का काम किया है। साथ ही जिन लोगों ने पूर्व में बीज बुआई कर दिये थे। उनके द्वारा रोपाई कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है और एक सप्ताह के बाद प्राय: सभी किसान रोपाई का कार्य शुरू कर देगें। वहीं कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश खार एवं धान की रोपाई के लिए बेहद अनुकूल है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों में पानी का सही प्रबंधन करें और रोपाई के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें ताकि फसल चक्र प्रभावित न हो। लगातार हो रही इस बारिश ने न केवल तपती गर्मी से आमजन को राहत दी है, बल्कि अन्नदाताओं के अंदर एक नया उत्साह भर दिया है। यदि आने वाले दिनों में भी मौसम का यही मिजाज रहा, तो इस बार खेत में धान की अधिक पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है।

## जाम सेवा सहकारी समिति के लेखापाल भवनलाल को मातृशोक, अंत्येष्टि आज

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित सेवा सहकारी समिति के लेखापाल भवनलाल नगपुरे की 80 वर्षीय माताश्री श्रीमती सुशीलाबाई नगपुरे का 5 जुलाई को शाम 5 बजे हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 6 जुलाई को प्रात: 11 बजे जाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाम के सेवा सहकारी समिति के लेखापाल भवनलाल नगपुरे की माताश्री सुशीलाबाई नगपुरे अस्वस्थ थी और घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही थी। 5 जुलाई की शाम 5 बजे अचानक अधिक तबियत खराब होने एवं हृदयगति रूक जाने से उनका दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। श्रीमती सुशीलाबाई नगपुरे सरल, स्वभाव व मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है। जिनका अंतिम संस्कार 5 जुलाई को प्रात: 11 बजे जाम स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा।

## एलएनजी सप्लाई पर लगी रोक हटी

**नई दिल्ली। एजेंसी।** देश में लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी की सप्लाई अब सामान्य हो गई है। केंद्र सरकार ने अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के दौरान देश में लागू किए गए इमरजेंसी नेचुरल गैस सप्लाई रेगुलेशन ऑर्डर के आदेशों को वापस ले लिया है। एलएनजी का उपयोग इंडस्ट्रीज में ज्यादा होता है, ऐसे में इस फैसले से इंडस्ट्रीज को राहत मिलेगी। यह फैसला पश्चिम एशिया में सीजफायर होने और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से लिक्विफाइड नेचुरल गैस के जहाजों की आवाजाही दोबारा सामान्य होने के बाद लिया गया है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने इस संबंध में शनिवार को नया नोटिफिकेशन जारी किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से गैस और तेल की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई थी।

# १ वर्ष बाद भी नहीं सुधरी सिकंद्रा के आमा तालाब की सूरत

## फिर मंडराया किसानों की फसलों पर बर्बादी का संकट, जीर्णोद्धार की उठ रही मांग

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सिकंद्रा में प्रशासनिक उदासीनता का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ के ग्रामीणों और किसानों की जीवनरेखा माना जाने वाला बड़ा तालाब जिसे स्थानीय स्तर पर आमा तालाब भी कहा जाता है,बीते एक वर्ष से अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। पिछले वर्ष अत्यधिक बारिश के कारण फूटे इस तालाब का जीर्णोद्धार साल भर बीत जाने के बाद भी नहीं कराया जा सका है। अब जब मानसून ने दोबारा दस्तक दे दी है तो तालाब के और अधिक क्षतिग्रस्त होने और किसानों की सैकड़ों एकड़ फसलें तबाह होने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

### जल संरक्षण और सिंचाई का मुख्य आधार है आमा तालाब

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिकंद्रा का यह ऐतिहासिक और विशाल आमा तालाब गाँव के एक छोर पर स्थित है जो नगरीय क्षेत्र की सीमा से भी लगा हुआ है। यह तालाब ना केवल समूचे क्षेत्र के लिए वाटर रिचार्ज भूजल स्तर सुधारने के मुख्य स्रोत के रूप में काम करता है,बल्कि ग्राम की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि को सिंचित भी करता है। क्षेत्र के किसान बारिश और नहर के पानी के बाद पूरी तरह से इसी तालाब के जल पर आश्रित रहते हैं। पिछले वर्ष क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के चलते इस विशाल तालाब में क्षमता से अधिक पानी जमा हो गया था। जलस्तर का दबाव ना झेल पाने के कारण तालाब दोनों तरफ से फूट गया था। उस दौरान तालाब का पूरा पानी किसानों के खेतों में घुसता हुआ तीव्र वेग से नाले में बह गया था जिससे खेतों में लगी फसलें और परहा धान का पौधा पूरी तरह बह गए थे। इस आपदा के बाद किसानों ने पंचायत के साथ मिलकर जनसहयोग से बोरी बंधान मिट्टी की बोरियों की दीवार कर पानी रोकने का तात्कालिक प्रयास किया था। लेकिन पानी के भारी दबाव के आगे वह अस्थायी व्यवस्था भी जल्द ही ढह गई जिससे तालाब की स्थिति और अधिक बदतर हो गई। तालाब फूटने की इस बड़ी घटना के तुरंत बाद स्थानीय किसानों ने ग्राम पंचायत से लेकर जिला प्रशासन के आला अधिकारियों तक गुहार लगाई थी। लिखित और मौखिक रूप से कई बार तालाब के स्थायी सुधार और जीर्णोद्धार कार्य की मांग की गई। परंतु बेहद संवेदनशील मामला होने के बावजूद पंचायत और जिला प्रशासन ने इस विषय को ठंडे बस्ते में डाल दिया। प्रशासन की इसी अनदेखी और लापरवाही का नतीजा है कि आज पूरा एक साल बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य कागजों से बाहर नहीं आ पाया है। वर्तमान में पुनः बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है। किसानों ने भारी लागत और उम्मीदों के साथ अपने खेतों में कृषि कार्य बोआई और रोपाई शुरू कर दिया है। लेकिन तालाब की अधूरी और जर्जर स्थिति को देखकर अन्नदाताओं के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। चूँकि तालाब पहले से ही क्षतिग्रस्त है इसलिए इस बार सामान्य से थोड़ी भी अधिक बारिश होने पर इसके पूरी तरह से जमींदोज होने का खतरा है। यदि ऐसा होता है तो किसानों के द्वारा खेतों में लगाए गए महँगे पौधे और फसलें पानी के तेज बहाव में बह जाएँगी जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अपनी आजीविका को संकट में देखते हुए क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने एक बार फिर एकजुट होकर जिला प्रशासन और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से इस मामले में गंभीरता दिखाने की अपील की है। किसानों की मांग है कि आपदा को आमंत्रण दे रहे इस आमा तालाब का मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर यथाशीघ्र शुरू कराया जाए । ताकि सिंचाई का यह पारंपरिक साधन जीवित रह सके और इस वर्ष होने वाले संभावित नुकसान से बचा जा सके।

### फूटा हुआ तालाब बना देते हैं तो किसानो को राहत मिलेगी-चतुर्भुज पारधी

किसान चतुर्भुज पारधी ने बताया कि हमारी खेती के पास आमा तालाब बना हुआ है पिछले वर्ष से वह फूटा है। जहां सिंचाई विभाग पंचायत या जिला प्रशासन में कोई ध्यान नहीं दिया है खेतों में भी देंगे से पानी नहीं जाता है ,नाले में मोटर लगाकर हम सिंचाई कर लेते हैं तो थोड़ी बहुत फसल हो जाती है वरना खेत सुखा रह जाएगा। तालाब की जो हमारे यहां सलंग है उसकी भी जर्जर हालत है पानी नाले में चला जाता है किसी किसान को नहीं मिलता है २ वर्ष से यह हालत बनी हुई है। इस मामले में शिकायत की गई है परंतु कुछ हुआ नहीं पंचायत में भी बताए हैं तो हो जाएगा कहते हैं कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यदि यह तालाब बना देते हैं तो किसान को राहत मिलेगी यह नहीं बनेगा तो किसान क्या करेगा क्योंकि वर्षा तो ऐसा है कि कभी कम कभी ज्यादा होती है।

### पिछले वर्ष अति वर्षा के कारण बड़ा तालाब फुट गया था जो प्रशासन ने नही बनाया है- सुभाष पारधी

किसान सुभाष पारधी ने बताया कि हमारे गांव में पिछले वर्ष अति वर्षा के कारण बड़ा तालाब जिसे हम आमा तालाब भी कहते हैं वह दोनों साइड से फुट गया था। उस दौरान तालाब के किनारे स्थिति बहुत से किसानों के खेतों में क्षति भी हुई थी। उसके बाद भी एक वर्ष बीत गया है यह तालाब का अभी तक कोई कार्य नहीं किया गया है ना ही किसानों की व्यवस्था की गई है। पंचायत एवं जिला प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है यह जो तालाब है वह शहर से लगा हुआ है ,यह गांव और शहर दोनों जगह भूजल स्तर की पूर्ति करता है। आज तक यह तालाब का नहीं बना एक बड़ी दिक्कत है अभी फिर से अति वर्षा होगी और तालाब में पानी नहीं संभाला तो वह किसानो की फसल को बहा कर ले जाएगा ऐसी स्थिति यहां पर बनी हुई है जिला प्रशासन को तालाब बनाना चाहिए।

### फूटा हुआ तालाब को बनाने २२ लाख रूपये की राशि लगेगी जो पंचायत व्यय नही कर सकती-कन्हैया खैरवार

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि इस तालाब से किसानों की सिंचाई होती है दोनों तरफ फाल बने हुए हैं जो टूट गए हैं। इसे यदि बनाते हैं तो करीब २२ लाख रुपए की लागत आएगी पंचायत के माध्यम से इतना करना संभव नहीं है। पिछली बारिश में यह टूटा था प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा करने पर उन्होंने मदद का आश्वासन दिया था परंतु अभी तक कुछ हुआ नहीं। इस बार फिर बारिश अधिक होने पर फूट सकता है इसका सबसे ज्यादा नुकसान किसानों की फसल पर होगा। यह जरूरत पर वाटर लेवल रिचार्ज के रूप में भी काम करता है पिछली बार हमारे द्वारा बोरी से तालाब बांध गया था फिर से वही करना पड़ेगा। तालाब के नीचे पूरी खेती लगी हुई है इस बार फ ूटा तो नुकसान बहुत होगा प्रशासन को हमने सूचित कर दिया था वह चाहे तो हमसे इसका निर्माण करवायें या खुद करें।

# तीन दिनों से लापता अधेड़ का कुएं में मिला शव

## पुलिस ने तत्परता से निकाला शव जोगीलाल की हुई शिनाख्त

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** खैरलांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरलांजी में रविवार ५ जुलाई

को उस समय हड़कंप मच गया जब एक स्थानीय किसान के खेत में बने कुएं से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। बाद में शव की शिनाख्त पिछले तीन दिनों से लापता ५० वर्षीय स्थानीय निवासी जोगीलाल लिल्हारे के रूप में की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित मर्चुरी के फ्रीजर में रखवा दिया है।

### दुर्गंध आने पर हुआ मामले का खुलासा

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में खरीफ सीजन के चलते खेती किसानी का कार्य जोरों पर चल रहा है। प्रतिदिन की तरह खैरलांजी निवासी किसान किशन मसकरे ५ जुलाई को अपने खेत में काम करने के लिए गया हुआ था। कृषि कार्य के दौरान अचानक उसे हवा में एक बेहद तीखी दुर्गंध का अहसास हुआ। दुर्गंध इतनी तेज थी कि किसान ने उसकी तलाश शुरू कर दी। खोजबीन करते हुए जब किशन मसकरे खेत में बने कुएं के पास पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। कुएं के भीतर पानी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैर रहा था। किसान किशन मसकरे ने तुरंत इस घटना की जानकारी आस पड़ोस के खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों को दी और तत्काल खैरलांजी थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही खैरलांजी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से कुएं में डूबे शव को बाहर निकलवाया। पानी में तीन दिनों तक रहने के कारण शव काफी सड़ गल चुका था। जब पुलिस ने शिनाख्त की कार्यवाही शुरू की तो मृतक की पहचान जोगीलाल पिता उमराव लिल्हारे ५० वर्ष निवासी खैरलांजी के रूप में हुई। परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि जोगीलाल पिछले तीन दिनों से घर से लापता था अचानक वह कहीं चला गया था। जो देर रात तक घर नहीं लौटने पर उसके आसपास रिश्तेदार विभिन्न स्थानों पर तलाश की गई परंतु कहीं पता नहीं चला उसके बाद थाने में गुम इंसान दर्ज करा कर उसकी तलाश की जा रही थी। मृतक जोगीलाल लिल्हारे खैरलांजी का ही निवासी था उसकी पत्नी का पहले ही देहांत हो चुका है और वह अपने दो बेटों के साथ घर पर रहता था। जोगीलाल की अचानक हुई इस मौत से बेटों का रो.रोकर बुरा हाल है। खैरलांजी पुलिस ने शव का आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर मामले में मर्ग कायम कर जांच में ले लिया है। शव की स्थिति को देखते हुए उसे सुरक्षित रखने के लिए खैरलांजी स्थित शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में रखवा दिया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम अगले दिन यानी ६ जुलाई की सुबह डॉक्टरों के पैनल द्वारा किया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। वही घटना का कारण अज्ञात है। किसान किशन मसकरे ने बताया कि चार दिनों से बारिश का दौर चल रहा है जिस कारण से खेतों में काम बंद था। आज थोड़ा मौसम खुला तो महिलाओं के साथ हम खेत में काम करने के लिए आए हुए थे। यहां पर बदबू हमें आने लगी तो खेत के कुएं में देखें एक व्यक्ति डूबा हुआ था। इसकी जानकारी हमने फिर पंचायत में और थाने में दी यह जो मृतक है उसका नाम जोगीलाल लिल्हारे हैं ,खैरलांजी का रहने वाला है। इसके दो बेटे हैं अब यह कैसे कुएं में पहुंचा इसकी जानकारी हमें नहीं है। इसके लड़कों ने बताया कि घर से भी किसी को कुछ बताये बिना ही निकला था अचानक घर से गायब हो गया था।

# वारासिवनी पुलिस थाने में बिदाई समारोह का हुआ आयोजन

## एसडीओपी अभिषेक चौधरी और थाना प्रभारी पवन यादव को दी गई बिदाई

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी पुलिस थाना परिसर के सभा कक्ष में ५ जुलाई को एक गरिमामय एवं भावपूर्ण बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वारासिवनी अनुभाग के एसडीओपी अभिषेक चौधरी ,वारासिवनी थाना प्रभारी पवन यादव ,रामपायली थाना प्रभारी धर्मराज बघेल सहित अन्य अधिकारी के स्थानांतरण होने पर उनके सम्मान में आयोजित किया गया था। इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों ही अधिकारियों के कार्यकाल, उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और सहयोगात्मक व्यवहार की जमकर सराहना की। विदित हो कि बीते दिनों पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी की गई स्थानांतरण सूची में थाना प्रभारी पवन यादव का तबादला वारासिवनी से इंदौर ग्रामीण के लिए हुआ था। वहीं एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी का स्थानांतरण सीएसपी छिंदवाड़ा के पद पर किया गया था। रामपायली थाना प्रभारी धर्मराज सिंह बघेल का स्थानांतरण जिला सागर हुआ था एवं सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनकर एवं महलसिंह धुर्वे का वारासिवनी से थाना रामपायली स्थानांतरण हो चुका है। चूंकि क्षेत्र में शासकीय कार्यों की व्यस्तता और नए अधिकारियों के आगमन की प्रक्रिया चल रही थी इसलिए जिला पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा इन अधिकारियों को तत्काल कार्यमुक्त नहीं किया गया था। स्थानांतरण के कुछ दिन बीत जाने के बाद अब पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के समस्त स्थानांतरित अधिकारियों को नई पदस्थापना के लिए कार्यमुक्त करने और बाहर से स्थानांतरित होकर आए नए अधिकारियों को प्रभार सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी तारतम्य में यह बिदाई समारोह आयोजित किया गया। हालांकि वर्तमान तक वारासिवनी के नए थाना प्रभारी और एसडीओपी के नामों की आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आ पाई है। समारोह के दौरान थाना स्टाफ और अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों ने इन वरिष्ठ अधिकारियों को शाल श्रीफल और स्मृति चिह्न उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित सहकर्मियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि इन अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और जटिल मामलों को सुलझाने में काफी मदद मिली। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने कहा कि वारासिवनी में मेरा कार्यकाल बेहद चुनौतीपूर्ण और सकारात्मक रहा। यहां के स्टाफ और जनता से जो सहयोग मिला उसे मैं हमेशा याद रखूंगा। टीम भावना के साथ काम करने के कारण ही हम कई महत्वपूर्ण कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करा पाए। मैं सभी मातहत अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि आगामी समय में आने वाले नए अधिकारियों को भी आप सभी से इसी प्रकार का पूर्ण सहयोग और समर्पण देखने को मिलेगा। वहीं थाना प्रभारी पवन यादव ने कहा कि बालाघाट जिले के वारासिवनी थाने में कार्य करना मेरे सेवाकाल का एक बेहतरीन अनुभव रहा है। दिन हो या रात कानून व्यवस्था और जनसेवा के हर मोर्चे पर मुझे पूरे स्टाफ का भरपूर साथ मिला। विदाई के इस मोड़ पर मैं समस्त पुलिस परिवार को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आप सभी की मेहनत और लगन की बदौलत ही हम क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने में सफल रहे। नए गंतव्य इंदौर ग्रामीण की ओर बढ़ते हुए मैं वारासिवनी पुलिस टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर उपनिरीक्षक आशीष वरकडे ,नीता मोहरे ,एचसीएप रामप्रसाद भरने सहित वारासिवनी थाने के समस्त पुलिस अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। जिन्होंने अपने अधिकारियों को आगामी उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया।

# भाजपा कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर कार्यशाला आयोजित

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** रविवार को भाजपा कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान २०२६ के अंतर्गत नगर मण्डल की कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमें विशेष रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधानसभा प्रभारी जितेंद्र मोहारे, प्रभारी अभय कोचर, निरंजन बिसेन, रिधनलाल चौहान, पूर्व नप अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, न पा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,मण्डल अध्यक्ष संदीप मिश्रा आदि उपस्थित भी रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं ने मण्डल के सभी पदाधिकारियों, प्रमुख कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया की पार्टी के द्वारा कार्यकर्ताओं के लिए एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया है। इसका उद्देश्य डिजिटल माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास पंचनिष्ठाओं और सरकार की उपलब्धियों से प्रशिक्षित करना है। अभियान की प्रमुख विशेषताएं और प्रक्रिया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन को संगठन की कार्यवृद्धति से जोड़ता है। साथ ही इसका उद्देश्य प्रशिक्षित कार्यकर्ता सशक्त संगठन के नारे के तहत कार्यकर्ताओं को वैचारिक स्पष्टता प्रदान करना भी है। अभियान की विशेषता यह भी है की डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पार्टी का इतिहास, विचारधारा, विकासकारी नीतियां जैसे २०४७ तक विकसित भारत के लक्ष्य और सरकार की उपलब्धियां शामिल है। साथ ही। मॉड्यूल या पाठ्यक्रम पूरे करने और मूल्यांकन प्रश्नों के सही उत्तर देने के बाद कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म की प्रभारी श्रीमती विजेता सोनेकर, श्रीमती तुलसी शर्मा,श्रीमती कोमल व्यास के कार्यो की सराहना करते हुए सभी को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, महामंत्री प्रवीण खरोले,राजीव गोयल,शैलेंद्र तिवारी, संतोष आडे ,मिथलेश खुरडे,शशांक डोंगरे ,पप्पू हरिनखेडे ,बंटी पारधी,सुनील बिसेन, शैलेन्द्र सेठी,युगल किशोर सोलकिया, प्रवीण रूसिया ,आलोक खरे ,भोनू लिमजे ,मनोज दांदरे, नंदू पारे,हरिओम दुबे ,बाली देशपांडे, चिरोंजी पारधी, वायकर पारधी,सूर्यभान पुसाम ,राजेश ठाकर, प्रीति संतोष शिव, पप्पू हरिनखेडे, दीपक जैन,शैलेष पारधी, धर्मेंद्र जोशी,मदन धार्मिक ,श्रीमती ललिता लोकेश ठाकरे उपस्थित रहे।

# एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का हरित संकल्प है वन महोत्सव

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है। वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में प? सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण ब?कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसग? उसके बाद आते हैं। वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

# प्याज पर 13 प्रतिशत सरकारी खरीद मूल्य वृद्धि

## किसान की मुस्कान या महंगाई की आहट? -प्याज पर सरकार के ऐतिहासिक फैसले का व्यापक गहन विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत में प्याज केवल एक सब्जी नहीं,बल्कि अर्थव्यवस्था, राजनीति, कृषि और आम नागरिक की रसोई से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। देश में कई बार प्याज की कीमतों ने सरकारों की नीतियों को प्रभावित किया है और चुनावी राजनीति तक में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसलिए जब 4 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक के लिए प्याज की सरकारी खरीद कीमत में लगभग 13.3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1,875 रूपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,125 रूपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया जो आज 4 जुलाई 2026 से लागू हो चुका है,तो इसे केवल मूल्य वृद्धि के रूप में नहीं बल्कि किसानों,उपभोक्ताओं और कृषि बाजार के बीच संतुलन स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय के रूप में देखा गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार उत्पादन बढ़ाने,किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य दिलाने तथाभविष्य में मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।भारत विश्व के सबसे बड़े प्याज उत्पादक देशों में शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्य देश के अधिकांश प्याज उत्पादन में योगदान देते हैं। इनमें भी महाराष्ट्र का नासिक क्षेत्र एशिया के सबसे बड़े प्याज उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है। विडंबना यह है कि भरपूर उत्पादन होने के बावजूद किसान कई बार लागत से भी कम कीमत पर प्याज बेचने को मजबूर हो जाते हैं। दूसरी ओर, जब उत्पादन कम होता है या आपूर्ति बाधित होती है, तो यही प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाता है इसलिए ही कई बार जुमला आता है कि प्याज ने आंसू निकल कर रुला दिया, यही असंतुलन वर्षों से भारतीय कृषि बाजार की सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

साथियों, सरकार द्वारा खरीद मूल्य को 250 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ाने का सबसे बड़ा लाभ उन किसानों को मिलेगा जो अपनी उपज सरकारी बफर स्टॉक योजना के अंतर्गत बेचते हैं। यदि कोई किसान 500 क्विंटल प्याज बेचता है, तो उसे पहले की तुलना में लगभग 1.25 लाख रूपए अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। छोटे और मध्यम किसानों के लिए यह अतिरिक्त आय खेती की लागत निकालने,अगली फसल की तैयारी करने तथा परिवार की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे किसानों का सरकारी खरीद प्रणाली पर विश्वास भी बढ़ेगा।हालांकि केवल खरीद मूल्य बढ़ा देना किसानों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं है।भारतीय किसान की सबसे बड़ी चुनौती उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि है।बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई, बिजली, डीजल, मजदूरी और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। यदि उत्पादन लागत भी उसी अनुपात में बढ़ती रहे और विपणन व्यवस्था कमजोर बनी रहे, तो केवल 13 प्रतिशत मूल्य वृद्धि सीमित राहत ही दे पाएगी इसलिए आवश्यक है किसरकार लागत कम करने वालीतकनीकों आधुनिक कृषि यंत्रों तथा वैज्ञानिक खेती को भी समान प्राथमिकता दे।

साथियों, इस निर्णय का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सरकारी बफर स्टॉक है। जब सरकार अच्छी कीमत पर किसानों से प्याज खरीदती है, तब वह उसे सुरक्षित भंडारण में रखती है। भविष्य में यदि किसी कारण से बाजार मेंप्याज की कमी हो जाती है या कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं, तो यही बफर स्टॉक बाजार में उतारकर कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है।इस प्रकार सरकार किसानों को उचित मूल्य भी देती है और उपभोक्ताओं को अत्यधिक महंगाई से भी बचाती है। यही किसी भी सफल कृषि मूल्य नीति की सबसे बड़ी विशेषता होती है।

साथियों, उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो इस निर्णय का अर्थ यह नहीं है कि 4 जुलाई से ही बाजार में प्याज 13 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। सरकारी खरीद मूल्य और खुदरा बाजार मूल्य अलग-अलग कारकों पर निर्भर करते हैं।यदि उत्पादन पर्याप्त रहेगा और सरकार समय पर बफर स्टॉक जारी करती रहेगी,तो खुदरा कीमतों में अनावश्यक वृद्धि की संभावना कम होगी। अर्थात अल्पकाल में किसानों को राहत और दीर्घकाल में उपभोक्ताओं को स्थिर कीमत, दोनों उद्देश्यों को एक साथ साधने का प्रयास इस निर्णय में दिखाई देता है।हम देखते हैं कि, भारत में प्याज की सबसे बड़ी समस्या उत्पादन नहीं बल्कि भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला है। अनुमान है कि हर वर्ष बड़ी मात्रा में प्याज उचित वैज्ञानिक भंडारण के अभाव में खराब हो जाती है।यदि आधुनिक कोल्डस्टोरेज वेंटिलेटेड गोदाम और वैज्ञानिक भंडारण प्रणाली का व्यापक विकास हो जाए तो किसानों को मजबूरी में सस्ते दाम पर बिक्री नहीं करनी पड़ेगी और उपभोक्ताओं को भी पूरे वर्ष संतुलित कीमत पर प्याज उपलब्ध हो सकेगा। इसलिए मूल्य वृद्धि के साथ-साथ भंडारण अवसंरचना में निवेश अनिवार्य है।

साथियों, कृषि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि किसानों की आय दोगुनी करने या स्थायी रूप से बढ़ाने का सबसे प्रभावी तरीका केवल समर्थन मूल्य नहीं बल्कि मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और सप्लाई चेन का आधुनिकीकरण है।प्याज से निर्जलित (डिहाइड्रेटेड )प्याज प्याज पाउडर, प्याज पेस्ट और निर्यात योग्य प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार कर किसानों को कहीं अधिक लाभ दिलाया जा सकता है। भारत यदि कृषि प्रसंस्करण पर अधिक निवेश करे तो किसानों की आय में सटीक रूप से उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजार भी इस निर्णय से जुड़ा हुआ है। भारत विश्व के प्रमुख प्याज निर्यातकों में शामिल है। कई देशों की खाद्य सुरक्षा भारतीय प्याज पर निर्भर रहती है। लेकिन घरेलू कीमतें बढ़ने पर भारत कई बार निर्यात पर प्रतिबंध या शुल्क लगा देता है, जिससे वैश्विक बाजार प्रभावित होता है। यदि देश में पर्याप्त बफर स्टॉक और संतुलित उत्पादन रहेगा तो भविष्य में निर्यात नीति अधिक स्थिर बनाई जा सकेगी। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन बढ़ेगा और भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार का सटीकता से बेहतर लाभ मिलेगा।

साथियों जलवायु परिवर्तन भी प्याज उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि, अत्यधिक तापमान तथा सूखे जैसी घटनाएं उत्पादन को प्रभावित करती हैं। ऐसे समय में यदि किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य की गारंटी मिले तो उनका जोखिम कम होता है। इसलिए यह निर्णय केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु जोखिम प्रबंधन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है।इस नीति का सामाजिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। जब किसान को उचित मूल्य मिलता है तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। उसकी क्रय शक्ति बढ़ती है, स्थानीय बाजारों में व्यापार बढ़ता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और ग्रामीण विकास को गति मिलती है। दूसरी ओर यदि किसान लगातार घाटे में रहेगा तो कृषि छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, जिसका असर देश की खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। इसलिए किसानों को लाभकारी मूल्य देना केवल कृषि का प्रश्न नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता का विषय भी है।

साथियों, हालांकि विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि सरकार को मूल्य वृद्धि के साथ पारदर्शी खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। यदि खरीद केंद्र पर्याप्त नहीं होंगे या भुगतान समय पर नहीं होगा तो किसान इस योजना का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन पंजीकरण, पारदर्शी गुणवत्ता परीक्षण तथा समयबद्ध खरीद व्यवस्था इस नीति की सफलता के लिए आवश्यक हैं।भविष्य की कृषि नीति में केवल समर्थन मूल्य पर निर्भर रहने के बजाय किसानों को बाजार से जोड़ने की रणनीति भी महत्वपूर्ण होगी।किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ ), ई-नाम (ई-नाम ), कृषि निर्यात केंद्र, प्रसंस्करण उद्योग और अनुबंध खेती जैसी व्यवस्थाओं का संतुलित विस्तार किसानों को बेहतर मूल्य दिला सकता है। यदि इन सभी सुधारों को सरकारी खरीद नीति के साथ जोड़ा जाए तो कृषि क्षेत्र में सटीकता से व्यापक परिवर्तन संभव है।

साथियों, भारत को आज ऐसी कृषि नीति की आवश्यकता है जो किसान, उपभोक्ता और बाजार तीनों के हितों का संतुलन बनाए। किसान को उचित मूल्य मिले, उपभोक्ता को उचित दर पर खाद्य सामग्री उपलब्ध हो और सरकार को बार-बार आपातकालीन हस्तक्षेप न करना पड़े। प्याज की सरकारी खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत वृद्धि इसी संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होती है, लेकिन इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी पारदर्शिता, दक्षता और दूरदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

अतः अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि 2,125 रूपए प्रति क्विंटल की नई सरकारी खरीदकीमत केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय कृषि व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। यदि इसके साथ वैज्ञानिक भंडारण,आधुनिक कृषि तकनीक, बेहतर विपणन, स्थिर निर्यात नीति, प्रसंस्करण उद्योग और किसानों के लिए आसान बाजार व्यवस्था को भी समान गति से विकसित किया जाए, तो यह निर्णय भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। तभी किसान समृद्ध होंगे, उपभोक्ता सुरक्षित रहेंगे और भारत की खाद्य मूल्य स्थिरता विश्व के लिए एक सफल मॉडल बन सकेगी। यही विकसित भारत की कृषि नीति का वास्तविक आधार भी होना चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

# नए भारत के शिल्पकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

भारत का इतिहास केवल उन व्यक्तियों को याद नहीं रखता जिन्होंने सत्ता संभाली, बल्कि उन महापुरुषों को भी स्मरण करता है जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित की। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही राष्ट्रपुरुष एवं राष्ट्र-निर्माता थे, जिनकी दृष्टि तत्कालीन राजनीति की सीमाओं से कहीं आगे जाकर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से जागृत और अखण्ड भारत के निर्माण पर केन्द्रित थी। उनकी 125वीं जयंती ऐसे समय में मनाई जा रही है जब भारत 'विकसित भारत-2047' के राष्ट्रीय संकल्प के साथ विश्व की अग्रणी शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि इतिहास का वह बिंदु है जहाँ डॉ. मुखर्जी के विचार और वर्तमान भारत की विकास यात्रा एक-दूसरे से मिलते दिखाई देते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन केवल एक राजनेता का जीवन नहीं था, वे एक विलक्षण शिक्षाविद्, दूरदर्शी चिंतक, निर्भीक राष्ट्रवादी, कुशल प्रशासक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी संकीर्ण राजनीतिक विचारधारा नहीं माना, बल्कि उसे भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और जनकल्याण का आधार बताया। उनका मानना था कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना से निर्मित एक जीवंत राष्ट्र है।

आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकसित भारत-2047' और 'विश्वगुरु भारत' की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में जुटे हैं, तब डॉ. मुखर्जी की वैचारिक विरासत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अनेक अवसरों पर उन्हें आधुनिक भारत के महान निर्माताओं में स्थान दे चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि डॉ. मुखर्जी के उस अधूरे संकल्प की ऐतिहासिक पूर्णता थी जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया था। डॉ. मुखर्जी ने स्पष्ट कहा था 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।' यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की अखण्ड राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रीय एकता किसी समझौते का विषय नहीं हो सकती। आज जम्मू-कश्मीर का पूर्ण संवैधानिक एकीकरण उनके बलिदान का जीवंत स्मारक है। डॉ. मुखर्जी का व्यक्तित्व जितना राजनीतिक था, उससे कहीं अधिक बौद्धिक और शैक्षणिक था। मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनना उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण था। उन्होंने शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनका विश्वास था कि ऐसी शिक्षा, जिसमें विज्ञान की आधुनिकता और अध्यात्म की संवेदनशीलता का समन्वय हो, वही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकती है। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा, मातृभाषा, अनुसंधान और नवाचार पर जो बल दिया जा रहा है, उसमें भी कहीं न कहीं डॉ. मुखर्जी की शिक्षा-दृष्टि की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और उत्पादन-आधारित विकास से जो?कर देखा। उनका मानना था कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। आज भारत विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में जो नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है, वह उसी आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करता है जिसका बीजारोपण स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में अनेक राष्ट्रनिर्माताओं ने किया था। डॉ. मुखर्जी लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित नहीं मानते थे। उनके लिए लोकतंत्र का अर्थ था- नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, समान अधिकार और राष्ट्रहित सर्वोपरि। उन्होंने सत्ता के विरोध में भी वही कहा जिसे वे राष्ट्रहित में उचित मानते थे। नेहरू मंत्रिमंडल से उनका त्यागपत्र सिद्धांतों की राजनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज जब राजनीति में मूल्य, नैतिकता और वैचारिक प्रतिबद्धता की चर्चा होती है, तब उनका जीवन आदर्श प्रेरणा बनकर सामने आता है। भारत के विभाजन के समय उन्होंने बंगाल के हिंदू-बहुल क्षेत्रों



को भारत में बनाए रखने के लिए जो संघर्ष किया, वह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण था। यदि उनका हस्तक्षेप न होता तो आज का पश्चिम बंगाल भी भारत का हिस्सा न होता। उन्होंने विभाजन को ऐतिहासिक विवशता माना, लेकिन सांस्कृतिक भारत की एकता को कभी खंडित नहीं माना। उनका अखण्ड भारत का विचार किसी भू-राजनीतिक विस्तार का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता, साझा विरासत और सभ्यतागत एकात्मता का विचार था। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने ऐसी राजनीतिक संस्कृति की नींव रखी जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि हो, शासन पारदर्शी हो और राजनीति सेवा का माध्यम बने। आज भारतीय लोकतंत्र जिस परिपक्वता के साथ विश्व की सबसे ब?ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित है, उसमें उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उन्होंने वैचारिक विपक्ष को लोकतंत्र की आवश्यक शक्ति माना और स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद का समर्थन किया।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का राष्ट्रीय लक्ष्य केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, तकनीकी नेतृत्व, पर्यावरणीय संतुलन, सुशासन और वैश्विक उत्तरदायित्व का समेकित संकल्प है। इस संकल्प की वैचारिक भूमि पर यदि किसी राष्ट्रपुरुष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, तो उनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका विश्वास था कि भारत अपनी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखते हुए ही आधुनिकता का नेतृत्व कर सकता है। यही आज के नए भारत की मूल पहचान भी बन रही है। भारत की युवा पी?ी के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन विशेष प्रेरणा है। उन्होंने सिद्ध किया कि आयु नहीं, दृष्टि राष्ट्र निर्माण करती है। युवा कुलपति, युवा सांसद, युवा केंद्रीय मंत्री और एक नए राजनीतिक आंदोलन के संस्थापक के रूप में उन्होंने युवाओं को नेतृत्व, साहस और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। आज जब भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है, तब उनके विचार युवाओं को केवल सफल नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद समावेशी था। वे भारत की विविधता को उसकी शक्ति मानते थे। उनका आग्रह था कि भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ की विविधताओं के बावजूद भारत की राष्ट्रीय पहचान एक ही है। आज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का अभियान इसी राष्ट्रीय एकात्मता को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि भारत को 2047 तक विकसित, समृद्ध और विश्वगुरु बनाना है तो केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। हमें चरित्रवान नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक आत्मगौरव, नैतिक राजनीति और उत्तरदायी लोकतंत्र का भी निर्माण करना होगा। यही डॉ. मुखर्जी का वास्तविक संदेश था।

आज आवश्यकता केवल उनकी जयंती मनाने की नहीं, बल्कि उनके विचारों को राष्ट्रीय जीवन में उतारने की है। जब भारत वैश्विक मंच पर नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक ज?ों से जु?ा रहता है, वही आधुनिकता के शिखर तक पहुँचता है। उनकी 125वीं जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम उनके राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्यों, शिक्षा-दृष्टि, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक चेतना और अखण्ड भारत के संकल्प को अपने राष्ट्रीय चरित्र का अंग बनाएं। यदि हम ऐसा कर सकें, तो वर्ष 2047 का विकसित, समृद्ध, आत्मविश्वासी और विश्वगुरु भारत केवल एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूरदृष्टि और करो?ों भारतीयों के सामूहिक पुरुषार्थ से साकार होने वाला ऐतिहासिक यथार्थ बनेगा। उनके विचार आज भी नए भारत की यात्रा के पथप्रदर्शक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बने रहेंगे।

-ललित गर्ग

# अंधविश्वास, अज्ञान और कुप्रथाओं की जकड़न-जब विवेक सो जाता है तो समाज त्रासदी का शिकार बन जाता है

**-कांतिलाल मांडोत**

राजस्थान के फलोदी जिले के फतेहगढ़ गांव में घटित हृदयविदारक घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। एक किसान ने पहले अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या कर स्वयं भी आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार परिवार यह मान बैठा था कि महिला पर भूत-प्रेत का साया है और इसी कारण उसे तांत्रिक के पास ले जाया जा रहा था। वहीं जयपुर जिले में एक महिला और उसकी दो बेटियों के तालाब में मृत मिलने की घटना ने भी समाज को गहरे चिंतन के लिए विवश कर दिया। ये घटनाएँ केवल आपराधिक या पारिवारिक त्रासदी नहीं हैं, बल्कि उस अंधविश्वास, अज्ञान और अविवेक की भयावह तस्वीर हैं, जो आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जड़ें जमाए हुए है। जब मनुष्य विवेक छोड़ देता है, तब वह स्वयं भी दुख पाता है और दूसरों के जीवन को भी संकट में डाल देता है। समाज में व्याप्त अनेक कुप्रथाओं का मूल कारण अज्ञान ही है। दहेज, तिलक, मृत्यु-भोज, दिखावा, झूठी सामाजिक प्रतिष्ठा, टोना-टोटका, भूत-प्रेत और तांत्रिकों पर विश्वास जैसी



प्रवृत्तियाँ मनुष्य को वास्तविक समाधान से दूर ले जाती हैं। जब किसी समस्या का वैज्ञानिक, चिकित्सकीय या तार्किक समाधान खोजने के बजाय उसे अलौकिक शक्तियों से जोड़ दिया जाता है, तब दुख और बढ़ जाता है। मानसिक बीमारी का उपचार डॉक्टर और मनोचिकित्सक कर सकते हैं, लेकिन यदि उसे भूत-प्रेत का प्रभाव मानकर तांत्रिकों के भरोसे छोड़ दिया जाए तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। फलोदी की घटना इसी मानसिकता की दुखद परिणति प्रतीत होती है। महापुरुषों और संतों ने सदैव कहा है कि अंधविश्वास का आधार ज्ञान नहीं, बल्कि भय और अज्ञान होता है। जब मनुष्य सोचने-समझने की शक्ति का उपयोग करना छोड़ देता है, तब वह हर उस बात पर विश्वास करने लगता है जिसका कोई प्रमाण नहीं होता। धीरे-धीरे वही बातें परंपरा बन जाती हैं और लोग बिना सोचे-समझे उनका पालन करने लगते हैं। समय के साथ उनका उद्देश्य समाप्त हो जाता है, लेकिन लोग उन्हें केवल इसलिए निभाते रहते हैं क्योंकि हमारे पूर्वज ऐसा करते थे। यही स्थिति समाज को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल देती है। एक प्रेरक प्रसंग इस मानसिकता को स्पष्ट करता है। विवाह के समय किसी घर में बिल्ली रास्ते में आ गई तो उसे टोकरी के नीचे बंद कर दिया गया ताकि वह सामने न आए। वर्षों बाद उस परिवार की नई पीढ़ी ने इसे घर की परंपरा समझ लिया और विवाह के समय पहले बिल्ली पकड़कर लाने की जिद करने लगी। किसी ने यह जानने का प्रयास नहीं किया कि उस समय बिल्ली को बंद करने का वास्तविक कारण क्या था। यही अंधानुकरण है। जब किसी परंपरा का उद्देश्य समाप्त हो जाए और लोग केवल उसकी नकल करते रहें, तब वह कुप्रथा बन जाती है। समाज में देवी-देवताओं के नाम पर भी अनेक प्रकार के अंधविश्वास प्रचलित हैं। लोग बिना समझे विभिन्न प्रकार के कर्मकांड करते हैं और यह मान लेते हैं कि इससे उनके सभी दुख दूर हो जाएंगे। जबकि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के भीतर सत्य, करुणा, संयम और विवेक का विकास करना है। यदि धर्म के नाम पर केवल बाहरी प्रदर्शन, डर और अंधविश्वास रह जाए तो वह धर्म नहीं, बल्कि उसकी विकृति बन जाता है। धर्म मनुष्य को स्वतंत्र विचार, नैतिकता और आत्मबल देता है, न कि भय और भ्रम।

इसी प्रकार दहेज और तिलक जैसी कुप्रथाएँ भी अज्ञान और सामाजिक दिखावे का परिणाम हैं। बेटी को अपनी इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार देना अलग बात है, लेकिन उसे सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर लेन-देन की प्रतियोगिता बना देना घोर अन्याय है। इसी कारण अनेक परिवार आर्थिक रूप से टूट जाते हैं, बेटियों को अपमान सहना पड़ता है और कई बार उनकी जान तक चली जाती है। जिस परंपरा से हिंसा, अन्याय और पीड़ा बढ़े, उसे परंपरा नहीं बल्कि अभिशाप कहना अधिक उचित होगा। मृत्यु-भोज और दिखावे की परंपरा भी इसी मानसिकता का उदाहरण है। किसी प्रियजन के निधन पर दुख स्वाभाविक है, लेकिन कृत्रिम रूप से रोने-पीटने का प्रदर्शन करना, आर्थिक बोझ उठाकर भोज देना या समाज के दबाव में अनावश्यक खर्च करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। मृत व्यक्ति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उसके आदर्शों को अपनाना और परिवार का सहारा बनना है, न कि दिखावे के लिए रस्में निभाना। आज भी अनेक परिवार सामाजिक दबाव के कारण कर्ज लेकर ऐसे आयोजन करते हैं और वर्षों तक उसका बोझ उठाते हैं। आज विज्ञान, शिक्षा और तकनीक के युग में भी यदि लोग मानसिक रोग को भूत-प्रेत समझेंगे, बीमारी का इलाज अस्पताल के बजाय तांत्रिकों से कराएंगे, या जीवन की हर समस्या का कारण अदृश्य शक्तियों को मानेंगे, तो ऐसी दुखद घटनाएँ बार-बार सामने आती रहेंगी। मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। परिवारों को चाहिए कि वे समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह लें, रोगी को सहानुभूति दें और वैज्ञानिक सोच अपनाएँ। अंधविश्वास किसी भी समस्या का समाधान नहीं देता, बल्कि उसे और जटिल बना देता है। कुप्रथाओं का अंत केवल कानून से नहीं होगा। इसके लिए समाज में वैचारिक जागरण आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को पहले स्वयं बदलना होगा। माता-पिता अपने बच्चों को तर्क, विज्ञान और नैतिकता का संस्कार दें। विद्यालयों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिले। धार्मिक और सामाजिक नेतृत्व भी लोगों को अंधविश्वास से मुक्त करने का कार्य करे। जब व्यक्ति जागेगा तभी समाज जागेगा, और जब समाज जागेगा तभी ऐसी त्रासदियों पर रोक लग सकेगी।

फलोदी और जयपुर की घटनाएँ केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी हैं। यदि आज भी हम अंधविश्वास, अज्ञान और कुप्रथाओं से बाहर नहीं निकले, तो न जाने कितने परिवार इसी प्रकार बिखरते रहेंगे। समय की मांग है कि हम विवेक, शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को अपनाएँ। परंपराओं का सम्मान अवश्य करें, लेकिन केवल उन्हीं परंपराओं का जो मानवता, करुणा और समाज के कल्याण को मजबूत करें। जो परंपराएँ भय, हिंसा, शोषण और अज्ञान को बढ़ावा देती हैं, उन्हें साहसपूर्वक त्याग देना ही सच्ची सामाजिक सेवा है। जब मनुष्य अपने भीतर ज्ञान का दीप जलाता है, तभी अंधविश्वास का अंधकार समाप्त होता है और तभी एक स्वस्थ, संवेदनशील तथा प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव होता है।

## इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

**इंदौर। एजेंसी।** सुस्त उठाव के बीच आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में पूछपरख के चलते चने में तेजी आयी। उड़द में सुस्ती बनी। किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती रही। नारियल बाजार बढ़त पर रहे।

**किराना-** शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा सामानय ही रही। श्रावण मास को देखते हुए नारियल व साबूदाने में लेवाली अच्छी रही। शक्कर में पूछपरख सामान्य है। शक्कर में बाजार बढ़त के साथ 4240-4320 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरे गोले में माल की आवकें औसतन ही है। खोपरा गोला 380-415 रू. प्रति किलो पर आ गये। कालीमिर्च में दिसावर तरफ की बनी मजबूती से बाजार 770-800 रू. प्रति किलो पर मजबूती के देखे गये। सूखे मेवों में बादाम गिरी 10-20 रू. प्रति किलो की बढ़त के साथ 830-860 रू. प्रति किलो पर आ गये। काजू में बाजार पूर्वस्तर पर मजबूत देखे गये। नारियलों में आवकें ठंडी-ठंडी है। श्रावणी माँग को देखते हुए बाजार में आगामी मंदी की सभावना कमजोर है। समीक्षा सप्ताह के दौरान नारियलों में बाजार 50-100 रू. प्रति थैले की बढ़त पर रहे।

**तेल तिलहन-** समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के ही देखे गये। बाजार सूत्रों का मानना है कि आयातित मालों की उपलब्धता के चते बाजार नरमी के देखे गये। समीक्षा सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1560-1580 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत देखे गये। सोया व कपास्या तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 क?लो की नरमी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में 1430-1440 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1425-1430 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन 6800 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया।

**दाल दलहन-** आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने में ताजा लेवाली से बाजार 50-75 रू. प्रति क्विंटल तक सुधर गये और चना बढ़िया मालों में 6100-6125 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। वहीं, उड़द में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से भावों में 100-150 रू. प्रति क्विंटल तक की नरमी आयी और उड़द बाजार घटकर 8700-9000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मसूर में लेवाली के अभाव में 50-100 रू. प्रति क्विंटल की मंदी देखी गयी।

## तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, मूंगफली-बिनौला मजबूत, सरसों-सोयाबीन कमजोर

**नई दिल्ली। एजेंसी।** बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण उपभोक्ताओं की मांग मूंगफली और बिनौला तेल की ओर बढ़ी, जिससे इनके दाम में सुधार आया। वहीं, ऊंची कीमतों पर कमजोर खरीदारी, प्लांट वालों की ओर से दाम घटाने और लागत से नीचे बिक्री के दबाव में सरसों, सोयाबीन और पाम तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सूरजमुखी तेल की बढ़ी हुई कीमतें और बिनौला तेल की बेहद कम उपलब्धता ने मूंगफली तेल की मांग को बढ़ाया। सस्ता विकल्प होने के कारण मूंगफली तेल की औद्योगिक और खुदरा मांग तेज हुई, जिससे इसके दाम में सुधार आया। इसी तरह, नमकीन बनाने वाली कंपनियों से बिनौला तेल की औद्योगिक मांग बनी रहने और उपलब्धता न के बराबर होने के चलते इसके दाम भी सुधरे। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों के कारण सरसों तेल की खरीदारी धीमी रही, क्योंकि उपभोक्ता सस्ते आयातित तेलों को तरजीह दे रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन तेल-तिलहन में भी प्लांट मालिकों द्वारा खरीद के दाम घटाने के कारण कमजोरी दिखी। सूत्रों ने बताया कि लागत मूल्य से नीचे बिकवाली के दबाव के चलते कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम भी लुढ़क गए, जिससे इन तेलों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,565-2,665 रुपये और 2,565-2,710 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 7,000-7,050 रुपये और 6,850-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 175 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मांग रहने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 75 रुपये के सुधार के साथ 6,750-7,325 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 15,625 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये के सुधार के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये की गिरावट के साथ 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग के बीच बिनौला तेल का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## पश्चिम एशिया में शांति बहाली के बाद भारत ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर आपात प्रतिबंध हटाए

**नई दिल्ली। एजेंसी।** पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में किए गए उन संशोधनों को हटा दिया, जो घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति को सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार विनियमित करते थे। सरकार ने ये आपातकालीन प्रतिबंध नौ मार्च को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू किए थे, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने और अमेरिका-इजरायल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हुई थी।

# वैश्विक संकेतों और कंपनियों के नतीजों पर टिकी बाजार की नजर

**मुंबई। एजेंसी।** घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद निवेशकों की नजर अब इस सप्ताह में वैश्विक और घरेलू कारकों पर टिक गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और प्रमुख आईटी कंपनी टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम शांति समझौते को लेकर जारी वार्ता पर निवेशकों की पैनी नजर बनी रहेगी। इस वार्ता का परिणाम न केवल वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करेगा, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव ला सकता है। कच्चे तेल की




कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संवेदनशील हैं, क्योंकि इनकी तेजी आयात बिल बढ़ाती है और रुपये पर दबाव डालती है, जबकि नरमी राहत प्रदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, विदेशी शेयर बाजारों के रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी भारतीय बाजार को प्रभावित करेंगी। घरेलू स्तर पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी, के पहली तिमाही के नतीजे 09 जुलाई को घोषित होंगे। ये नतीजे केवल टीसीएस के प्रदर्शन को ही नहीं दर्शाएंगे, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि टीसीएस की आय, मुनाफा और विशेष रूप से प्रबंधन की भविष्य की टिप्पणी अन्य तकनीकी शेयरों की दिशा और बाजार के समग्र मूड को प्रभावित कर सकती है। निवेशकों को कंपनी की विकास संभावनाओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच उसके लचीलेपन पर ध्यान देना होगा।

## नौ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द, निवेशकों की अरुचि बनी चुनौती

**नई दिल्ली। एजेंसी।** केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में एक बार फिर झटका लगा है। निवेशकों की उदासीन प्रतिक्रिया और पर्याप्त बोलीदाताओं की कमी के चलते सरकार ने नौ महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता घटाने की रणनीतिक योजनाओं के लिए एक बड़ा धक्का माना जा रहा है। खान मंत्रालय के अनुसार, सातवें दौर की नीलामी में शामिल किए गए कुल 19 ब्लॉकों में से दो के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुईक्ष् इनमें मध्य प्रदेश का मझौली टाइटेनियम, वैनेडियम एवं एल्युमिनस लैटराइट ब्लॉक तथा राजस्थान का रैमब देगाना टंगस्टन, लिथियम एवं संबद्ध खनिज ब्लॉक शामिल हैं। वहीं, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित सात अन्य ब्लॉकों (मुख्यत: ग्लॉकोनाइट, वैनेडियम और ग्रेफाइट) के लिए तकनीकी रूप से तीन से कम पात्र बोलीदाता मिले, जिसके कारण उनकी नीलामी निरस्त कर दी गई। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि तकनीकी जटिलताओं, अधिक पूंजीगत लागत और नियामकीय अनिश्चितताओं के चलते निजी निवेशकों को ऐसे खनिज ब्लॉकों की ओर आकर्षित करना अब भी एक बड़ी चुनौती है। सरकार इससे पहले भी महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कई नीलामियां रद्द कर चुकी है, जो इस क्षेत्र में लगातार आ रही समस्याओं को रेखांकित करता है। सातवें दौर में पहली बार गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना के ब्लॉक शामिल किए गए थे, जिससे देश में महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण का दायरा विस्तृत हुआ था।

## भारत का विदेशी मुद्रा भंडार हुआ कम, गोल्ड रिजर्व में भी बड़ी गिरावट

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और गोल्ड रिजर्व में भारी कटौती हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के नए आंकड़ों के अनुसार, 26 जून 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.654 अरब डॉलर घटकर 666.933 अरब डॉलर रह गया, जबकि इससे पहले के सप्ताह के फॉरेन एक्सचेंज 963 मिलियन डॉलर बढ ?र 672.587 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े हिस्से फॉरेन करेंसी असेट्स में 150 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है और यह 541.067 अरब डॉलर पर आ चुका है। विदेशी मुद्रा असेट में यूरो, पाउंड और येन जैसी नॉन अमेरिकी करेंसी की वैल्यू में उतार-चढ़ाव का भी असर विदेशी मुद्रा भंडार में हुआ है।

### गोल्ड रिजर्व में भारी गिरावट

इसके अलावा, एक सप्ताह में गोल्ड रिजर्व में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोने के भंडार 5.394 अरब डॉलर घटकर 102.536 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स की वैल्यू 89 मिलियन डॉलर घट गई और 18.558 अरब डॉलर रह गई। इतना ही नहीं आईएमएफ में भारत की रिजर्व पोजिशन भी 21 मिलियन डॉलर घटकर 4.7772 अरब डॉलर रह गई है।

### फरवरी में रिकॉर्ड हाई पर था विदेशी रिजर्व

गौर करने वाली बात है कि 27 फरवरी 2026 की सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड हाई पर था। हालांकि, इसके बाद वेस्ट एशिया में बढ़े तनाव और संघर्ष के कारण रुपये में लगाता दबाव बना रहा है, जिसके बाद रुपये की गिरावट को कंट्रोल करने के लिए आरबीआई ने कई उपाय किए, उसमें डॉलर की बिक्री भी शामिल थी। जिस कारण विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिली है।

## आज का राशिफल



**मेष-** आज किस्मत आपके लिए नए अवसरों के दरवाजे खोलने का संकेत दे रही है। आपकी मेहनत और समझदारी लोगों के बीच आपकी पहचान को और मजबूत बना सकती है। आर्थिक मामलों में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने का विचार मन में आ सकता है, जो आने वाले समय में लाभ का कारण बनेगा। साझेदारी में किया गया काम उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकता है।

**वृषभ-** आज का दिन जिम्मेदारियों को सफलता में बदलने का अवसर लेकर आया है। परिवार के साथ बिताए गए पल आपके मन को सुकून देंगे और आप खुद को पहले से अधिक हल्का और प्रसन्न महसूस करेंगे। मौज-मस्ती का मूड बना रहेगा और छोटी-छोटी खुशियां भी आपको बड़ी लगेंगी। यदि किसी बात को लेकर मन में चिंता थी, तो उसका समाधान धीरे-धीरे सामने आता दिखाई देगा।

**मिथुन-** आज परिवार के बड़े-बुजुर्गों का साथ और आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने के बजाय गहराई से सोच-विचार करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। संतान से जुड़ी जिम्मेदारियों को संतुलित ढंग से निभाएं, क्योंकि अधिक दबाव रिश्तों में दूरी ला सकता है। यदि किसी जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिले, तो आपका एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है।

**कर्क-** आज आपके लिए संतुलन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी साबित होगा। आय और खर्च के बीच सही तालमेल बैठाने में सफलता मिलेगी और कई रुके हुए काम भी गति पकड़ सकते हैं। कोई पुराना सपना पूरा होने की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई देगा, जिससे मन बेहद प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ बिताए गए खास पल रिश्तों में नई मिठास घोल सकते हैं।

**सिंह-** आज आपको अपने विरोधियों से अधिक अपने धैर्य पर भरोसा रखने की जरूरत है। कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता रहेगा। नई संपत्ति या निवेश से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय मानसिक शांति देगा और आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से घर में खुशी का माहौल बन सकता है।

**कन्या-** आज का दिन मेहनत और समझदारी का सुंदर मेल लेकर आया है। काम का दबाव थोड़ा अधिक रहेगा, लेकिन आपकी लगन आपको सफलता की ओर ले जाएगी। प्रेम जीवन में मधुरता बढ़ेगी और साथी के साथ बिताए गए पल यादगार बन सकते हैं। आर्थिक मामलों में सतर्क रहना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी नुकसान का कारण बन सकती है।

**तुला-** आज आपको विवादों से दूर रहकर अवसरों पर ध्यान देने की जरूरत है। धन कमाने के कई नए रास्ते सामने आ सकते हैं और आपकी सूझबूझ उन्हें सफलता में बदल सकती है। परिवार में चल रही किसी पुरानी गलतफहमी का अंत हो सकता है और रिश्तों में फिर से मधुरता लौट सकती है। किसी को धन उधार देने से पहले अच्छी तरह विचार कर लें। संपत्ति से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता बढ़ा सकता है, लेकिन व्यापारिक क्षेत्र में लाभ के मजबूत संकेत मिल रहे हैं।

**वृश्चिक-** आज व्यापार और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ संकेत दिखाई दे रहे हैं। पुराने निवेश का अच्छा लाभ मिल सकता है और आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत महसूस होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा या आध्यात्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। बड़ों का सम्मान और उनका मार्गदर्शन आपके लिए सौभाग्य के द्वार खोल सकता है।

**धनु-** आज परिस्थितियां आपको सावधानी और समझदारी से आगे बढ़ने का संदेश दे रही हैं। कामकाज से जुड़े कुछ निर्णयों को लेकर मन में असमंजस रह सकता है, लेकिन धैर्य रखने से सही रास्ता दिखाई देगा। बैंक ऋण या वित्तीय सहायता से जुड़ा कोई प्रयास सफल हो सकता है। संतान की गतिविधियों और संगति पर ध्यान देना जरूरी रहेगा।

**मकर-** आज का दिन आपके लिए अवसरों से भरा हुआ दिखाई दे रहा है। साझेदारी में किए गए कार्य अच्छे परिणाम दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की मेहनत और ईमानदारी वरिष्ठ अधिकारियों का दिल जीत सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा और दिन में कुछ सुखद पल भी जुड़ेंगे। ससुराल पक्ष से किसी खास व्यक्ति का आगमन हो सकता है।

**कुंभ-** आज सेहत आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचें, क्योंकि छोटी-सी गलती भी बड़ा असर डाल सकती है। जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए आप कुछ नए कदम उठा सकते हैं और आपकी लंबी अवधि की योजनाएं भी गति पकड़ सकती हैं। किसी सहयोगी की बात आपको थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन संयम बनाए रखना ही समझदारी होगी।

**मीन-** आज धन से जुड़े मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। किसी बड़े निवेश या जोखिम भरे निर्णय को फिलहाल टालना ही बेहतर रहेगा। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। किसी अजनबी की बातों में आकर निर्णय लेने से बचें। पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

## शब्दजाल - 8311

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जी | न | त | अ | मा | न | र | तू | ग | झ | डिं |
| ज | प्री | ल | म | आ | ज | या | भा | दु | ड़ी | प |
| अं | ती | बु | दि | ल | दा | ल | व | र | ला | ल |
| ज | जिं | का | जो | ल | ला | क | ही | रि | श | क |
| स | ठ | श | दे | रा | खी | स | दा | ग | वी | पा |
| री | रं | ल | चु | व | लि | र्त | र | ती | प | ड़ि |
| रा | गा | ल | के | गा | प | म | ह | कौ | या | या |
| नी | वा | रे | खा | त | क | छ | मा | ग | श | थ |
| मु | स | मि | न | व | न | ज | न | शा | जू | द |
| ख | र | ल | म | ह | र | औ | के | स | प | ना |
| र्जी | ऐ | श्व | र्या | रा | य | य | या | दु | र | क |

*शब्दजाल में दस सफल अभिनेत्रियों के नाम ढूंढिए.दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.*

जीनत अमान,वहीदा रहमान,रेखा,जया भादुड़ी,राखी,प्रीती जिंटा,रानी मुखर्जी, काजोल, डिंपल कपाड़िया,ऐश्वर्या राय

### शब्दजाल - 8310 का हल



## दैनिक पंचांग

6 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



सोमवार 2026 वर्ष का 187 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण तिथि षष्ठी 13.48 बजे को समाप्त। नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 16.08 बजे को समाप्त। योग सौभाग्य 15.51 बजे को समाप्त। करण वणिज 13.48 बजे तदनन्तर विष्टि 01.42 बजे रात को समाप्त। चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22°42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872762
जूलियन दिन 2461227.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम तारीख 20
विशेष पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती।

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मिथुन में | कर्क | 06.10 बजे से |
| चंद्र | मीन में | सिंह | 08.26 बजे से |
| मंगल | वृष में | कन्या | 10.38 बजे से |
| बुध | कर्क में | तुला | 12.49 बजे से |
| गुरु | कर्क में | वृश्चिक | 15.03 ब.से |
| शुक्र | सिंह में | धनु | 17.19 बजे से |
| शनि | मीन में | मकर | 19.25 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कुंभ | 21.11 बजे से |
| केतु | सिंह में | मीन | 22.44 बजे से |
| राहुकाल | | मेष | 00.14 बजे से |
| 7.30 से 9.00 | | वृष | 01.55 बजे से |
| बजे तक | | मिथुन | 03.53 बजे से |

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7255



**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरुख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंदई धुप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मैंने दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चुनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, रहमा, शिल्पा की 'उन से पूछो' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय की फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरुण गोविल, सारिका की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7254



■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: नई भूमिका

पुराने जमाने की बात है। राजा वालीक ने किसी छोटी सी बात पर नाराज होकर अपने प्रधानमंत्री भद्रजित को उनके पद से हटा दिया। उन्होंने क्रोध में भद्रजित से कहा, 'तुम अपने आप को बहुत श्रेष्ठ समझते थे न। जब तुम इधर-उधर भटकोगे तब तुम्हें पता चलेगा कि पद का क्या महत्व होता है।' भद्रजित शांति व शालीनता से राजा को प्रणाम कर दरबार से चले गए। उन्होंने पद से हटाए जाने को ईश्वर का वरदान माना और मन में किसी तरह का द्वेष भाव नहीं रखा। उन्होंने अपना समय इश्वरोपासना, स्वाध्याय तथा जनसेवा में लगाना शुरू कर दिया। जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गए। भद्रजित अधिक से अधिक समय सत्संग और सदकार्यों को देने लगे। एक दिन राजा वालीक को भद्रजित की याद आई। राजा ने सोचा कि भद्रजित की हालत निश्चय ही दयनीय हो गई होगी। क्यों न चल कर देखा जाए। राजा वेश बदल कर नगर में जा पहुंचे। राजा को देखकर आश्चर्य हुआ कि भद्रजित श्रेष्ठ लोगों से घिरे थे। भदजित ने वेश बदले राजा को पहचान लिया। उन्होंने खड़े होकर राजा का अभिनंदन किया और कहा, 'राजन! यदि आप मुझे मेरे पद से हटाते नहीं तो मुझे लोगों की सेवा का अवसर भला कहां मिलता? यह तो मेरा सौभाग्य है कि आप ने मुझे पद से हटा दिया। इससे मुझे जीवन के एक अलग अध्याय को जानने और एक नई भूमिका निभाने का अवसर मिला। मैं आपका आजीवन आभारी रहूंगा।' राजा वालीक भद्रजित की विनम्रता और धैर्य को देखकर हैरान रह गए। उनसे कुछ बोलते न बना।

## सूडोकु नवताल- 7564

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | 9 | 4 | 2 | | 6 | | 3 |
| | 6 | | 8 | | 7 | | 2 | |
| 4 | 1 | | | | 3 | 5 | 8 | |
| | 9 | 8 | 3 | | | | | |
| 7 | | 4 | | 5 | | 8 | | 1 |
| | | | | | 9 | 7 | 3 | |
| | 8 | 5 | 7 | | | | 4 | 6 |
| | 2 | | 9 | | 1 | | 5 | |
| 3 | | 1 | | 6 | 8 | 9 | 7 | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7563 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 9 | 5 | 1 | 3 | 7 | 2 | 4 | 6 |
| 7 | 3 | 2 | 6 | 5 | 4 | 1 | 8 | 9 |
| 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 7 | 5 | 3 |
| 5 | 7 | 3 | 4 | 2 | 9 | 6 | 1 | 8 |
| 4 | 2 | 8 | 5 | 6 | 1 | 3 | 9 | 7 |
| 6 | 1 | 9 | 3 | 7 | 8 | 5 | 2 | 4 |
| 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 6 | 8 | 7 | 2 |
| 2 | 4 | 6 | 7 | 8 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 8 | 7 | 2 | 1 | 3 | 4 | 6 | 5 |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8779



**बाएँ से दाएँ**

1. पेड़,दरख्त-2
3. प्रार्थना,पूजना-4
6. आदर्श,पैमाना-3
8. त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12. देव,देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा,गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष,रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़,खराब वस्तु-3
24. मजा,मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल,-4
29. तह,परत-2

**ऊपर से नीचे**

2. माफी-2
3. झूठी शान,घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5. अपराध,गुनाह-2
7. रग,नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर,प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम,राहत-3
18. रोगी,बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा,नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता,मार्ग-2
27. आनंदित,मौजी-2

### शब्द पहेली -8778 का हल



■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# ये कैसी मरम्मत - कारंजा पुलिया में मरम्मत के के बाद 24 घंटे में पुनः धंसी रोड़

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** मप्र. शासन के द्वारा निर्माण एवं विकास कार्यो के लिये करोड़ों रूपये खर्च किये जाते है ताकि क्षेत्र का विकास हो और जनता को बेहतर सुख सुविधायें प्राप्त हो सके। लेकिन इन निर्माण कार्यो और विकास कार्यो को पलिता लगाने में उनके ही विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा निर्माण एजेंसी जवाबदार नजर आती है। समय पर कार्यो का निर्माण नही करना, गुणवत्ता हीन निर्माण, विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों की अनदेखी नतीजन यह होता इसका खामियाजा क्षेंत्र की जनता को भुगतना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला बीते कुछ समय से अखबारों की सुर्खियों में बना हुआ है। लांजी आमगांव जो कि अति व्यस्ततम मार्ग है यहां कारजां स्थित पुल जो कि लगातार अपनी गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य पर आंसू बहा रहा है।

### ये कैसा मरम्मत, 24 घंटे में खुली पोल

करोड़ों रुपये की लागत से बने लांजी-आमगांव मार्ग पर कारंजा पुलिया की एप्रोच सड़क एक बार फिर धंस गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस स्थान पर समाचार प्रकाशित होने के बाद निर्माण एजेंसी ने आनन-फानन में मरम्मत कार्य कराया था, लेकिन वह मरम्मत 24 घंटे भी नहीं टिक सकी। पहली ही बारिश के बाद उसी स्थान पर सड़क दोबारा धंस गई और गहरा गड्ढा बन गया। इससे साफ हो गया कि एजेंसी ने स्थायी समाधान की जगह केवल लीपापोती कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया। यह वही पुलिया है, जहां कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा निर्माण विभागों को पुल-पुलियों की नियमित निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाने से कुछ घंटे पहले ही सड़क धंसने का मामला सामने आया था। उस समय भी जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखने की जहमत नहीं उठाई। समाचार प्रकाशित होने के बाद दबाव में मरम्मत तो कर दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह एक दिन भी नहीं टिक सकी। अब सवाल यह उठता है कि यदि विभाग और निर्माण एजेंसी की मरम्मत इतनी ही भरोसेमंद थी तो पहली बारिश में ही दोबारा सड़क कैसे धंस गई? क्या अधिकारियों ने मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया था या केवल कागजों में काम पूरा मान लिया गया? करोड़ों रुपये की परियोजना पर बार-बार सामने आ रही खामियां अब निर्माण गुणवत्ता पर ही नहीं, बल्कि विभागीय निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

### मरम्मत नहीं, सिर्फ औपचारिकता निभाई गई?

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मूल समस्या दूर करने के बजाय केवल ऊपर से सामग्री डालकर खानापूर्ति की गई। न तो धंसे हुए हिस्से की तकनीकी जांच की गई और न ही कमजोर नींव को मजबूत किया गया। परिणाम यह हुआ कि पहली बारिश ने मरम्मत की पूरी परत बहा दी और सड़क फिर पहले जैसी खतरनाक हो गई।

### अब कलेक्टर सहाब क्या करेंगे?

कलेक्टर श्री मीणा ने स्वयं लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी। लेकिन अब जब मरम्मत कार्य भी पूरी तरह विफल साबित हो गया है, तब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या जिम्मेदार निर्माण कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने, संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और तकनीकी जांच कराने जैसी ठोस कार्रवाई होगी, या फिर यह मामला भी हर साल की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

### क्षेत्रवासियों की मांग

ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि पूरे मार्ग और सभी पुल-पुलियों का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराया जाए, निर्माण एजेंसी की गुणवत्ता जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते स्थायी समाधान नहीं किया गया तो यह गड्ढा कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

# सेवा निवृत्ति पर प्रधानपाठक अरूणेन्द्र दुरूगकर का भव्य कार्यक्रम आयोजित कर किया स्वागत सम्मान

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** शिक्षा के क्षेत्र में चार दशक से अधिक समय तक समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ सेवाएं देने वाले शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय चिलोरा के प्रधानपाठक अरुणेन्द्र दुरुगकर को 43 वर्ष 6 माह की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर 30 जून 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। इनकी सेवा निवृत्ति उपरांत 4 जुलाई को भारती लॉन लांजी में संकूल के शिक्षकों द्वारा एवं स्वयं अरूणेन्द्र दुरूगकर द्वारा सामुहिक रूप से कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान किया गया। सर्वप्रथम अरूणेन्द्र दुरूगकर सर परिवार के साथ ग्राम चिलोरा पहुंचकर विद्यार्थियों से एवं ग्रामवासियों से भेंट की। इस दौरान इनके पुराने शिष्य भी मौजूद थे। जहां सेवा निवृत्त शिक्षक श्री दुरूगकर का स्वागत सम्मान उपरांत सभी लोग मुख्य कार्यक्रम भारती लॉन लांजी पहुंचे। यहां उपस्थित शिक्षकों द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में बारी बारी से उनके भूतपूर्व छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा उनके जीवन वृत्तांत के बारे में विस्तार से अपने विचार प्रकट किए एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। इसी बीच श्री अरुणेन्द्र दुरूगकर द्वारा अपने प्रथम प्रधान पाठक श्री पी डी बिलगौर जो आज 85 वर्ष के है उन्हें फूलमाला पहनाकर व उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में उनके सेवा भाव कर्त्तव्य निष्ठा समर्पण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक राजकुमार करहि ने अपने उद्बोधन में कहा कि इनके नेतृत्व में मैंने स्वयं खेलों में भाग लिया एवं इनके नेतृत्व क्षमता को देखा। आपने शैक्षणिक कार्यों के साथ साथ एक सफल वॉलीवाल खेल प्रशिक्षक की भूमिका का भी निर्वहन किया, जिसका परिणाम यह रहा कि इनके नेतृत्व में वनांचल क्षेत्र के अनेकों छात्रों ने राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर बालाघाट जिले का नेतृत्व किया और आज वे विभिन्न शासकीय सेवाओं में सम्मानजनक पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेलसिंह धुर्वे एएसआई, सुरेंन्द्र बहादुर सिंह आर्मो शिक्षक, रामनरेश आर्मो उच्च माध्यमिक शिक्षक, संजीत सिंह (बोखा) खेल शिक्षक, तेजाब सिंह मेरावी शिक्षक, देवेंद्र कुमार डोडरे शिक्षक, सेवकराम ठाकरे, बी एस रिनायत, आर के शक्करपुड़े, डी के आसटकर, महंतराव अगासे, बी आर घोंगड़े, माध्यमिक शाला लफरा, जैतपुरी, पितकोना, दड़ेकसा का समस्त स्टाफ के अलावा मित्रगण परिजन जिसमें मुख्य रूप से गिरिश रामटेक्कर योगेश रामटेक्कर, ओमकार आसटकर, झनकार किरनापुरे, रूपचंद रामटेककर, विशाल राऊत खोंगल, दिनेश रणदिवे आदि मौजूद रहे।

# जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में उत्साह, उमंग और जनसहभागिता के साथ स्वैच्छिक पर्व का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में रविवार, 5 जुलाई को शासकीय महाविद्यालय लांजी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक महेश पटले एवं विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया।



मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित स्वैच्छिक पर्व 4 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। इस अवधि में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में 卐एक पेड़ मां के नाम卐 वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान तथा संस्कार केंद्रों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर परिषद परिवार ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सेवा, सहयोग, सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और सामाजिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं, स्पोर्ट एंड स्काउट गाइड ऑर्गेनाइजेशन लांजी, प्रस्फुटन समितियों तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम में नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष एवं परामर्शदाता संदीप कुमार रामटेककर, परामर्शदाता विजय हटीले, अशोक घरते, नीलेश्वर ठाकरे, ज्योति शकरपुडे, प्राध्यापक आर.आर. टिकेश्वर, कैलाश नायक सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में परिषद ने सभी स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों से स्वैच्छिक पर्व के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता करने तथा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशा मुक्ति एवं समाज सेवा के इस जनआंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

# वेदप्रकाश नगपुरे के प्रथम आगमन पर ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

## पिता ने कभी जोकर बनकर लोगों को हंसाया, आज अधिकारी बनकर बेटा ने बढ़ाया गौरव

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर निवासी युवराज नगपुरे के छोटे बेटे वेदप्रकाश नगपुरे ने कठिनाइयों और निराशाओं को पीछे छोड़ते हुए एमपीपीएससी खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2025 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले के लिए गर्व का विषय बनी। वेदप्रकाश नागपुरे के प्रथम आगमन पर 4 जुलाई को बिरनपुर गांव में ढोल-नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी की चमक और फूल मालाओं की महक ने पूरे गांव को उत्साह से भर दिया। परिवारजन, रिश्तेदार और ग्रामीण नाचते-गाते हुए उन्हें घर तक लेकर आए। इस दौरान भाई, पिता और मां भावुक हो उठे और आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। घर पहुंचकर रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने बधाई दी और सफलता का जश्न देर तक चलता रहा।

### विधायक राजकुमार करहि पहुंचे घर

वेदप्रकाश को इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों ने भी उन्हें बधाई दी। विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, भाजपा नेता विजय मस्करे, पूर्व जनपद सदस्य करण नागपुरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक राजकुमार करहि ने कहा कि वेदप्रकाश की सफलता पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह साबित करती है कि कठिन परिश्रम और धैर्य से हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

### अवंती साधना मंच ने किया सम्मान

अवंती साधना मंच लांजी ने भी वेदप्रकाश नागपुरे को विशेष सम्मान प्रदान किया। मंच ने उन्हें शाल, श्रीफल और वीरांगना रानी अवंतीबाई का छायाचित्र भेंट कर गौरवान्वित किया। इस दौरान खेमराज मच्छिरके उपाध्यक्ष, भवनदास दशरिया, डालीराम उपराडे, कृष्णकुमार लिल्हारे, पुनाराम पिछोड़े, टोमेश्वर बापुरे, प्रमोद धामने, अशोक कुमार महीश्वरे, साहेबदास दशरिया, विजय दशरिया, तोषण मस्करे के अलावा अन्य लोग उपस्थित रहे।

### पिता के संघर्षों से मिली प्रेरणा- वेदप्रकाश

वेदप्रकाश नगपुरे ने अपनी सफलता के पीछे अपने पिता युवराज नगपुरे के संघर्षों को ही सबसे बड़ा आधार बताया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन कठिनाइयों और तपस्या की गाथा है। परिवार को संभालने के लिए उनके पिता कभी जंगलों में तेंदूपत्ता तोड़ने गए, तो कभी मजबूरी में जोकर बनकर नाच-गाना कर लोगों का मनोरंजन किया। यह सब उन्होंने केवल इसलिए किया ताकि परिवार की गाड़ी चल सके और बच्चों की पढ़ाई रुक न जाए। वर्ष 2000 में उन्होंने साहस जुटाकर एक छोटा सा पानठेला खोला और चाय-नाश्ते का काम शुरू किया। धीरे-धीरे उसी छोटे से ठेले ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। कठिन परिश्रम और ईमानदारी से उन्होंने व्यापार को बढ़ाया और आगे चलकर किराना दुकान तक का सफर तय किया। वेदप्रकाश ने भावुक होकर कहा कि पिता के इन अथक संघर्षों और त्याग ने ही आज उन्हें और उनके भाई को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आधार दिया है। यह कहानी केवल एक पिता के संघर्ष की नहीं, बल्कि उस अदम्य साहस की है जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानता और अपने परिवार के लिए उज्ज्वल भविष्य गढ़ता है।

# कारंजा बापड़ी मार्ग पर फीडर सेपरेशन में लगाएं नए बिजली खंभे हुए धराशायी

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** बापड़ी मार्ग करोड़ों रुपये की ऋस्र फीडर सेपरेशन परियोजना की गुणवत्ता की पोल खुल गई है। एजेंसी द्वारा हाल ही में लगाए गए दर्जनों बिजली खंभे पहली ही बारिश में खेतों और सड़क किनारे गिर गए। कुछ खंभे पूरी तरह धराशायी हो चुके हैं, तो कुछ खतरनाक ढंग से झुककर लटक रहे हैं। ग्रामीणों में गुस्सा फूट पड़ा है और ठेकेदार की लापरवाही की तीखी निंदा हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जहां दशकों पुराने बिजली खंभे आज भी मजबूती से खड़े हैं, वहीं नई परियोजना के खंभे तो पहली बारिश का सामना नहीं कर सके। स्थानीय किसानों का आरोप है कि ठेकेदार ने ट्रेक्टर पर लगी ड्रिल मशीन से सिर्फ गड्ढा करके खंभे खड़े कर दिए। न बेस बनाया, न कंक्रीट फाउंडेशन किया, न ही कोई मजबूत तरीका अपनाया। नतीजा—बारिश होते ही मिट्टी ढीली हुई और खंभे गिरने शुरू हो गए। एक किसान ने गुस्से में कहा, अगर ये खंभे किसी किसान, राहगीर या चलती गाड़ी पर गिरते तो बड़ा हादसा हो जाता। जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। ठेकेदार ने सिर्फ पैसे कमाने के चक्कर में काम किया है।

### गुणवत्ता पर सवालिया निशान

ग्रामीणों का कहना है कि पूरी परियोजना में भारी अनियमितता बरती गई है। उन्होंने मांग की है कि उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। यदि लापरवाही पाई गई तो ठेकेदार एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। मामले में संबंधित एजेंसी के कर्मचारी अभिषेक राणा ने सफाई देते हुए कहा कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी का कटाव हुआ है, जिससे कुछ खंभे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित स्थानों पर शीघ्र सुधार कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों ने गिरे हुए खंभों से जुड़े जीवित बिजली तारों को सुरक्षित हटाने का काम तेजी से किया, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

### ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से सख्त मांग की है किन्पूरे फीडर सेपरेशन कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए। निर्माण में हुई लापरवाही पर ठेकेदार एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

### दोषी अधिकारियों पर भी सख्त एक्शन लिया जाए

यह घटना ऋस्र जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में गुणवत्ता नियंत्रण की कमी को उजागर करती है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर जनता के पैसे का ऐसा दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन और विद्युत विभाग इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाता है और दोषियों पर कार्रवाई करता है या फिर मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा।

# लांजी बस स्टैंड में 40 वर्ष पुरानी पानी की टंकी बन गई जानलेवा खतरा!

## जल्द नहीं गिराई गई तो बड़ी दुर्घटना की आशंका

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी नगर की सबसे व्यस्त जगह — सराय काम्प्लेक्स बस स्टैंड पर स्थित लगभग 40 वर्ष पुरानी पानी की टंकी अब पूरे इलाके के लिए खतरे का सबब बन गई है। ग्राम पंचायत के कार्यकाल में बनी यह एकमात्र पानी की टंकी आज जर्जर हालत में पहुंच चुकी है। इसकी सीढ़ी टूटकर लटक रही है। इस पानी टंकी की पाइप लाइन अनेक वार्डों में खराब होकर बंद हो चुकी है। जबकि टंकी स्वयं किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद लांजी के सीएमओ का ध्यान आकर्षित करते हुए चेतावनी दी है कि बस स्टैंड पर हमेशा लोगों का भारी जमावड़ा रहता है। आसपास घनी बस्ती भी है। इस पानी टंकी के नीचे अनेक दुकानदार काम करते रहते हैं। यदि समय रहते इस पुरानी टंकी की इंजीनियरिंग जांच नहीं कराई गई और इसे जमींदोज नहीं किया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

### क्या है पूरा मामला?

लगभग 40 साल पहले जब यह टंकी बनाई गई थी, तब यह पूरे लांजी नगर की एकमात्र पानी सप्लाई का साधन थी। समय के साथ शहर का विस्तार हुआ, लम्बे समय से बनी होने के कारण आज हालत यह है कि टंकी जिर्ण-शीर्ण हो चुकी है। दीवारें कमजोर, संरचना अस्थिर हो चुकी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह टंकी अब पानी देने के बजाय मौत का सबब बन गई है। बस स्टैंड पर रोज सैकड़ों लोग आते-जाते हैं, महिलाएं-बच्चे रहते हैं। अगर टंकी गिर गई तो भारी जनहानि हो सकती है। नगर परिषद प्रशासन से मांग की जा रही है कि तुरंत इंजीनियरों की टीम बनाकर टंकी का निरीक्षण कराया जाए और अधिकारियों के निर्देशन में इसे सुरक्षित तरीके से ध्वस्त किया जाए। साथ ही नई आधुनिक पानी की व्यवस्था को तुरंत प्रारंभ किए जाने की जरूरत बताई जा रही है।

### नगर परिषद की जिम्मेदारी

लोगों का आरोप है कि लंबे समय से इस टंकी की अनदेखी की जा रही है। यदि सीएमओ स्तर पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय लोग प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर हो सकते हैं।



### जनता की अपील

नगर परिषद लांजी के सीएमओ से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की जा रही है। जान-माल की सुरक्षा सर्वोपरि है। पुरानी टंकी को खत्म कर नई सुविधाएं विकसित करना समय की मांग है।

### मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रखी अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला

# शिवपुरी बनेगा भारत का नया डिफेंस हब

## - 2500 करोड़ की फैक्ट्री में बनेंगे मिसाइल, हथियार और गोला-बारूद

भोपाल/शिवपुरी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को शिवपुरी जिले को विकास की बड़ी सौगात देते हुए 211 करोड़ से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने 2,500 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाले अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसे दक्षिण एशिया के निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा डिफेंस एवं एयरोस्पेस निर्माण संयंत्र बताया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि शिवपुरी तेजी से औद्योगिक और आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अडाणी डिफेंस प्लांट की स्थापना से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और मध्य प्रदेश रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश के प्रमुख राज्यों में शामिल होगा।

मध्य प्रदेश का शिवपुरी अब देश के बड़े रक्षा उत्पादन केंद्रों में शामिल होने जा रहा है। पाली गांव में नेशनल हाईवे-27 के किनारे अडाणी समूह की करीब 2500 करोड़ रुपये की डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास किया गया। इस मेगा प्रोजेक्ट में गोला-बारूद, अत्याधुनिक हथियार, मिशन-रेडी मिसाइलें और हाईटेक डिफेंस



इक्विपमेंट का निर्माण होगा। शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अडाणी समूह के निदेशक करण अडाणी और जीत अडाणी मौजूद रहे। कार्यक्रम से पहले सभी अतिथियों ने प्रदर्शनी में आधुनिक हथियारों और रक्षा उपकरणों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की 211 करोड़ से अधिक लागत वाली विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। शिवपुरी में स्थापित होने वाला यह डिफेंस और एयरोस्पेस प्लांट प्रदेश के औद्योगिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

### शिवपुरी को मिली कई नई सौगातें

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिफेंस प्लांट की स्थापना से करीब 5 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुना में सीमेंट प्लांट और शिवपुरी में डिफेंस उद्योग जैसे बड़े निवेश से पूरा ग्वालियर-चंबल क्षेत्र औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने शिवपुरी के लिए कई नई घोषणाएं भी कीं। उन्होंने बताया कि शिवपुरी को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए 120 करोड़ की लागत से 14 किलोमीटर फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजी यूनिट शुरू की जाएगी। खोड़ में नया कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय खोला जाएगा। सुभाषपुरा को नई तहसील बनाया जाएगा। पिछोर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित होगा।

### शिवपुरी में बनेगा पर्यटन का केंद्र

इसके अलावा सीएम ने ऐलान किया कि करेरा-भितरवार मार्ग से समोहा डैम तक नई सड़क बनाई जाएगी। खनियाधाना में कृषि उपज मंडी स्थापित की जाएगी। खतौरा ग्राम पंचायत में सांदीपनि विद्यालय खोला जाएगा। शिवपुरी में 200 बिस्तरों का मातृ एवं शिशु अस्पताल बनाया जाएगा। शिवपुरी को पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

### रोजगार और एमएसएमई को मिलेगा बड़ा लाभ

प्रस्तावित डिफेंस प्लांट से शिवपुरी और आसपास के क्षेत्रों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने के साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा उत्पादन की सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

### एमपी में 1.10 लाख करोड़ का होगा निवेश

अडाणी समूह के निदेशक जीत अडाणी ने कहा कि समूह ने मध्य प्रदेश में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया है। यह निवेश पंप हाइड्रो स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, लॉजिस्टिक्स और थर्मल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक मध्य प्रदेश में करीब 1 लाख 20 हजार रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है और शिवपुरी की यह डिफेंस फैक्ट्री उसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

### स्थानीय युवाओं का कौशल योगदान देश की रक्षा में

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भविष्य में जब भी देश की सुरक्षा की बात होगी, शिवपुरी की पहचान रक्षा उत्पादन के केंद्र के रूप में होगी। उन्होंने कहा कि यहां बनने वाले हथियार और गोला-बारूद भारतीय सेना की ताकत बढ़ाएंगे और स्थानीय युवाओं के कौशल का योगदान देश की रक्षा में दिखाई देगा। करीब 10 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देने वाली यह डिफेंस फैक्ट्री शिवपुरी ही नहीं, पूरे मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर मानी जा रही है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती देने के साथ यह परियोजना शिवपुरी को देश के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग मैप पर नई पहचान दिलाने जा रही है।

सूचना आयोग का कड़ा एक्शन

## आरटीआई में लापरवाही पर तत्कालीन एसपी और टीआई पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना

भोपाल/ जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने आरटीआई कानून के तहत जानकारी देने में लापरवाही बरतने पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। आयोग ने जबलपुर के एक मामले में तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और तत्कालीन थाना प्रभारी (टीआई) पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

**- यह था मामला**

यह मामला गोरखपुर थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता आदर्श नगर, ग्वारीघाट निवासी अजीत सिंह आनंद की ओर से दायर अपील में कहा गया था, कि गोरखपुर थाना पुलिस 20 जून 2023 को उन्हें घर से थाने ले गई। पुलिस ने उन्हें 24 घंटे से अधिक समय तक थाने में बंधक बनाकर रखा और 21 जून को छोड़ा। उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत थाना प्रभारी को संबंधित थाने की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया था। इसके बाद उन्होंने थाने लाए जाने तथा छोड़े जाने के संबंध में रोजनामचा सान्हा में दर्ज रिकॉर्ड एवं सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन किया था। लोक सूचना अधिकारी एवं तत्कालीन थाना प्रभारी अरविंद चौबे ने सूचना के अधिकार के तहत जानकारी उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आवेदक ने प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल के समक्ष अपील दायर की थी। प्रथम अपीलीय अधिकारी ने रोजनामचा सान्हा तथा रजिस्टर में दर्ज रिहाई संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए थे। हालांकि, थाने में आने वाले अन्य व्यक्तियों की प्रायवेसी के उल्लंघन का हवाला देते हुए सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया था।

**- तय समय में नहीं दी गई जानकारी**

आयोग की सुनवाई में सामने आया कि पुलिस विभाग ने तय समय में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। कई बार मौका मिलने के बावजूद सूचना देने में देरी की गई और नियमों का पालन नहीं किया गया।

**- एएसपी और थाना प्रभारी पर जुर्माना**

इसी को गंभीर मानते हुए राज्य सूचना आयोग ने तत्कालीन एएसपी और थाना प्रभारी पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया। आयोग ने यह भी कहा कि आवेदक को मांगी गई सूचना नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए। आयोग ने पुलिस मुख्यालय को भी निर्देश दिए हैं, कि आरटीआई कानून का पालन सख्ती से कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी नागरिक को सूचना पाने के अधिकार से वंचित न होना पड़े। गौरतलब है कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत सरकारी विभागों को निर्धारित समय सीमा में जानकारी देना अनिवार्य है।

## मध्यप्रदेश में नए वक्फ बोर्ड का गठन, देश में सबसे पहले हुआ पुनर्गठन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महत्वपूर्ण निर्णय के बाद मध्यप्रदेश नए वक्फ अधिनियम-2025 के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य शासन ने इस संबंध में राजपत्र अधिसूचना जारी कर नए वक्फ बोर्ड का गठन किया है।

बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में सनवर पटेल की नियुक्ति की गई है।

10 सदस्यीय नवगठित वक्फ बोर्ड में दो हिंदू सदस्यों मनोज मालपानी और अनिमेश भार्गव को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा श्रीमती नजमा हेपतुल्ला, विधायक आतिफ अकील, फैजान खान, फातेमा चौधरी, शाइस्ता सुल्तान, शबाना खान तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के आयुक्त को सदस्य बनाया गया है।

राज्य शासन ने वक्फ अधिनियम-1995 (संशोधित-2025) की धारा-13 और धारा-14 के प्रावधानों के तहत यह पुनर्गठन किया है। श्रीमती नजमा हेपतुल्ला का कार्यकाल पूर्व अधिसूचना के अनुसार 18 अप्रैल 2028 तक प्रभावी रहने के कारण उन्हें शेष अवधि के लिए नए बोर्ड में भी शामिल किया गया है। सरकार ने इसे नए अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम बताया है।

## 70 हजार टीचर्स को टीईटी से बचाने की कोशिश

भोपाल। एमपी के करीब 70 हजार टीचरों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से राहत दिलाने स्कूल शिक्षा विभाग सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएगा। विभाग का तर्क है कि साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए शिक्षकों ने पहले ही सरकारी चयन परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी, इसलिए उन्हें दोबारा पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। यदि सुप्रीम कोर्ट यह दलील स्वीकार करता है, तो हजारों शिक्षकों को राहत मिल सकती है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के सितंबर 2025 के आदेश के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने अप्रैल में निर्देश जारी कर प्रदेश के स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के उन सभी शिक्षकों के लिए जुलाई-अगस्त में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित कराने को कहा है, जिनकी नियुक्ति साल 1998 से 2009 के बीच, यानी शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने से पहले हुई थी। इस आदेश से प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षक प्रभावित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच साल से कम है, उन्हें परीक्षा से छूट मिलेगी। वहीं, पांच साल से अधिक सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना जरूरी होगा। परीक्षा पास नहीं करने वाले टीचरों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने ड्डश्वञ्ज पास करने की समयसीमा पहले 31 अगस्त 2027 तय की थी। जिसे बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी गई है।

### 2005 से 2009 में भर्ती शिक्षकों को राहत दिलाने की तैयारी

स्कूल शिक्षा विभाग साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए करीब 70 हजार शिक्षकों को पात्रता परीक्षा से राहत दिलाने के लिए नया कानूनी प्रयास कर रहा है। इन शिक्षकों की नियुक्ति सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा के आधार पर हुई थी। हालांकि, यह परीक्षा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) नहीं थी और न ही इसे नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) के निर्धारित मानकों के अनुरूप आयोजित किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, विधि विभाग और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं से राय लेने के बाद राज्य सरकार एक सप्ताह के भीतर सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दायर कर सकती है। याचिका में अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती शिक्षकों ने पहले ही सरकारी चयन परीक्षा पास कर नियुक्ति प्राप्त की है, इसलिए उन्हें दोबारा पात्रता परीक्षा देने से छूट दी जाए। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि इस याचिका में राहत मिलने की संभावना सीमित है, लेकिन शिक्षकों के हित को देखते हुए यह कानूनी पहल की जा रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट राहत देता है, तो पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले करीब आधे शिक्षकों को इसका लाभ मिल सकता है। फिलहाल मामला विचाराधीन होने के कारण विभाग के अधिकारी आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

### व्यापमं के माध्यम से इन वर्षों में हुई शिक्षक भर्ती

स्कूल शिक्षा विभाग ने साल 2005-06 में पहली बार व्यापमं (व्यावसायिक परीक्षा मंडल) के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद 2008-09 में भी व्यापमं के जरिए भर्ती परीक्षा कराकर शिक्षकों की नियुक्तियां की गईं। वहीं 2010-11 और 2012-13 में गुरुजी और अनुदेशकों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई, जिसके बाद उन्हें अध्यापक के रूप में नियुक्त किया गया।

### दोबारा याचिका पर भी नहीं मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने पात्रता परीक्षा कराने के निर्देश जारी किए तो शिक्षक संगठनों ने इसका विरोध किया। इसके बाद विभाग और शिक्षक संगठनों ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर आदेश में राहत की मांग की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कर दिया कि पात्रता परीक्षा देना अनिवार्य होगा और इस शर्त में कोई छूट नहीं दी जा सकती। हालांकि, कोर्ट ने शिक्षकों को आंशिक राहत देते हुए परीक्षा आयोजित करने की समय-सीमा एक साल बढ़ाकर अगस्त 2028 तक कर दी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि जो शिक्षक पहली बार में परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे, उन्हें बाद में होने वाली प्रत्येक पात्रता परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा। ऐसे में अब स्कूल शिक्षा विभाग के पास निर्धारित समय-सीमा के भीतर पात्रता परीक्षा आयोजित कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

## 100 दिन का रोजगार नहीं दे पाई भाजपा सरकार, अब 125 दिन की गारंटी नया छल : कुणाल चौधरी

भोपाल। मनरेगा जैसी विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलकर जी-राम (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन) कर दिया गया है और 125 दिन रोजगार देने का दावा किया जा रहा है, जबकि सरकार पिछले दस वर्षों में मनरेगा के तहत गरीबों को 100 दिन का रोजगार भी उपलब्ध नहीं करा सकी। यह आरोप भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर मनरेगा, ग्रामीण रोजगार और किसानों के मुद्दे पर तीखा हमला बोलते हुए लगाए है। । इस अवसर पर पूर्व प्रदेश प्रवक्ता आनंद जाट, राहुल राज एवं मिथुन अहिरवार उपस्थित रहे।

चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पहले भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति की, फिर प्रचार किया और अब भगवान श्रीराम के नाम पर गरीब मजदूरों को भ्रमित करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलकर जी-राम कर दिया गया है और 125 दिन रोजगार देने का दावा किया जा रहा है, जबकि सरकार पिछले दस वर्षों में मनरेगा के तहत गरीबों को 100 दिन का रोजगार भी उपलब्ध नहीं करा सकी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल योजनाओं के नाम बदलने में विश्वास करती है, लेकिन उसकी नीयत गरीबों को रोजगार देने की नहीं, बल्कि प्रचार करने की है। नाम बदलने से न तो रोजगार बढ़ेगा और न ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

चौधरी ने बताया कि कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल एवं पंकज उपाध्याय द्वारा विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश के 52 जिलों में मनरेगा के तहत पंजीकृत मजदूरों में से एक



प्रतिशत मजदूरों को भी पूरे 100 दिन का रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा सका। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार अपनी कानूनी जिम्मेदारी के तहत 100 दिन का रोजगार नहीं दे सकी, तब 125 दिन रोजगार देने की घोषणा केवल राजनीतिक प्रचार और जनता को गुमराह करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी की मांग को पूरा करने का लगातार प्रयास किया गया और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई थी, जबकि भाजपा सरकार ने इस योजना को लगातार कमजोर करने का काम किया।

कुणाल चौधरी ने कहा कि वर्ष 2021 से 2025 तक करोड़ों मजदूर मनरेगा में पंजीकृत रहे, लेकिन पूरे 100 दिन का रोजगार पाने वाले परिवारों की संख्या लगातार घटती गई। इससे स्पष्ट है कि भाजपा सरकार ने ग्रामीण रोजगार बढ़ाने के बजाय उसे कमजोर किया। उन्होंने कहा कि वन अधिकार पट्टा धारकों को कानून के अनुसार 150 दिन रोजगार देने का प्रावधान है, लेकिन वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 24 जिलों में एक भी पात्र श्रमिक को 150 दिन का रोजगार नहीं मिला। आदिवासी बहुल जिलों में भी स्थिति बेहद चिंताजनक रही। यह सरकार के दावों और जमीनी सच्चाई के बीच का सबसे बड़ा अंतर है।

चौधरी ने आरोप लगाया कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में, जब गांवों में रोजगार की सबसे अधिक आवश्यकता थी, तब भाजपा सरकार ने लाखों गरीब मजदूरों के जॉब कार्ड ही काट दिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020-21 में 1 करोड़ 34 लाख 94 हजार 974 श्रमिकों ने रोजगार की मांग की थी, जबकि 43 लाख 43 हजार 378 मजदूरों के नाम जॉब कार्ड से हटा दिए गए। इसी प्रकार वर्ष 2021-22 में 1 करोड़ 21 लाख 95 हजार 233 श्रमिकों ने काम मांगा, लेकिन 7 लाख 71 हजार 730 जॉब कार्ड समाप्त कर दिए गए। उन्होंने कहा कि यह सरकार की गरीब और मजदूर विरोधी मानसिकता का सबसे बड़ा प्रमाण है। जिन लोगों को रोजगार देना चाहिए था, उन्हें ही व्यवस्था से बाहर कर दिया गया। इतना ही नहीं, सांसद आदर्श ग्रामों में भी रोजगार सृजन की स्थिति बेहद निराशाजनक रही।

## स्मार्ट कचरा प्रबंधन के नाम पर करोड़ों की योजना हुई बदहाल

भोपाल। राजधानी भोपाल को स्मार्ट बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए स्मार्ट डस्टबिन अब खुद बदहाली की तस्वीर बन गए हैं। करीब 13.50 करोड़ रुपये की लागत से लगाए गए 190 स्मार्ट डस्टबिन में से कई खराब हो चुके हैं, कई जंग खा रहे हैं और कई कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। ऐसे में करोड़ों की इस परियोजना की उपयोगिता और रखरखाव पर सवाल उठने लगे हैं। भोपाल स्मार्ट सिटी ने वर्ष 2018 में शहर में रियल टाइम कचरा संग्रहण व्यवस्था शुरू करने के लिए पहले चरण में 40 और बाद में 150 स्मार्ट डस्टबिन लगाए थे। इन डस्टबिन में सेंसर तकनीक लगाई गई थी, जो कचरा भरने पर कंट्रोल रूम को सूचना भेजती थी। इसके बाद कचरा वाहन को अलर्ट मिलता था, ताकि समय पर डस्टबिन खाली किए जा सकें।

योजना के तहत दावा किया गया था कि इससे कचरा संग्रहण व्यवस्था आधुनिक और प्रभावी बनेगी। प्रत्येक स्मार्ट डस्टबिन में करीब दो टन कचरा रखने की क्षमता भी बताई गई थी। लेकिन अब शहर के कई इलाकों में यही डस्टबिन खराब हालत में पड़े हैं। न्यू मार्केट मल्टी लेवल पार्किंग के पास समेत कई स्थानों पर डस्टबिन जंग खाते और बेकार पड़े दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि डस्टबिन उपयोग में नहीं हैं तो यह सार्वजनिक धन की बर्बादी है। खराब पड़े डस्टबिनों के रखरखाव और निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। भोपाल स्मार्ट सिटी के जनसंपर्क अधिकारी का कहना है कि कुछ डस्टबिन नहीं खरीदे गए थे। उन्होंने बताया कि बाद में केंद्र सरकार की स्वच्छ भारत मिशन की गाइडलाइन के तहत शहर को डस्टबिन फ्री बनाने का निर्णय लिया गया, जिसके बाद कई स्थानों से डस्टबिन हटाए गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए डस्टबिनों का अब क्या उपयोग हो रहा है और वे खुले में क्यों पड़े हैं।

## बिजली कर्मचारियों की ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर उठे सवाल, आउटसोर्स कर्मचारी संगठन ने जताया विरोध

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की ई-अटेंडेंस व्यवस्था में किए गए नए बदलाव का बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन ने विरोध किया है। संगठन का आरोप है कि अब कर्मचारियों की उपस्थिति केवल फिंगरप्रिंट वेरिफिकेशन वाले मोबाइल से ही दर्ज होगी, जिससे करीब 20 हजार नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों पर नए मोबाइल खरीदने का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने कहा कि कंपनी के आईटी सेल ने बिना किसी लिखित आदेश के मौखिक निर्देशों के माध्यम से यह व्यवस्था लागू की है। उनके अनुसार, एक वर्ष पहले 9 और 10 वर्जन वाले मोबाइलों को अमान्य घोषित किया गया था, जबकि अब 11 वर्जन के कई मोबाइल भी अनुपयोगी हो गए हैं और केवल फिंगरप्रिंट सुविधा वाले मोबाइल से ही ई-अटेंडेंस संभव होगी। उन्होंने दावा किया कि कंपनी ने पूर्व में लगभग 65 लाख रुपये खर्च कर सैकड़ों बायोमैट्रिक थंब एवं आई-स्कैन मशीनें खरीदी थीं, जिन्हें मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, सर्किल, डिवीजन, जोन, वितरण केंद्रों और 33/11 केवी सब-स्टेशनों पर स्थापित किया गया था। वर्तमान में ये मशीनें उपयोग में नहीं हैं। मनोज भार्गव ने मांग की कि कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए इन्हीं बायोमैट्रिक मशीनों को पुनः चालू किया जाए।

## चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प पूरा

नईदिल्ली। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ने देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का अपना संकल्प पूरा कर लिया। इस आध्यात्मिक यात्रा का समापन मध्य प्रदेश स्थित के पवित्र ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र के दर्शन-पूजन के साथ हुआ। उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि, शांति और लोकतंत्र की मजबूती की कामना की है।

ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र में उनके आगमन पर मंदिर प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। दर्शन के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। तीर्थ क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प पूर्ण होना उनके लिए आध्यात्मिक संतोष का विषय है।

ओंकारेश्वर, मध्य प्रदेश की नर्मदा नदी के तट पर स्थित देश के प्रमुख शिव तीर्थों में से एक है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त की इस आध्यात्मिक यात्रा के समापन को श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने भी इसमें शामिल हुए।

## महाकाल से राम मंदिर पदयात्रा में शामिल होने आए संघ प्रमुख

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर बड़ा सियासी दांव खेला है। दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक (संघ प्रमुख) मोहन भागवत को अपनी आगामी पदयात्रा में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा की है, जो राजनीतिक गलियारों में तेजी से चर्चा का विषय बन गई है।

दिग्विजय सिंह द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती यानी 2 अक्टूबर 2026 से एक बड़ी पदयात्रा शुरू करने जा रहे हैं। यह पदयात्रा धार्मिक नगरी उज्जैन में बाबा महाकाल के दर से शुरू होकर भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या (राम मंदिर) तक जाएगी।

### चंदा चोरों से बचाएं धर्म

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर संघ प्रमुख को संबोधित करते हुए तीखा और रणनीतिक पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा-धन्यवाद मोहन भागवत जी। धर्म की रक्षा करने के लिए और धर्म को चंदा चोरों से बचाने के लिए आरएसएस और विहिप को आगे आकर मेरी महाकाल मंदिर से लेकर राम मंदिर तक की पदयात्रा का समर्थन करना चाहिए।

### राजनीति गरमाने के आसार

दिग्विजय सिंह का यह बयान और निमंत्रण ऐसे समय में आया है जब राम मंदिर और धार्मिक आयोजनों को लेकर देश में लगातार राजनीतिक बयानबाजी चलती रहती है। अपने इस पोस्ट के जरिए उन्होंने न सिर्फ संघ प्रमुख और विश्व हिंदू परिषद, को अपनी यात्रा में शामिल होने की चुनौती दी है, बल्कि 'चंदा चोरों' शब्द का इस्तेमाल कर विपक्षी खेमे पर सीधा निशाना भी साधा है। फिलहाल इस निमंत्रण और सोशल मीडिया पोस्ट पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस कदम से प्रदेश की राजनीति में एक नया उबाल आना तय माना जा रहा है।

# जैकब बेथेल की शानदार पारी

## इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त



मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दूसरे मैच में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 4 विकेट से हरा दिया। ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 190 रन बनाए थे, लेकिन इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत 19 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पहला मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में फिल साल्ट और कप्तान जोस बटलर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान हैरी ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 15 गेंदों में 39 रन ठोक दिए, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। हालांकि अक्षर पटेल ने उन्हें आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 51 रन पर तीन विकेट था।

इसके बाद टॉम बैंटन और जैकब बेथेल ने चौथे विकेट के लिए 67 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर इंग्लैंड को मुकाबले में वापसी दिलाई। बैंटन ने 32 गेंदों पर 39 रन बनाए, जबकि विल जैक्स 9 रन बनाकर वरुण चक्रवर्ती का शिकार बने। इसके बाद जैकब बेथेल ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेते हुए शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और 46 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाए। उनकी पारी में 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। बेथेल ने अंत तक टिककर इंग्लैंड को 6 गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत दमदार रही। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले से अपना अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू किया और पहली ही पारी में आक्रामक अंदाज दिखाया। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग के खिलाफ छक्के लगाए, लेकिन 10 गेंदों में 14 रन बनाकर स्टम्प आउट हो गए। वैभव और अभिषेक शर्मा ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े।

अभिषेक शर्मा शानदार लय में दिखाई दिए और 24 गेंदों में 43 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़कर भारत की पारी को संभाला। श्रेयस ने 22 गेंदों पर 37 रन बनाए, जबकि ईशान किशन अर्धशतक से चूक गए और 40 गेंदों में 49 रन बनाकर आउट हुए।

मध्यक्रम में शिवम दुबे 5 रन, अक्षर पटेल 2 रन और हर्षित राणा 6 रन ही बना सके। अंतिम ओवरों में तिलक वर्मा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 11 गेंदों पर 24 रन बनाकर भारत का स्कोर 190 रन तक पहुंचाया। इंग्लैंड की ओर से सैम करन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन और विल जैक्स को एक-एक विकेट मिला।

इस मुकाबले में भारत की ओर से सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के अंतरराष्ट्रीय डेब्यू की रही। उन्हें उपकप्तान तिलक वर्मा ने डेब्यू कैप सौंपी। वैभव को संजू सैमसन की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया गया। वहीं इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज जोश टंग ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 18 मैच जीते हैं, जबकि इंग्लैंड की यह 12वीं जीत रही। एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। हालांकि इस जीत के साथ इंग्लैंड ने मौजूदा सीरीज में बढ़त बनाकर भारत पर दबाव बढ़ा दिया है।

## भारत ए ने श्रीलंका ए को 10 विकेट से हराकर 1-0 से अनौपचारिक टेस्ट सीरीज जीती

### गुरनूर ने मैच में लिए 10 विकेट

गॉल। युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए ने श्रीलका ए को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के आखिरी दिन 10 विकेट से हरा दिया। इस मैच में गुरुनूर ने कुल 10 विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारत ए ने सीरीज 1-0 से जीत ली है। सीरीज का पहला टेस्ट टेस्ट ड्रॉ रहा था। भारत ए ने ने चौथे दिन अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 541 रन बनाये। इसके बाद 9 विकेट पर 543 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। सारांश जैन ने 70 रन बनाये। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाये। पहली पारी में 177 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद से ही भारतीय टीम ने मैच पर शिकंजा कस दिया। वहीं दूसरी पारी में, गुरनूर बरार ने अपनी सटीक गेंदबाजी से इंडिया ए को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने अपने शुरुआती तीन ओवरों में ही दो विकेट लेकर श्रीलंका ए को दबाव में ला दिया। श्रीलंका ए ने चार ओवर में ही तीन विकेट खो दिये। कप्तान सहन अराचिगे भी अधिक देर नहीं टिक पाये। पर अंजाला बंडारा ने एक छोर संभाले रखा। लंच तक श्रीलंका ए का स्कोर 115/4 था। दूसरे सत्र में गुरनूर ने फिर से अपना जलवा दिखाया और बंडारा के साथ-साथ शानदार 87 रन बनाने वाले एशेन को भी जल्द ही पेवेलियन भेज दिया।

इसके बाद विकेट गिरते रहे। गुरनूर ने सुदीरा को आउट करके अपना पांचवां विकेट लिया और फिर दुलाज समुदिथा को आउट करके मैच में अपना छठा विकेट हासिल किया। इस तरह उन्होंने मैच में कुल 145 रन देकर कुल 10 विकेट पूरे किए, जिससे श्रीलंका ए की दूसरी पारी 209 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद भारत ए ने जीत के लिए मिले 33 रनों के लक्ष्य को केवल 5.2 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। साई सुदर्शन ने 22 गेंदों पर नाबाद 25 रनों की तेज खेली जबकि अमन मोखाड़े ने भी नाबाद 11 रन बनाये। स्कोर बराबर होने पर सुदर्शन ने एक चौका लगाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

## अलेक्जेंडर एला चौथे दौर में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बनी, स्वियातेक बाहर हुई

### अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर हुआ

लंदन। विंबलडन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। इसमें मौजूदा चैम्पियन और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक को महिला एकल के तीसरे दौर में फिलीपींस की अनजान की खिलाड़ी अलेक्जेंडर एला ने 7-6 (9), 6-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही एला चौथे दौर में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। यहां तक कि फिलीपींस का कोई पुरुष खिलाड़ी भी अब तक चौथे दौर तक नहीं पहुंच पाया था।

ऐतिहासिक जीत के बाद एला भावुक हो गईं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर घुटनों के बल बैठकर अपनी जीत का जश्न मनाया। अपनी जीत के बाद एला ने स्टैंड में लहराते अपने देश के झंडों को देखकर दिये अपने भावुक संदेश में कहा, "देशवासियों ने जिस प्रकार से मेरा उत्साह बढ़ाया है वह अविश्वसनीय है। यह अहसास कि हम सभी इस सफर में साथ हैं, मेरे लिए बेहद खास है। यह जीत मेरे देशवासियों, मेरे परिवार और उन सभी छोटी लड़कियों के नाम है, जो बड़े सपने देखती हैं। यह मेरे लिए पूरी दुनिया के बराबर है।" एला ने पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट अंक बचाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंततः मुकाबला जीत लिया। वहीं गत चैंपियन स्वियातेक ने पिछले साल विंबलडन महिला एकल का खिताब अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराकर जीता था।

इसके अलावा एक अन्य उलटफेर में पूर्व चैम्पियन एलिना रायबकिना भी तीसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी। रायबकिना को एलिस मर्टेन्स ने 7-6, 6-1 से हराया। इस हार के साथ ही रायबकिना इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाली अब तक की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गईं हैं। इस परिणाम ने यह भी तय कर दिया कि आर्यना सबालेंका टूर्नामेंट के बाद भी विश्व नंबर एक बनी रहेंगी।

## 12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जा सकता है बीबीएल का पहला मुकाबला

मुम्बई। भारत में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले आयोजित किए जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसार, 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच बीबीएल का पहला मुकाबला खेला जा सकता है। वहीं ये भी अटकलें हैं कि भारत में इस लीग के आयोजन को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। यदि दोनों बोर्ड के बीच सहमति बन जाती है तो तो यह भारतीय धरती पर खेला जाने वाला ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग का पहला आधिकारिक मुकाबला होगा। यह कदम भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। गौरतलब है कि सीए इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से काम कर रहा है। फरवरी में सीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था, जिसके बाद एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने चेन्नई पहुँचकर एमए चिदंबरम स्टेडियम का विस्तृत निरीक्षण किया।

## फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

### एम्बाप्पे ने किया विजयी गोल

फिलाडेल्फिया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे के शानदार गोल से फ्रांस ने एक रोमांचक मुकाबले में पराग्वे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी बार फीफा विश्वकप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। एम्बाप्पे ने अपने प्रदर्शन से एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की है। इस मैच में पराग्वे ने भी साहसिक प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के खिलाफ जबरदस्त संघर्ष किया। जिससे फ्रांसीसी टीम के लिए गोल दागना कठिन रहा। इस मैच में 70वें मिनट तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पायी। इसी दौरान पराग्वे के डिएगो गोमेज के फाउल से फ्रांस को पेनल्टी मिली। जिसपर गोल दागने में एम्बाप्पे ने कोई गलती नहीं की। इससे फ्रांस टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। यह विश्वकप में एम्बाप्पे का 19वां गोल रहा, और उन्होंने यह अहम उपलब्धि केवल 19 मैचों में ही हासिल कर ली। अब वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से एक गोल ही पीछे हैं। मेसी के नाम 20 गोल हैं। ऐसे में अगले मैच में उनके पास मेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। एम्बाप्पे ने अब तक 7 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में शीर्ष पर हैं। मेसी ने भी हालांकि 7 गोल किए हैं पर एम्बाप्पे के नाम इस विश्वप कप में दो गोल करने में सहायता करने का रिकार्ड भी है। जो उन्हें इस दौड़ में आगे रखते हैं।

वहीं दूसरी ओर पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस के कई खतरनाक हमलों को असफल किया और विशेष रूप से इंजरी टाइम में किलियन एम्बाप्पे के दो शक्तिशाली शॉट्स को शानदार तरीके से रोका। मनु कोने के एक बेहतरीन प्रयास को भी उन्होंने गोल बनने से बचाया। हालांकि, पेनल्टी पर वह एम्बाप्पे के सटीक शॉट को रोक नहीं सके।

इस जीत के साथ फ्रांस ने लगातार चौथी बार फीफा वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। अब उनका सामना मोरक्को से होगा, जो 10 जुलाई को फॉक्सबोरो के बोस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्रांस की टीम अब लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने और खिताब जीतने का प्रयास करेगी।

## ईशान ने बताया भारतीय टीम की हार का कारण

### बोले, हालातों के अनुसार ढ़लना होगा

मैनचेस्टर। मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिली हार से निराश भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि टीम को यहां के हालातों के अनुरुप ढ़लना होगा। इसके साथ ही बल्लेबाजी में तेजी लानी होगी। ईशान के अनुसार बीच के ओवरों में धीमी बल्लेबाजी से टीम को नुकसान हुआ है। साथ ह ही कहा की भारतीय टीम की हार के पीछे यही दो कारण रहे।

भारतीय टीम को अब तक लगातार तीन मैचों में हार मिली है। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज हारने के , इंग्लैंड दौरे पर पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया जबकि दूसरे में भारतीय टीम हार गयी। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने बीच के ओवरों में उम्मीद के अनुसार रन नहीं बनाये। इससे टीम बड़ स्कोर नहीं बना पायी।

ईशान ने कहा, इंग्लैंड के पास गेंदबाजी के कई विकल्प हैं और उन्हें यहां के हालातें के बारे में पूरी जानकारी है पर हम भी लगातार सुधार का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा, हम सभी यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके खिलाड़ी हमारे खिलाफ क्या रणनीति अपना रहे हैं क्योंकि उनके पास अधिक जानकारी होती है। हमें यह भी समझना होगा कि हम एक टीम के रूप में कहां 20 अतिरिक्त रन बना सकते हैं। हम इस पर चर्चा करेंगे और भविष्य में निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन



करेंगे।

दूसरे टी20 में इंग्लैंड की पारी का 17वां ओवर बदलाव लाने में सफल रहा। भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने इस ओवर की शुरुआत दो नो-बॉल से की, जिसका फायदा उठाते हुए जैकब बेथेल ने तीन छक्के लगा दिये। इस एक ओवर ने मैच का रुख बदल दिया। इससे मेजबान टीम ने 191 रनों का लक्ष्य एक ओवर पहले ही आसानी से हासिल कर लिया।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, मैच शुरू से ही हमारे नियंत्रण में था पर बेथल की आक्रामक बल्लेबाजी से मेजबान बल्लेबाजों पर से दबाव कम हो गया और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छी गेंदबाजी की। हमारी अपनी रणनीतियाँ थीं, लेकिन साथ ही, हमें बेथेल को इसका श्रेय देना होगा क्योंकि वह लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहे और उन्होंने मिले हर मौके का लाभ उठाया।

इस बल्लेबाज ने माना है कि लगातार हार से खिलाड़ियों की मानसिकता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम के खिलाड़ी इतने परिपक्व हैं कि वे हार को सामूहिक रूप से समझ सकते हैं और उससे उबर सकते हैं। उन्होंने कहा, भले ही हम जीत नहीं पाए, लेकिन मुझे लगता है कि हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम यह समझें कि हम कहां सुधार कर सकते हैं। हम सब एक साथ सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं।

## वैभव ने डेब्यू में बनाये 14, सचिन ने बनाये थे 15

मुम्बई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में डेब्यू करते ही सबसे कम उम्र मे डेब्यू करने का महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ दिया। वैभव ने जहां 15 साल 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया है। वहीं सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था। सचिन को पहले ही टेस्ट मैच में इमरान खान, वसीम अकरम और वकार यूनुस जैसे खतरनाक तेज गेंदबाजों का सामना करना पड़ा था पर उन्होंने अपनी 15 रनों की छोटी सी पारी में भी कुछ बेहतरीन शॉट्स खेलकर अपनी असाधारण प्रतिभा दिखा दी थी।

टेस्ट के बाद, 18 दिसंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ ही सचिन तेंदुलकर ने एकदिवसीय डेब्यू भी किया। हालाँकि, गुजरांवाला में खेले गए अपने पहले वनडे मैच में सचिन का खाता भी नहीं खुला और वह शून्य पर आउट हो गए थे। उन्होंने केवल 2 गेंदों का सामना किया था और दिलचस्प बात यह है कि इस बार भी उन्हें वकार यूनुस ने ही पवेलियन भेजा था, जब वह कैच आउट हुए थे।

## फीफा विश्व कप 2026 में आज होगी मेजबान मेक्सिको और इंग्लैंड में टक्कर

मेक्सिको सिटी। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सोमवार को मेजबान मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड टीम से होगा। इस मैच को लेकर मेजबान टीम मैक्सिकों के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। वहीं टीम के स्टार स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने इस टूर्नामेंट में अपनी टीम के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय उसकी एकता और जुझारू क्षमता को दिया है। मेक्सिको ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और अब उसका लक्ष्य इंग्लैंड को भी कड़ी टक्कर देना रहेगा।

जिमेनेज ने कहा, हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर ध्यान दे रहे हैं। एकजुटता और एक होकर खेलने के कारण ही हमे अब तक जीत मिली हैं। उन्होंने आगामी मुकाबले को लेकर कहा, हमें मेक्सिको में अभी एक और बड़ा मैच खेलना है, और हम पूरी तरह से जानते हैं कि इस समय हमारा क्या दांव पर लगा है। जिमेनेज ने अपनी टीम की क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि हम आगे भी अपनी पूरी क्षमा झौंक देंगे। जेवियर एगुइरे की कप्तानी संभालने के बाद से ही हमारी टीम वास्तव में बहुत मजबूत है। जब से ने कमान संभाली है, हम सब एक साथ हैं, एक इकाई के रूप में काम कर रहे हैं। हमारे लिए आसमान ही सीमा है। यह बयान टीम के भीतर गहरे तालमेल और एक साझा लक्ष्य को हासिल करने की गंभीरता भी दिखाता है। इससे टीम को कठिन से मुश्किल हालातों का सामना करने की प्रेरणा मिल रही है।

इस मुकाबले में राउल जिमेनेज और इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड के बीच प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी। इंग्लैंड और मेक्सिको ने अब तक 9 आधिकारिक मैचों में एक-दूसरे का सामना किया है। इनमें से इंग्लैंड ने 6 मैच जीते हैं, जबकि मेक्सिको ने 2 मैचों में जीत दर्ज की है और 1 मैच ड्रॉ रहा है। हालांकि, मौजूदा विश्व कप में मेक्सिको का प्रदर्शन और उनका जज्बा इस आंकड़े को चुनौती देने और इतिहास बदलने को आतुर नजर आता है।

## यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से विश्वकप के लिए हॉकी टीम का मनोबल बढ़ा - फुल्टन

बैंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से टीम का हौंसला बढ़ा है और अब आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम सही समय पर लय में आई है और इसका लाभ उसे आगामी मुकाबलों में मिलेगा। साथ ही कहा कि वर्तमान में भारतयी टीम दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को टककर दे सकती है।

कोच ने कहा कि मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड्स को हराकर भारतीय टीम ने दिखाया है कि वह किसी से पीछे नहीं है। इससे टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। फुल्टन ने कहा, इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि खिलाड़ियों का बढ़ा हुआ आत्मविश्वास है। जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी शीर्ष टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ भी प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर बने रहें तो हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। फुल्टन ने यह भी कहा किया कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दबावपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संयम दिखाया और विभिन्न खेल स्थितियों के अनुसार खुद को सफलतापूर्वक ढालने की क्षमता विकसित की। उनके अनुसार, ये नई विकसित क्षमताएं ही विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में भारत के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होंगी।

वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत

सिंह ने भी टीम के प्रदर्शन पर गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ लगातार अच्छे परिणाम खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा, इस प्रो लीग अभियान से हमें काफी आत्मविश्वास मिला है। शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा विशेष होता है, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि हमारी कड़ी मेहनत का फल अब मैदान पर साफ दिखाई देने लगा है। उन्होंने टीम के संतुलित प्रदर्शन की भी सराहना की, जिसमें डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन सभी ने पूरे अभियान में उत्कृष्ट योगदान दिया।

हालांकि, भारत ने प्रो लीग की शुरुआत राउरकेला चरण में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ निराशाजनक हार के साथ की थी। होबार्ट चरण में टीम के डिफेंस में कुछ सुधार देखने को मिला पर असली बदलाव और टीम की असली क्षमता यूरोप दौरे में सामने आई। रॉटरडैम में, भारत ने मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 और मजबूत नीदरलैंड्स को 3-2 से हराकर अपनी ताकत का जबरदस्त परिचय दिया। टीम ने इस दौरान केवल पेनल्टी कॉर्नर पर निर्भर रहने के बजाय ओपन प्ले से भी लगातार गोल किए। लंदन चरण में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ दोनों मुकाबले जीते, जिसमें 7-1 की बड़ी जीत भी शामिल रही। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैच निर्धारित समय तक ड्रॉ रहे, जबकि एक मुकाबले का फैसला रोमांचक शूटआउट में भारत के पक्ष में गया।

## फीफा विश्व कप 2026

### मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी

टोरंटो । अज्जेदीन ऊनाही के दो गोलों की सहायता से मोरक्को ने फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यह केवल एक जीत नहीं, बल्कि अफ्रीकी फुटबॉल के लिए भी एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि इस जीत के साथ ही मोरक्को एक से अधिक बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया है। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जिसमें मोरक्को ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इससे पहले साल 2022 में भी वह सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी थी।

मोरक्को की ओर से स्टार खिलाड़ी अज्जेदीन ऊनाही ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शानदार गोल किये। वहीं एक गोल इंजरी टाइम के अंतिम मिनट में सुफियान रहीमी ने किया। इस मैच की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल नहीं कर पायीं। वहीं लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही मोरक्को ने अपने हमले तेज कर दिये। मैच के 50वें मिनट में अचरफ हकीमी के एक बेहतरीन फ्री-किक पर अज्जेदीन ने गोल दागकर मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस गोल ने मोरक्को की टीम का मनोबल बढ़ गया। इसके बाद वह कनाडा पर हावी हो गयी। वहीं खेल के 82वें मिनट में, ब्राहिम डियाज के एक और शानदार पास पर ऊनाही ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे मोरक्को की जीत तय हो गयी।

# उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत शासन के द्वारा संचालित उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड वारासिवनी में विकासखंड स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य १५ वर्ष एवं उससे अधिक आयु के उन नागरिकों को साक्षर बनाना है जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। प्रशिक्षण में विकासखंड वारासिवनी के सभी १० संकुलों के संकुल प्राचार्य, प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठक तथा स्वेच्छा से पंजीकृत अक्षर साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग २०० शिक्षकों ने सहभागिता कर साक्षर भारत के निर्माण हेतु अपने संकल्प को दोहराया। प्रशिक्षण के दौरान विकासखंड सह समन्वयक भोजराज पटले के द्वारा वर्ष २०११ की जनगणना के आधार पर असाक्षर व्यक्तियों का डोर.टू.डोर सर्वे, निर्धारित प्रपत्र में जानकारी संकलन, मोबाइल ऐप के माध्यम से असाक्षरों एवं अक्षर साथियों का पंजीयन करने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों जैसे असाक्षरों का सर्वेक्षण, अक्षर साथियों का पंजीयन, सामाजिक चेतना केंद्र एवं अध्ययन केंद्रों की स्थापना, विद्यालयों में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के लोगो एवं सूचना बोर्ड की स्थापना, साक्षरता संबंधी पंजियों का संधारण, अक्षर साथियों का उन्मुखीकरण, अक्षर पोथी वितरण, नियमित अध्ययन केंद्र संचालन तथा गतिविधियों की फ ोटो साक्षरता समूह में प्रेषित करने पर विशेष बल दिया। प्रशिक्षण के दौरान ऐप के उपयोग में आने वाली तकनीकी समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विकासखंड स्रोत समन्वयक सत्येंद्र शरणागत ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के सफ ल संचालन हेतु आवश्यक गतिविधियों एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य हुमराज पटले, संकुल प्राचार्य आर के बारमाटे, बकेरा प्राचार्य श्री हनवत ,कायदी प्राचार्य मडावी, कमल टेंभरे, समस्त बीएसी सीएसी संकुल समन्वयक एवं साक्षरता कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी उपस्थित शिक्षकों ने पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने तथा भारत को पूर्ण साक्षर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।




# तेलंगाना में दो भीषण सड़क हादसे, मासूम समेत 4 की मौत, 11 लोग घायल

### नलगोंडा में कार-बस की टक्कर में चार की जान गई

### जोगुलम्बा गडवाल में ट्रैवल बस पलटने से 10 यात्री घायल

हैदराबाद। तेलंगाना में रविवार सुबह हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक आठ वर्षीय बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य लोग घायल हो गए। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने मामले दर्ज कर हादसों के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पहले हादसे के संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार यह हादसा नलगोंडा जिले के चिट्याला मंडल स्थित पेड्डाकापार्थी के पास हुआ। यहां हैदराबाद जा रही एक कार की प्राइवेट ट्रैवल बस से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चार लोगों, जिनमें एक आठ वर्षीय बच्चा भी शामिल था, की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल नलगोंडा के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

वहीं, दूसरा हादसा जोगुलम्बा गडवाल जिले के मानवपाडु स्टेज के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। हिंदूपुर से हैदराबाद जा रही मॉर्निंग स्टार प्राइवेट ट्रैवल बस कथित तौर पर एक लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन पलट गया। हादसे के समय बस में लगभग 22 यात्री सवार थे। दुर्घटना में 10 यात्री घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने दोनों मामलों में अलग-अलग केस दर्ज कर लिए हैं और दुर्घटनाओं के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इसकी घोषणा केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने की और बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को इस अवधि के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। सरकार के अनुसार, इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा और बहस होगी।

मानसून सत्र के दौरान विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े विधेयकों, नई नीतियों और देशहित से जुड़े अहम विषयों पर संसद में विस्तृत विचार-विमर्श होने की संभावना है। सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को सदनों में पेश कर उन्हें पारित कराने की कोशिश करेगी, जबकि विपक्ष भी विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी में है। सत्र को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार को कई अहम मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाएगी। विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन और अमेरिका से जुड़े व्यापारिक मुद्दों, परिसीमन, 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' के प्रस्ताव, भ्रष्टाचार के आरोपों तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज जैसे विषयों पर सरकार से जवाब मांगेगा।

ऐसे में आगामी मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर तीखी बहस होने की संभावना भी बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सत्र न केवल सरकार के विधायी एजेंडे बल्कि विपक्ष की रणनीति और संसद में होने वाले राजनीतिक विमर्श के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

# प्रशांत किशोर बांकीपुर से लड़ेंगे चुनाव

पटना। पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर जनसुराज पार्टी की ओर से प्रशांत किशोर उम्मीदवार होंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज भारती ने इसकी घोषणा की है। प्रशांत किशोर ने कहा कि चार सालों से जन सुराज ही मेरी जिंदगी है। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। बांकीपुर से अगर जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल काफी बढ़ेगा और पार्टी आगे बढ़ेगी।

बता दें नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद से ही पीके के बांकीपुर से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। पिछले दिनों खुद पीके ने कहा था- अगर मेरे चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तो मैं चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पार्टी कार्यकर्ता वरिष्ठ नेता और बिहार की जनता को आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी मेरे कंधे पर रखी है। बांकीपुर में चुनाव लड़ने की जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है, उसे मैं पूरी तरह से निभाऊंगा। अगले 5 वर्षों में बिहार में जब तक परिवर्तन नहीं आता, तब तक मैं संघर्ष करता रहूंगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि नवंबर 2025 में जिन मतदाताओं ने जनसुराज को वोट दिया, उन सबको मैं धन्यवाद देता हूं। बांकीपुर की जनता से मैं वादा करता हूं कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ काम करूंगा। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि अगर आप अपना जनप्रतिनिधि बनाकर जनसुराज के प्रतिनिधि को भेजते हैं तो वह 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

# मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से बदली किसान की सोच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना ग्रामीण किसानों के लिए आर्थिक बदलाव का माध्यम बनती आ रही है। जिले के विकासखंड बिरसा के मरारी टोला निवासी किसान मिथिलेश जामरे इसकी जीवंत मिसाल हैं, जिन्होंने पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं।

योजना के तहत हितग्राहियों को अनुदान पर उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली दो मुर्रा भैंसें उपलब्ध कराई जाती हैं। सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिलता है। विशेष बात यह है कि हितग्राही स्वयं हरियाणा जाकर पशुओं का चयन करते हैं, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण नस्ल के पशु मिलते हैं।

इसी क्रम में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, जिला बालाघाट डॉ. अरुण कुमार नेमा ने ग्राम बिरसा (मरारी टोला) पहुंचकर हितग्राही मिथिलेश जामरे के निवास पर गृहभेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के तहत उपलब्ध कराई गई मुर्रा भैंसों का सत्यापन किया तथा वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन, संतुलित पशु आहार, पशु स्वास्थ्य संरक्षण और नस्ल सुधार से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी दी।



मिथिलेश जामरे बताते हैं कि शुरुआत में उनकी इस योजना में कोई विशेष रुचि नहीं थी, लेकिन हरियाणा में आधुनिक डेयरी फार्मों का भ्रमण और वहां की वैज्ञानिक डेयरी प्रणाली को देखने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। अब उन्होंने खेती के साथ डेयरी और मत्स्य पालन को अपनी आय का प्रमुख आधार बना लिया है और भविष्य में इस व्यवसाय को और विस्तार देने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए पहले से ही पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में गेहूं का भूसा संग्रहित कर लिया है, ताकि चारे की कमी का असर उत्पादन पर न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने अपनी गायों में सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तकनीक का उपयोग कर उच्च गुणवत्ता वाली बछिया प्राप्त की है। इस आधुनिक तकनीक से मिले लाभों की जानकारी वे अन्य पशुपालकों को भी दे रहे हैं, जिससे क्षेत्र में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा मिल रहा है।

वर्तमान में उनकी दोनों मुर्रा भैंसों से प्रतिदिन लगभग 15 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है, जिससे उन्हें हर माह करीब 14 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और डेयरी व्यवसाय के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है। भ्रमण के दौरान डॉ. अरुण कुमार नेमा ने क्षेत्र के पशुपालकों से शासन की विभिन्न पशुपालन एवं डेयरी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने, उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन करने, कृत्रिम गर्भाधान और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना यह साबित कर रही है कि यदि किसान आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करें, तो पारंपरिक खेती के साथ डेयरी व्यवसाय भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर सकता है।

# केदारनाथ यात्रा : भूस्खलन का खतरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर

देहरादून। उत्तराखंड में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही पहाड़ों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसका सीधा असर केदारनाथ यात्रा पर हो रहा है। कई क्षेत्रों से लगातार मलबा गिरने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई खतरनाक इलाके चिन्हित किए हैं, जिनकी सीसीटीवी सेंटरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूरी तैयारी रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले चार दिनों (5 से 8 जुलाई) तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें 5 जुलाई के लिए कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट शामिल है।

# 9,280 करोड़ बैंक घोटाला : रिलायंस कैपिटल के पूर्व सीएफओ अमित बापना 7 जुलाई तक सीबीआई रिमांड पर

मुंबई, । तकरीबन 9,280 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अमित बापना को बड़ा झटका लगा है। विशेष सीबीआई अदालत ने उन्हें 7 जुलाई तक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया। खबर है कि विशेष न्यायाधीश नितिन वी. जिवाने ने तिहाड़ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर अदालत में पेश किए जाने के बाद उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के उपरांत यह आदेश दिया। मालूम हो कि अमित बापना पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे एक अन्य मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद थे। सीबीआई ने अदालत से उनकी हिरासत की मांग करते हुए कहा कि अगस्त 2014 से दिसंबर 2019 तक रिलायंस कैपिटल के मुख्य वित्तीय अधिकारी रहते हुए उन्होंने अन्य आरोपियों, विशेषकर समूह के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ झुनझुनवाला, के साथ मिलकर सार्वजनिक धन की कथित हेराफेरी की। सीबीआई के अनुसार, बापना ने ऐसे मध्यस्थ (इंटरमीडियरी) और कथित शेल कंपनियों को ऋण मंजूर करने और स्वीकृति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि उन्हें यह जानकारी थी कि यह ऋण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लिए गए ऋण की शर्तों के विपरीत है। जांच एजेंसी का आरोप है कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा बैंकों से उधार लिए गए धन को निर्धारित उद्देश्यों पर खर्च करने के बजाय विभिन्न मध्यस्थ कंपनियों के जरिए रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड सहित रिलायंस एडीए समूह की अन्य कंपनियों में स्थानांतरित किया गया। इससे ऋण देने वाले बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि संबंधित कंपनियों और आरोपियों को अनुचित लाभ पहुंचा। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि इस मामले की शुरुआत बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शिकायत से हुई थी। बाद में फॉरेंसिक ऑडिट में करोड़ों रुपये की अनियमितताओं का खुलासा होने के बाद 31 बैंकों और वित्तीय संस्थानों के कंसोर्टियम ने भी जांच में भाग लिया। सीबीआई का कहना है कि ऋण की राशि को जानबूझकर विभिन्न शेल कंपनियों में भेजा गया, जिससे बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितता और साजिश का पता चला। एजेंसी का तर्क था कि मामले की गहराई से जांच, धन के प्रवाह का पता लगाने तथा इसमें शामिल अन्य आरोपियों और संभावित सरकारी अधिकारियों की भूमिका उजागर करने के लिए अमित बापना से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है।

# राम मंदिर चढ़ावा चोरी में नया खुलासा : अविनाश शुक्ला ने गर्लफ्रेंड को दिए लाखों

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है, जिसने जांच को एक नई दिशा दी है। आरोपी अविनाश शुक्ला के 15 लाख रुपये से अधिक के लेन-देन की जानकारी सामने आई है, जिसकी अयोध्या पुलिस गहनता से जांच कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित कर सके कि इन पैसों का संबंध चोरी हुए चढ़ावे से है या नहीं।

जांच में सामने आया है कि अविनाश ने अपनी महिला मित्र को करीब 2 लाख नकद और एक महंगा मोबाइल फोन उपहार में दिया था। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही हैं कि अविनाश के पास इतनी बड़ी रकम कहां से आई। इतना ही नहीं एसआईटी अब अविनाश की उस महिला मित्र को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। वहीं अविनाश के भाई अभिषेक ने बताया कि उन्होंने अविनाश को कई बार ड्यूटी के बाद भारी मात्रा में कैश लेकर योग केंद्र जाते देखा था। जब इस बारे में अविनाश से पूछा गया, तब भाई ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। भाई ने बताया कि जजमान खुशी से पैसे देते हैं, और दर्शन में मदद के बदले भी लोग देते हैं। अविनाश ने अपने भाई को विषय पर दुबारा बात न करने की चेतावनी दी थी। अयोध्या पुलिस अविनाश के बैंक खातों, नकद लेन-देन और उसके संपर्कों की बारीकी से छानबीन कर रही है।

इस चोरी की घटना के बाद राम मंदिर में चढ़ावा गिनती की सुरक्षा व्यवस्था में कड़े बदलाव किए गए हैं। अब नोटों की गिनती टेबल-कुर्सी पर नहीं, बल्कि जमीन पर गद्दे और प्लाईवुड बिछाकर की जा रही है। गिनती के दौरान कर्मचारियों को आपस में बात करने की इजाजत नहीं है। बार-बार बाथरूम जाने वाले कर्मचारियों पर विशेष नजर रखी जा रही है और कैंटीन में ज्यादा देर तक बैठने की अनुमति नहीं है। पूरे काउंटिंग रूम पर सीसीटीवी कैमरों से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मॉनिटरिंग रूम में तैनात कर्मचारियों को भी ड्यूटी के दौरान अपनी जगह छोड़ने की अनुमति नहीं है। इन बदलावों का मकसद दान की गिनती में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को रोकना है। मंदिर समिति ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

# लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 खूंखार शूटर मुठभेड़ में ढेर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो खूंखार शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गए शूटरों की पहचान प्रवेश और हिमांशु के तौर पर हुई है, जो पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल की हत्या में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये दोनों शूटर हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में थे, तभी रविवार सुबह पुलिस के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया, जबकि अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर कई गोलियां लगीं।

एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल नाम के एक व्यक्ति की दो अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। इस घटना के संबंध में हांसी सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि इस जघन्य अपराध को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो मुख्य शूटरों प्रवेश और हिमांशु ने अंजाम दिया था। पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। रविवार सुबह, काउंटर इंटेलिजेंस दिल्ली स्पेशल सेल यूनिट के इंचार्ज मंजीत को एक गुप्त सूचना मिली कि ये दोनों वांछित शूटर भारी हथियारों और गोला-बारूद से लैस हैं और एक और अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि जब पुलिस की टीमें इन दोनों शूटरों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं और उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी जान बचाने और जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीमों ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई इस जबरदस्त गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अपराधियों ने कितनी आक्रामक तरीके से हमला किया था। इस मुठभेड़ में दोनों शूटर प्रवेश और हिमांशु भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल शूटरों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने दोनों शूटरों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल कांस्टेबल को तुरंत सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है, ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

# चीन की खुफिया नजर से बढ़ी भारत की चिंता!

## 5,000 किमी रेंज वाला लार्ज फेज्ड एरे रडार हुआ सक्रिय

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच जारी सामरिक तनाव के बीच चीन ने म्यांमार सीमा से लगे अपने युन्नान प्रांत में लार्ज फेज्ड एरे रडार (एलपीएआर) को सक्रिय कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि इस अत्याधुनिक रडार की निगरानी क्षमता 5,000 किलोमीटर से अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार यह भारत के मिसाइल परीक्षणों पर नजर रखने के साथ-साथ हिंद महासागर के बड़े हिस्से की गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है। चीन पिछले कुछ वर्षों से अपनी निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को लगातार मजबूत कर रहा है। युन्नान में लगाया गया यह नया एलपीएआर रडार उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। यह लंबी दूरी से बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने, उनकी उड़ान का ट्रैक रखने और तकनीकी सूचनाएं एकत्र करने में सक्षम बताया जा रहा है।

### भारत के मिसाइल परीक्षणों पर रहेगी नजर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस रडार की पहुंच भारत के पूर्वी हिस्से, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर तक हो सकती है। इससे ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से होने वाले मिसाइल परीक्षणों की निगरानी संभव हो सकती है। भारत यहीं से अग्नि-5, के-4, के-5 समेत कई उन्नत मिसाइलों का परीक्षण करता है। यदि किसी देश को इन परीक्षणों से जुड़ा उड़ान डेटा और अन्य तकनीकी जानकारी मिल जाती है, तो वह अपने मिसाइल रक्षा तंत्र और प्रतिरोधी रणनीति को उसी आधार पर विकसित कर सकता है।



### भारत के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार मिसाइल परीक्षणों के दौरान प्राप्त होने वाला डेटा किसी भी देश की सामरिक क्षमता का महत्वपूर्ण संकेतक होता है। इससे मिसाइल की मारक क्षमता, उड़ान प्रोफाइल और प्रदर्शन का आकलन किया जा सकता है। इसी कारण चीन के इस नए रडार को भारत की सुरक्षा के लिए एक नई रणनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

### हिंद महासागर पर भी निगरानी

युन्नान में रडार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि चीन बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के बड़े हिस्से पर भी निगरानी रख सकता है। हिंद महासागर भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक क्षेत्र है, जहां भारतीय नौसेना की मजबूत मौजूदगी है और दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग भी यहीं से गुजरते हैं। ऐसे में चीन की बढ़ती निगरानी भारत की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा सकती है।

चीन के पास पहले से ही शिनजियांग और कोरला क्षेत्रों में लंबी दूरी के कई रडार सिस्टम मौजूद हैं। युन्नान में नए एलपीएआर के सक्रिय होने से उसकी निगरानी क्षमता और विस्तृत हो गई है। हालांकि इस तैनाती को लेकर भारत या चीन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रक्षा मामलों के जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में भारत को अपनी काउंटर-सर्विलांस तकनीकों, मिसाइल सुरक्षा तंत्र और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता पड़ सकती है।

बालाघाट
सोमवार 06 जुलाई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

# पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

### बंजारी घाट में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर-एक व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सोनगुड्डा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत बिठली रोड स्थित बंजारी घाट में रविवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल कगुट्टल सिंह टेकाम पिता चमरा सिंह टेकाम 45 वर्ष ग्राम दुब्बापुर निवासी बताये गये है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुट्टल सिंह टेकामअपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करते हैं। 5 जुलाई को वे किसी निजी कार्य से मोटरसाइकिल से ग्राम हर्राटोला गए थे। दोपहर बाद लगभग 4 बजे काम पूरा कर वे अपने गांव दुब्बापुर लौट रहे थे। इसी दौरान बंजारी घाट के पास सामने से तेज गति से आ रही एक कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि गुट्टल सिंह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई । सूचना मिलते ही उनकी पत्नी और बेटे मौके पर पहुंचे और उसे 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां उनका उपचार किया जा रहा है।जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का बयान लेकर इस मामले को अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

# 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

## वार्ड नंबर 28 सरस्वती नगर की घटना, उत्कर्ष विद्यालय के कक्षा 11वीं का छात्र था सुमित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**नगर के वार्ड नंबर 28 सरस्वती नगर में रविवार की शाम एक दुखद घटना सामने आई। यहां किराए के मकान में रह रहे 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना 5 जुलाई की शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है।मृतक सुमित पिता विनय पटले ग्राम बघोली थाना परसवाड़ा निवासी बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने शाम होने की स्थिति में शव जिला अस्पताल के फीजर में सुरक्षित रखवा दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित अपनी मां निर्मला पटले और बड़े भाई सागर के साथ बालाघाट नगर के वार्ड नंबर 28 सरस्वती नगर में किराए से रहता था। सुमित बालाघाट के उत्कर्ष विद्यालय में कक्षा 11वीं का छात्र था। और उसकी मां निर्मला पटले सतपुड़ा टीवीएस एजेंसी में अकाउंटेंट का काम करती है**

बताया गया की 5 जुलाई को सुबह सुमित कोचिंग गया था। सुबह करीब 10 बजे मां निर्मला पटले सतपुरा टीवीएस एजेंसी में ड्यूटी के लिए निकल गई थीं। बड़ा भाई सागर भी मामा के घर लालबर्रा चला गया था। करीब 10:30 बजे सुमित एजेंसी पहुंचा और मां से घर की चाबी लेकर वापस आ गया। दोपहर में मां से उसकी फोन पर बात भी हुई थी। शाम 5 बजे जब निर्मला ने दोबारा फोन किया तो सुमित ने फोन नहीं उठाया। घबराकर वह तुरंत घर पहुंचीं। घर का दरवाजा खुला था। अंदर कमरे में सुमित पंखे में चुनरी बांधकर फंदे से लटका मिला। निर्मला के शोर मचाने पर मकान मालिक और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। आनन फानन में उसे नीचे उतारकर पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। सुमित को जिला अस्पताल लाया गया।। डॉक्टरों ने जांच के बाद सुमित को मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस मौके पर पहुंची और सुमित के शव को कब्जे में ले लिया। शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के फीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम 6 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। सुमित ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस मामले की आगे जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जाएगी।बताया जा रहा है कि सुमित के पिता विनय पटले की 2015 में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद से मां निर्मला पटले ही परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं।

# तेज रफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को ठोस मारी

## चाचा भतीजे सहित तीन लोग घायल, परसवाड़ा रोड़ रंगोपाठ मंदिर के पास हुआ सड़क हादसा

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत परसवाड़ा मार्ग पर स्थित रंगोपाठ मंदिर के समीप रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लामता ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो घायल गुलवीर श्याम सिंह उइके 37 वर्ष उसके भतीजे दिनेश पिता अर्जुनसिंह उइके 30 वर्ष को गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में महिला सुनीता पति अर्जुन सिंह उइके 48 वर्ष को मामूली चोटें आई। तीनों घायल ग्राम सुकड़ी थाना परसवाड़ा निवासी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लगवीर और उसका भतीजा दिनेश अपने परिवार के साथ खेती और मजदूरी करते हैं।बताया गया कि 5 जुलाई को लगवीर अपने भतीजे दिनेश के साथ अपनी भाभी सुनीता को इलाज के लिए मोटरसाइकिल से लामता लेकर जा रहा था। दोपहर लगभग 12 बजे जब उनकी मोटरसाइकिल परसवाड़ा लामता मार्ग पर स्थित रंगोपाठ मंदिर के पास पहुंची। तभी सामने से तेज गति से आ रही एक यात्री बस ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। यात्री बस को टक्कर इतनी जबरदस्ती थी कि तीनों सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। हादसे में लगवीर और दिनेश को गंभीर चोटें आई जबकि सुनीता को मामूली चोटें लगीं। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। किसी व्यक्ति ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लामता पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद लगवीर और दिनेश की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। जहां दोनों का उपचार किया जा रहा है।घटना की सूचना मिलने पर लामता पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

## घरेलू विवाद में सिविल इंजीनियर से मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पारडी में शनिवार की शाम घरेलू विवाद को लेकर एक सिविल इंजीनियर के साथ मारपीट और गाली गलौज करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने उसे लोहे जैसी वस्तु से हमला कर घायल कर दिया और आगे विवाद करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर आरोपी पंकज तुरकर ग्राम कान्दी खुर्द निवासी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कान्दी खुर्द निवासी वीरेंद्र तुरकर 30 वर्ष पेशे से सिविल इंजीनियर हैं। उनका गांव के ही पंकज तुरकर के साथ घरेलू बातों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।4 जुलाई को वीरेंद्र तुरकर किसी काम से ग्राम कटंगी गए थे। काम निपटाकर शाम करीब 7:30 बजे वह अपने गांव कान्दी खुर्द लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम पारडी में रास्ते में उनकी मुलाकात पंकज तुरकर से हो गई। आरोप है कि पंकज ने पुराने घरेलू विवाद को लेकर वीरेंद्र को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। वीरेंद्र ने गाली देने से मना किया तो पंकज आवेश में आ गया और उसके पास रखी लोहे जैसी वस्तु से वीरेंद्र के हाथ की कोहनी के ऊपर वार कर दिया। हमले में वीरेंद्र को चोटें आईं।घटना के समय आसपास मौजूद ग्राम पारडी के लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। इसके बाद भी पंकज नहीं माना और वीरेंद्र को दोबारा घरेलू बातों को लेकर विवाद करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी।घटना के बाद घायल वीरेंद्र तुरकर अपने गांव के महेंद्र तुरकर और तोलूराम तुरकर के साथ किरनापुर पुलिस थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई।किरनापुर पुलिस ने तत्काल वीरेंद्र का मेडिकल मुलाहिजा और इलाज करवाया। सुरेंद्र तुरकर की शिकायत पर आरोपी पंकज तुरकर ग्राम कान्दी खुर्द निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता कि संबंधित धाराओं के तहत मामला कायम कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

## बालाघाट पहुंचेंगे अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला प्रभारी मोबीन राजा खान, अध्यक्ष पद के दावेदारों से करेंगे वन-टू-वन चर्चा

### सर्किट हाउस में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, विधायक और जिला अध्यक्ष से भी होगी बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के बालाघाट प्रभारी मोबीन राजा खान सोमवार, 6 जुलाई को बालाघाट प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे तथा जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनकी दावेदारी और संगठनात्मक कार्यों की जानकारी लेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार श्री खान दोपहर 12 बजे सर्किट हाउस, बालाघाट में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, विधायकों और जिला कांग्रेस अध्यक्ष से संगठन की वर्तमान स्थिति एवं आगामी रणनीति को लेकर चर्चा करेंगे। बताया गया है कि प्रभारी जिले में संगठन की मजबूती, सक्रियता और नेतृत्व को लेकर फीडबैक एकत्रित करेंगे। अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों से अलग-अलग चर्चा कर उनकी संगठनात्मक क्षमता, कार्यशैली और पार्टी के प्रति योगदान का भी आकलन किया जाएगा। प्रवास के दौरान प्राप्त सुझावों, स्थानीय नेताओं की राय और संगठनात्मक स्थिति के आधार पर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की संगठनात्मक प्रक्रिया तय की जा सकती है। कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव शफकत खान द्वारा जारी की गई है। कांग्रेस संगठन में चल रही नियुक्ति प्रक्रिया के बीच प्रभारी का यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट